@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 14 अप्रैल 2024

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 144 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

केजरीवाल की याचिका पर 15 अप्रैल को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने शराब नीति मामले में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई के लिए हामी भर दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख मुकर्रर की है। बताया गया है कि जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ उनकी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। केजरीवाल ने ईडी की गिरफ्तारी व रिमांड के खिलाफ अपील की है। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में कहा, गिरफ्तारी अविश्वसनीय दस्तावेज पर आधारित है और हमसे छिपाई गई है। इस पर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, ईमेल भेजें, मैं इस मामले को देखेंगे। इससे पहले उच्च न्यायालय ने मंगलवार को अरविंद केजरीवाल की दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। केजरीवाल ने साथ ही ट्रायल कोर्ट द्वारा उन्हें ईडी रिमांड में भेजने के लिए पारित आदेश को भी चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने केजरीवाल के उस तर्क को भी खारिज कर दिया कि उनकी गिरफ्तारी लोकसभा चुनावों में पार्टी को नुकसान पंहुचाने के लिए की गई है और मामले में आरोपी से सरकारी गवाह बने चुनावी बॉन्ड एक राजनीतिक पार्टी को दिए है। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनाव लड़ने के लिए टिकट कौन देता है या चुनावी बॉन्ड कौन खरीदता है, यह अदालत की चिंता नहीं है। इतना ही नहीं अदालत ने ईडी के उस तर्क को भी मान लिया कि आम आदमी पार्टी एक कंपनी की तरह काम कर रही थी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने फैसले में कहा कि यह माना गया कि इस मामले में धारा 70 पीएमएलए की कठोरता आकर्षित होती है। धारा 70 कंपनियों द्वारा किए गए अपराधों को दंडित करती है। इसमें प्रावधान है कि जब कोई कंपनी पीएमएलए का उल्लंघन करती है, तो प्रत्येक व्यक्ति जो उल्लंघन के समय कंपनी के व्यवसाय के संचालन का प्रभारी था, उसे दोषी माना जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा पंकज बंसल मामले में निर्धारित कानून के सभी आदेशों का पालन किया गया। केजरीवाल को हिरासत में

भेजने का मजिस्ट्रेट अदालत का आदेश भी तर्कसंगत आदेश था। न्यायमूर्ति शर्मा ने केजरीवाल की गिरफ्तारी और उसके बाद रिमांड को बरकरार रखते हुए कहा कि ईडी पर्याप्त सामग्री, अनुमोदकों के बयान और आप के अपने उम्मीदवार के बयान पेश करने में सक्षम है कि केजरीवाल को गोवा चुनाव के लिए पैसे दिए गए थे। कोर्ट ने कहा ईडी द्वारा एकत्र की गई सामग्री से पता चलता है कि केजरीवाल ने साजिश रची और उत्पाद शुल्क नीति के निर्माण में शामिल थे और अपराध की आय का इस्तेमाल किया। वह कथित तौर पर नीति के निर्माण में व्यक्तिगत क्षमता और रिश्वत की मांग में भी शामिल हैं और दूसरे आप के राष्ट्रीय संयोजक की क्षमता में भी शामिल हैं। केजरीवाल ने तर्क दिया था कि उन्हें परोक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि आप एक कंपनी नहीं है बल्कि जन प्रतिनिधि अधिनियम के तहत पंजीकृत एक राजनीतिक दल है। अदालत ने कहा केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा पंकज बंसल मामले में निर्धारित कानून के सभी आदेशों का पालन किया गया। केजरीवाल को हिरासत में भेजने का मजिस्ट्रेट अदालत का आदेश भी तर्कसंगत आदेश था। आम चुनाव से पहले गिरफ्तारी के समय को चुनौती देने वाली केजरीवाल की दलीलों पर अदालत ने कहा याचिकाकर्ता को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है और अदालत को चुनाव के समय की परवाह किए बिना कानून के अनुसार उसकी गिरफ्तारी और रिमांड की जांच करनी होगी।

इंडी सरकार बनी तो अग्निवीर योजना खत्म करेंगे: तेजस्वी

कौमी संवाददाता

पटना, 13 अप्रैल। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनता दल का घोषणा पत्र जारी कर दिया है। उन्होंने राजद कार्यालय में प्रेस वार्ता की और राजद के वरीय नेताओं के साथ घोषण पत्र जारी किया। तेजस्वी यादव ने देश की जनता के लिए 24 वचन दिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं लंबे समय से नौकरी, महंगाई, गरीबी और बेरोज़गारी के बारे में बोल रहा हूं। लेकिन, प्रधानमंत्री जनमुद्दों और काम की बात का नोटिस ही नहीं लेते। उन्हें तो बस अपने मन की बात सुनानी है। 10 वर्षों में उन्होंने बिहार को क्या दिया? अपने वादे पूरे क्यों नहीं किए? इन पर नहीं बोलते, वो मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इधर-उधर की बातें करते है। बिहार की जनता बहुत समझदार है। तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि अगर इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो पूरे देश में एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। पूरे देश में 30 लाख पद रिक्त पड़े हैं। उसको तो भरेंगे ही। लेकिन, 70 लाख पदों का सृजन करेंगे। आपलोग जानते हैं नौकरी, बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। भाजपा के लोगों ने दो करोड़ नौकरी हर साल देने का वादा किया था। हमलोग सच्चे लोग हैं। जो कहते हैं,

वह करते हैं। 15 अगस्त से नौकरी की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि आगामी रक्षा बंधन से देश के गरीब महिला को एक लाख सहायता देगें। साथ ही 500 रुपया गैस सिलेंडर का दाम पूरे देश में कर दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने अग्निवीर योजना को खत्म करने की बात कही। बिहार के लिए एलान करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बिजली की दर 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलवाएंगे। बिहार को एक लाख 60 हजार करोड़ का स्पेशल पैकेज बिहार को दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो पुरानी पेशन योजना लागू करेगें।

पीलीभीत में अखिलेश यादव की पहली जनसभा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। भाजपा से मुकाबिल विपक्षी गठबंधन यूपी में अपनी गांठें अब तक नहीं कस पा रहा है। पीलीभीत में शुक्रवार को आयोजित समाजवादी पार्टी की पहली रैली में कमोबेश यही नजर आया। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने जोरशोर से चुनावी शंखनाद तो किया, लेकिन अवाम तक गठबंधन की एकता का संदेश अपेक्षित मजबूती से नहीं पहुंचा पाए। पोस्टर तक सीमित कांग्रेस व अन्य नेताओं के चेहरों की कमी मंच पर खलती रही। पीलीभीत के कांग्रेस जिलाध्यक्ष को मंच पर जगह जरूर मिली लेकिन अखिलेश की रणनीति एकला चलो वाली ही नजर आई। वर्ष-2017 के विधानसभा चुनाव में दो लड़कों के नारे से मशहूर हुई सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जोड़ी उस समय भले ही कमाल न कर पाई हो, लेकिन एनडीए के खिलाफ एकजुट विपक्ष ने फिर से गठबंधन कर कमर कसी है। मेनका गांधी और वरुण गांधी

की 35 साल तक कर्मभूमि रही पीलीभीत लोकसभा सीट पर सपा की पहली रैली में लोगों को उम्मीद थी कि कांग्रेस और सपा के नेता एक साथ मंच साझा कर प्रदेश को संदेश देंगे। इसके पीछे सियासी पंडित तर्क भी लगा रहे थे कि वरुण का टिकट कटने के बाद सपा राहुल गांधी के जरिये मतदाताओं को साधने की कोशिश करेगी। चूंकि टिकट कटने के बाद वरुण ने भावुक पत्र लिखकर पीलीभीत की जनता को संदेश दिया था। हालांकि, उसके बाद से अब तक वे एक बार भी यहां नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में भाजपा के खिलाफ यह बड़ा हथियार साबित हो सकता था। शुक्रवार को सपा ने टाइगर रिजर्व में स्थानीय मुद्दे तो जरूर छेड़े, लेकिन सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं को अपेक्षित तरजीह नहीं दी। मंच पर लगे बैनर में अखिलेश के साथ राहुल गांधी की फोटो थी और ऊपर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी जगह दी गई थी। इसके अलावा गठबंधन के किसी सहयोगी दल के नेता नहीं दिखे। जानकारों की मानें तो पीलीभीत में 50 हजार की ज्यादा आबादी वाले बंगाली समाज को साधने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चेहरे का उपयोग करने में भी सपा चूक गई है। जनसभा में सपा मुखिया अखिलेश यादव बेहद सधे अंदाज में किसानों और नौजवानों के साथ आम लोगों की दुखती रग पर हाथ धर गए। उन्होंने किसान आंदोलन और तिकुनिया कांड की याद दिलाई। केंद्र सरकार के तीन कानूनों को काला करार देते हुए उनके समाप्त होने को किसानों की जीत बताया और एमएसपी कानून के जरिए सपा के इरादे जाहिर किए।

प्रधानमंत्री मोदी न होते तो अयोध्या में राम मंदिर नहीं बन पाता: राज ठाकरे

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 13 अप्रैल। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने दावा किया अगर पीएम मोदी नहीं होते तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद अयोध्या में राम मंदिर नहीं बनता। गौरतलब है, राज ठाकरे ने हाल ही में राज्य में भाजपा की महायुति गठबंधन को समर्थन देने का एलान किया था। महायुति गठबंधन में पहले से ही भाजपा, एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी भी शामिल है। हालांकि, राज ठाकरे की पार्टी के कई पदाधिकारी उसके इस फैसले के विरोध में खड़े हो गए थे और अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इन सबके बीच, ठाकरे ने पत्रकारों से कहा कि मनसे उन नेताओं की सूची तैयार करेगी, जिनसे महायुति गठबंधन चुनाव में साथ देने के लिए संपर्क कर सकता है। इस दौरान ठाकरे ने इन सवालों को टाल दिया कि क्या वह भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के महाराष्ट्र के सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति के लिए रैलियों को संबोधित करेंगे। ठाकरे ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और मुखाटा संगठनों से मुलाकात की और उनसे महायुति समर्थित उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने को कहा है। बता दें, महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से 20 मई के

बीच पांच चरणों में होगा। उन्होंने कहा, अगर नरेंद्र मोदी नहीं होते तो राम मंदिर नहीं बनता, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी। यह लंबे समय तक चलने वाला मामला बना रहता। ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर को बनाए जाने का मामला 1992 से चल रहा था, जब बाबरी मस्जिद को गिराया गया था। उन्होंने कहा कि कुछ अच्छी चीजें जो होती हैं उनकी प्रशंसा किए जाने की जरूरत होती है। एक ओर अक्षम और दूसरी ओर मजबूत नेतृत्व है। इसलिए हमने नरेंद्र मोदी का समर्थन करने के बारे में सोचा। मोदी के समर्थन में खामियां निकालने के लिए अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पर पलटवार करते हुए मनसे प्रमुख ने कहा कि वह बीमार हैं। ठाकरे ने कहा कि उनकी महाराष्ट्र को लेकर कुछ मांगें हैं जिनमें मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देना और राज्य में किलों का जीर्णोद्धार शामिल है जो भाजपा को बता दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि गुजरात मोदी को अधिक प्रिय है क्योंकि वह वहीं से आते हैं। लेकिन उन्हें इसी तरह अन्य राज्यों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा, गुड़ी पड़वा के दिन ही हमने घोषणा की थी कि इस बार हम नरेंद्र मोदी का समर्थन करेंगे।

'सेना की आवाजाही को रोकने के लिए उड़ाया गया पुल'

इंफाल, 13 अप्रैल। मणिपुर हिंसा के दौरान कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आरोप पत्र दायर किया है। एजेंसी ने मामले में मुख्य साजिशकर्ता सहित दो आरोपियों के खिलाफ विशेष एनआईए अदालत में आरोप पत्र दायर करते हुए कहा कि आतंक फैलाने और सुरक्षाबलों और लोगों की आवाजाही को रोकने के लिए आरोपियों ने साजिश रची थी। एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि 21 जून, 2023 को कोटिडिम रोड (एनएच -02) के साथ, फोगाकचाओ इखाई अवांग लीकाई और क्राक्टा और बिष्णुपुर क्षेत्र से जुड़े एक पुल को कार में आईईडी रखकर उड़ा दिया गया था। विस्फोट में तीन लोग घायल हो गए। इसके अलावा कई सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। विस्फोट के मामले में मोहम्मद नूर हुसैन उर्फ तोम्बा उर्फ मोहम्मद नूर हसन और मुख्य साजिशकर्ता सेमिनलुन गंगटे उर्फ मिनलुन को गिरफ्तार किया गया था। एनआईए के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम- 1908 और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम- 1984 की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किए गए हैं। एनआईए जांच के दौरान, पिछले साल 16 अक्टूबर को हुसैन की गिरफ्तारी हुई थी। आरोप पत्र के अनुसार, हुसैन ने कार में आईईडी लगाया गया था और उसे क्राक्टा में पुल पर पार्क किया था।

आतंकी नियम नहीं मानते, तो उनके खात्मे के भी कोई नियम नहीं: विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 13 अप्रैल। पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री जयशंकर ने युवाओं के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है और आतंकवाद से निपटने का यही तरीका है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत का पड़ोसी देश है, इसके लिए केवल हम जिम्मेदार हैं। अपने संबोधन में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि 1947 में पाकिस्तान ने कश्मीर पर आक्रमण किया और भारतीय सेना ने उनका डटकर मुकाबला किया और राज्य का एकीकरण हुआ। उन्होंने कहा कि जब भारतीय सेना अपनी कार्रवाई कर रही थी, हम रूक गए और संयुक्त राष्ट्र में चले गए। आतंकवाद को लेकर पहले नीतियां पूरी तरह से अलग थी। युवाओं से बातचीत करते हुए जयशंकर ने दो टूक शब्दों में कहा कि आतंकवाद किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। देश की विदेश नीति के बदलाव पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा कि मेरा जवाब है...हां 50 फीसदी निरंतता है और 50 फीसदी बदलाव है। उन्होंने कहा कि मुंबई हमले के बाद एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं होगा जिसने महसूस नहीं किया कि हमें जवाब नहीं देना चाहिए। आंतकवाद पर बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि आतंकवादियों को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि वे सीमा पार हैं, इसलिए उन्हें कोई छू नहीं सकता। मैं आपको बता दूं आतंकवादी किसी भी नियम से नहीं खेलते हैं, इसलिए हमारा मानना है कि आतंकवादियों को जवाब देने के लिए भी कोई नियम नहीं हो सकता। राजनयिक के रूप में भगवान हनुमान को कैसे देखा जा सकता है, इस सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा कि एक आदर्श राजनयिक पहले अपने स्वामी और देश का पक्ष प्रस्तुत करता है।

जनसभा की शुरुआत में लिया अबकी बार 400 बार का संकल्प: अमित शाह

सौरभ शर्मा

जयपुर, 13 अप्रैल। राजस्थान लोकसभा चुनाव के लाइव ब्लॉग में आपका स्वागत है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज राजस्थान के दौरे पर हैं। वे अलवर में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। शाह ने कहा कि कांग्रेस आरक्षण को लेकर जनता में गलतफहमी फैला रही है कि भाजपा आरक्षण समाप्त कर देगी। उन्होंने कहा न तो भाजपा आरक्षण समाप्त करेगी, न ही किसी को करने देगी। राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार कहती है बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ लेकिन कांग्रेस कहती है बेटा बचाओ, पीएम बनाओ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पूरा ध्यान राहुल बाबा को पीएम बनाने की तरफ है। राहुल बाबा ऐसा यान है, जो लांच ही नहीं हो पा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के बयान की ओर ध्यान दिलाते हुए शाह ने कहा कि खडगे जी का कहना है कि राजस्थान वालों को कश्मीर से क्या लेना-देना, मैं पूछता हूं कि कश्मीर हमारा है या नहीं। कांग्रेस ने वोटों की राजनीति के चलते धारा 370 का मामला अटकाकर रखा था, मोदी जी ने तुरंत ही इसका हल निकालते हुए धारा 370 समाप्त करके कश्मीर में तिरंगा फहराया। उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान में पानी की किल्लत को समाप्त करने के लिए इआरसीपी को जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा,

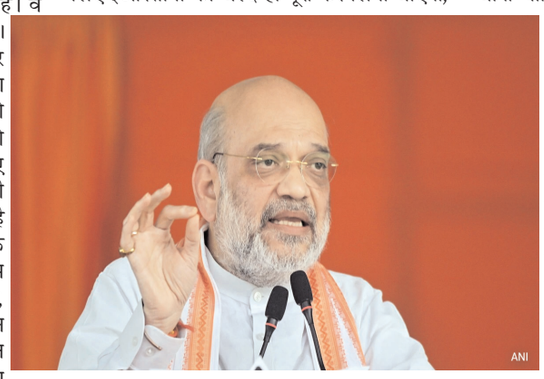

जिससे राजस्थान की पानी की किल्लत समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नदियों को जोड़ने योजना का हमेशा ही विरोध किया है। शाह ने कहा कि मैं ऐसे ही मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए नहीं कहता हूं। मोदीजी ने पिछले दस साल में जो काम किए हैं और आने वाले 25 सालों के लिए देश के विकास की जो प्लानिंग उनके पास है, इसी को देखते हुए उन्हें फिर से प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। राम मंदिर को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्तर साल से जिस काम को लटकाती रही थी मोदी जी ने सत्ता में आते ही राम मंदिर का फैसला भी आ गया और भूमि पूजन होकर मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। अब सवा पांच सौ साल के बाद 17 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर रामलला फिर से अपना बर्थडे इस भव्य मंदिर में मनाएंगे। कांग्रेस ने वन रेंक, वन पेंशन का वादा इंदिराजी के समय किया था लेकिन वह मोदी जी के आने तक पूरा नहीं हो पाया था। नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनते ही वन रेंक, वन पेंशन योजना को लागू कर दिया। भाजपा प्रत्याशी भूपेंद्र यादव के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भूपेंद्र जी ने मेरे साथ संगठन में भी काम किया है और मोदी जी की कैबिनेट में भी हम साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घर में एक मटकी लाने से पहले उसे भी टकोरा लगाकर देखते हैं कि वह कच्ची है या पक्की।

एक झटके में मिटा देंगे हिंदुस्तान से गरीबी: राहुल गांधी

नरेश मल्होत्रा

रायपुर/जगदलपुर, 13 अप्रैल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने आज शनिवार को बस्तर की धरती से बीजेपी की डबल इंजन की सरकार और पीएम मोदी पर जमकर बरसे। जगदलपुर के लालबहादुर शास्त्री मैदान में आयोजित जनसभा में केंद्र सरकार पर कई आरोप लगाये। उन्होंने कहा कि अगर पीएम मोदी अरबपतियों को पैसा दे सकते हैं तो कांग्रेस भी गरीबों को पैसा दे सकती है। चुनाव जीतने के बाद हम महालक्ष्मी योजना लाएंगे, जो भी लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं, सबकी लिस्ट बनेगी। हर परिवार से हम एक महिला को चुनेंगे। केंद्र में हमारी सरकार बनने पर महिलाओं के बैंक अकाउंट में हर महीने 8500 रुपये सरकार डालेगी। इस तरह सालाना सभी महिलाओं के खाते में एक लाख रुपये डाले जाएंगे। मतलब एक झटके में हम हिंदुस्तान से गरीबी को मिटा देंगे। इससे करोड़ों लोगों को फायदा मिलेगा। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 50न आरक्षण और जो महिलाएं आंगनबाड़ी और आशा में काम करती हैं। उनके वेज को दोगुना करेंगे। आज उनको जितना मिलता है चुनाव के बाद डबल मिलेगा। दंतेश्वरी माता की जय, गंगा माता की जय से अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र में हमारी सरकार बनने के बाद हम जाति जनगणना कराएंगे ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। इस चुनाव में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी और इंडिया एलियांज लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है,तो दूसरी तरफ पीएम नरेंद्र मोदी और उद्योगपति अडानी संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी सरकार में गरीब लोगों को परमानेंट नौकरी नहीं मिलती। अमीर लोगों को सैलरी, पेंशन, मेडिकल, सब कुछ मिलता है। अगर गरीब लोग मनरेगा में काम करते हैं या फिर ठेकेदारी प्रथा में काम करते हैं। कभी भी उन्हें काम से निकाला जा सकता है। कांग्रेस की सरकार में सरकारी कंपनियों में, पब्लिक सेक्टर में ठेकेदारी प्रथा को खत्म करेंगे। चाहे पब्लिक सेक्टर हो या सरकारी ऑफिस सबको परमानेंट नौकरी मिलेगी। आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी ने 22 से 25 लोगों का 16 लाख करोड़ रूपया कर्ज माफ किया है। 24 साल का मनरेगा का पैसा 22 से 25 लोगों का कर्जा माफ किया है पर वो किसानों का कर्जा माफ नहीं करते हैं। वह 22-25 लोगों का ही कर्ज माफ करते हैं। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनी तो हमने छत्तीसगढ़ के किसानों का कर्जा माफ

किया। उनसे समर्थन मूल्य पर धान लिया। हिंदुस्तान की सरकार को 90 अफसर चलाते हैं। जब बजट बनता है तो यहीं 90 लोग निर्णय लेते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वो हर भाषण में अलग-अलग चीजें कहते हैं। कभी समुद्र के नीचे घुस जाते हैं, समुद्र के नीचे पूजा करते हैं। कोरोना में कहते हैं भाई और बहनों ताली बजाओ। मतलब ऑक्सीजन नहीं है, सांस नहीं ले पा रहे हैं। अस्पताल के सामने लाशों का ढेर है और वो कह रहे हैं कि ताली बजाओ। उसके बाद कहते हैं कि थाली से काम नहीं चलेगा अब मोबाइल फोन की लाइट जलाओ। अस्पतालों में बिजली नहीं थी, वो कहते हैं मोबाइल फोन की टॉर्च चलाओ। उन्होंने आदिवासियों को साधते हुए कहा कि पीएम मोदी ने आदिवासी शब्द को बदलने की कोशिश की। हम आदिवासी कहते हैं, बीजेपी के लोग वनवासी कहते हैं। वनवासी और आदिवासी में जमीन आसमान का फर्क है। आदिवासी का मतलब जो इस जमीन का, जल, जंगल का पहले से असली मालिक था। यानी जब हिंदुस्तान में कोई और नहीं था तो आदिवासी रहते थे। आदिवासियों का जल, जंगल, जमीन पर अधिकार नहीं होना चाहिए। बीजेपी और आरएसएस के लोग अदिवासियों के धर्म, विचारधारा, आपकी भाषण, इतिहास पर आक्रमण करते हैं। आरोप लगाते हुए कहा कि हिंदुस्तान में जंगल कम होते जा रहे हैं। बीजेपी के लोग अदानी जी जैसे अरबपतियों को जंगल, जमीन देते जा रहे हैं। एक ऐसा दिन आएगा जब हिंदुस्तान में जंगल नहीं होगा और बीजेपी आरएसएस के लोग कहेंगे कि आप वनवासी हो, अब जंगल और वन नहीं हैं तो आप कहीं के नहीं हो। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि लाखों लोग कोरोना की वजह से घर वापस लौटे। दिल्ली से, पंजाब से, महाराष्ट्र से लोग छत्तीसगढ़ वापस आए। दिल्ली की सरकार ने किसी की मदद नहीं की। वो पूरा का पूरा दिन दो-तीन अरबपतियों को ही दे देते हैं। वो अरबपतियों के लिए काम करते हैं। अडानी-अंबानी ये पांच छह लोग हैं। राम मंदिर के उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को मना कर दिया गया कि आप राम मंदिर के उद्घाटन में नहीं आ सकतीं। राष्ट्रपति को आदिवासी होने से राम मंदिर के उद्घाटन में नहीं आने दिया गया। बीजेपी का नेता आदिवासी युवाओं पर पेशाब कर रहे हैं, ये सबने देखा है। इसके बाद उस वीडियो को बीजेपी के लोग पूरे हिंदुस्तान में फैला रहे हैं कि देखो आदिवासियों के साथ हम क्या कर सकते हैं, यह उनकी सोच है और इनका लक्ष्य वही है कि जल, जंगल, जमीन पर कब्जा कर लें। आपको एक दूसरे से लड़ने के लिए अडानी को जल, जंगल और जमीन दे दें।

पाकिस्तान-ईरान की सुरक्षा चुनौतियों दूर करने के लिए सूचना का आदान-प्रदान बढ़ाने की जरूरतः जरदारी

एजेंसी

इस्लामाबाद । राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के साथ बातचीत में दोनों देशों के सामने आने वाली 'सुरक्षा चुनौतियों को दूर करने के लिए सूचना के आदान-प्रदान' को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार रात जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि दोनों राष्ट्रपतियों ने टेलीफोन पर बातचीत की और ईद-उल-फितर के अवसर पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। बयान में कहा गया, 'उन्होंने दोनों देशों के सामने आने वाली सुरक्षा चुनौतियों से पार पाने के लिए सूचनाओं के आदान-प्रदान को बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया।' पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने श्री रायसी को पाकिस्तान आने का भी निमंत्रण दिया।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों एवं आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक व्यक्ति की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में रात सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह घटना प्रांत के नुशकी जिले में हुई, जहां प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के झंडे के साथ पांच से छह सशस्त्र आतंकवादियों ने वहां से गुजरने वाले सभी वाहनों की जांच करने के लिए एक राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। सूत्रों ने बताया कि सूचना मिलने पर सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे और आतंकवादियों के साथ उनकी मुठभेड़ हो गयी। मुठभेड़ में एक नागरिक की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। गोलीबारी के बाद आतंकवादी घटनास्थल से भाग गए। घायल लोगों को पास के अस्पताल में ले जाया गया।

शी ने पेलेग्रिनी को राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पीटर पेलेग्रिनी को स्लोवाकिया का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी है। श्री शी ने भेजे अपने संदेश में कहा कि चीन और स्लोवाकिया के बीच पारंपरिक दोस्ती समय के साथ मजबूत हुई है और हाल के वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाओं के साथ विकास की अच्छी गति बनाए रखी है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष चीन और स्लोवाकिया के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ है, जो द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए नए और महत्वपूर्ण अवसरों की शुरुआत है। श्री शी ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच पारंपरिक मित्रता और राजनीतिक पारस्परिक विश्वास को गहरा करने के लिए श्री पेलेग्रिनी के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

अमेरिका के टेक्सास में सार्वजनिक सुरक्षा कार्यालय में सेमीट्रेलर के घुसने से एक व्यक्ति की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ब्रेनहैम में शुक्रवार को एक चोरी हुए सेमीट्रेलर के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के कार्यालय में घुस जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। टेक्सास के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आठ घायलों का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया जबकि छह अन्य को गंभीर चोटों के कारण स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया।

इजराइल पर हिजबुल्लाह ने एक साथ दागे 40 से ज्यादा रॉकेट, इजराइली सेना का वॉर रूम में अलर्ट

अमेरिका की सेना भेजने की तैयारी

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल पर हमास के हमले के बाद से शुरू हुए युद्ध के बीच इजराइल पर हिजबुल्लाह ने बड़ा हमला कर दिया है। चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह ने उत्तरी इलाके गैलिली के ऊपर एक साथ 40 से अधिक रॉकेट दागे और इन रॉकेट हमलों की जिम्मेदारी ली है। लेबनान में ईरान के हिजबुल्ला ने एक बयान में कहा कि उसने उत्तरी इजराइल में इजराइली सेना की तोपों को निशाना बनाते हुए दर्जनों रॉकेट दागे हैं। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने रॉकेट हमलों की पुष्टि करते हुए कहा है कि इसमें कोई घायल नहीं हुआ है। आईडीएफ के वार रूम ने हमले का वीडियो भी जारी किया है। उधर लेबनान के

रॉकेट हमलों के बाद अमेरिका और सतर्क हो गया है. अमेरिकी अधिकारी ने बताया है कि अमेरिका ने ईरानी हमले की आशंका के बीच मध्य पूर्व में अतिरिक्त सेना भेज रहे हैं। आईडीएफ ने कहा, लेबनान इलाके से उत्तरी इजरायल में करीब 40 रॉकेट दागे गए, जिनमें से कुछ को आयरन डोम एयर डिफेंस प्रणाली ने ध्वस्त कर दिया जबकि कुछ ने खुले इलाकों को प्रभावित किया या फिर लेबनान के अंदर गिरे। घटना के दौरान सायरन बजते रहे। इसके पहले आईडीएफ ने कहा था कि एयर डिफेंस ने उत्तरी इजरायल में हिजबुल्लाह द्वारा लॉन्च किए गए दो विस्फोटकों से भरे ड्रोन को मार गिराया है। उधर लेबनान के रॉकेट हमलों के बाद अमेरिका और सतर्क हो गया है. अमेरिकी अधिकारी ने बताया है कि अमेरिका ने ईरानी हमले की आशंका के बीच मध्य पूर्व में अतिरिक्त सेना भेज रहे हैं. लेकिन अमेरिका के लिए खाड़ी राज्यों ने एक नई परेशानी खड़ी कर दी है। कुवैत और कतर ने संयुक्त राज्य अमेरिका को चेतावनी दी है कि ईरान पर हमला करने के लिए वह अपने क्षेत्र पर सैन्य अड्डों के उपयोग की अनुमति नहीं देंगे. बता दें कि अमेरिका का खाड़ी देश में बहुत बड़ा सैन्य बेस है जहां तकरीबन 40 हजार सैनिक तैनात हैं।

गाजा पर इजरायली हवाई हमले में 29 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा। इजरायली सैनिकों ने गाजा में एक आवासीय इमारत पर भीषण हवाई हमले किये जिसमें कम से कम 29 लोगों की मौत हो गयी और 12 से अधिक लोग घायल हो गये। आधिकारिक समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी।रिपोर्ट के अनुसार हवाई हमले में 29 से अधिक लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि 12 से अधिक लोग घायल हुए हैं जिनमें कई गंभीर हैं। इधर इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने आज एक बयान में कहा कि वायुसेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान गाजा पट्टी में 60 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं।

रमजान के दौरान कराची में डकैती का विरोध करने पर 19 लोगों की हत्या, 55 घायल

एजेंसी

राची। पाकिस्तान में रमज़ान के दौरान अपराध में बढ़ोतरी देखा गया। इसी क्रम में कराची में रमजान में डकैतियों के विरोध के परिणामस्वरूप 19 मौतें हुई और 55 लोग घायल हुए। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने खुलासा किया कि डकैती की कोशिश के दौरान कराची में 19 नागरिकों की मौत हो गई। वारदात में शामिल लुटेरे हथियार से लैस थे। इस साल शहर में डकैती से संबंधित मौतों में उल्लेखनीय बढ़त देखी गई है, जो कुल मिलाकर 56 हो गई है, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसकी तुलना में पिछले साल इसी अवधि में डकैतियों के खिलाफ प्रतिरोध के कारण 25 मौतें हुई थी और 110 घायल हुए थे। 2023 में आंकड़े चिंताजनक रूप से अधिक थे समान परिस्थितियों के कारण 108 मौतें और 469 घायल हुए थे। कराची पुलिस ने इस वर्ष लुटेरों के साथ 425 मुठभेड़ की, जिसमें 55 डकैत मारे गए और 439 घायल हो गए। नागरिक-पुलिस संपर्क समिति (सीपीएलसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के पहले तीन महीनों में 22,627 अपराध दर्ज किए गए, जिनमें 59

मौतें और डकैती प्रतिरोध से उत्पन्न 700 से अधिक का घायल होना शामिल हैं।

इसके अलावा इस अवधि में 373 कारें, 15,968 मोटरसाइकिलें और 6,102 मोबाइल फोन चोरी या छीने जाने की सूचना मिली। रिपोर्ट के अनुसार, सीपीएलसी रिपोर्ट में कराची में 25 जबरन वसूली की घटनाओं और फिरौती के लिए अपहरण के पांच मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया गया है। कराची के पुलिस प्रमुख अतिरिक्त महानिरीक्षक इमरान याकूब ने शहर के अपराध के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए बाहरी लोगों को जिम्मेदार ठहराया, जिनमें आंतरिक सिंध और बलूचिस्तान के लोग भी शामिल थे।

याकूब ने कहा कि शहर में प्रति दिन 166 मामलों की दैनिक अपराध दर, पाकिस्तान के अन्य प्रमुख शहरों की तुलना में तुलनात्मक रूप से कम है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि लगभग 4,00,000 पेशेवर भिखारी और आपराधिक तत्व रमज़ान और ईद-उल-फितर के दौरान कराची में आते हैं।

पाकिस्तान के खैबर जिले में ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को गिराया गया

एजेंसी

पेशावर। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा स्थित खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को गिरा दिया गया है। मंदिर को गिराने के बाद वहां वाणिज्यिक परिसर का निर्माण शुरू हो गया है। मंदिर 1947 से इसके मूल निवासियों के भारत चले जाने के बाद से बंद था। खैबर जिले के सीमावर्ती शहर लैंडी कोटाल बाजार में 'खैबर मंदिर' था लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा था। इस स्थान पर निर्माण करीब 10-15 दिन पहले शुरू हुआ। विभिन्न प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों ने या तो हिंदू मंदिर के अस्तित्व के बारे में जानकारी होने से इनकार किया या दावा किया कि निर्माण नियमों के अनुसार हो रहा है। लैंडी कोटाल निवासी प्रमुख कबायली पत्रकार इब्राहिम शिनवारी ने दावा किया कि मुख्य लैंडी कोटाल बाजार में एक ऐतिहासिक मंदिर था। उन्होंने कहा, ÷मंदिर लैंडी कोटाल बाजार के केंद्र में स्थित था, जिसे 1947 में स्थानीय हिंदू परिवारों के भारत चले जाने के बाद बंद कर दिया गया था। 1992 में भारत में अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद कुछ मौलवियों और मदरसों ने इसे आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया था।

इब्राहिम ने अपने बचपन को याद

करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूर्वजों से इस मंदिर के बारे में अनेक कहानियां सुनीं। उन्होंने कहा, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि लैंडी कोटाल में 'खैबर मंदिर' नाम का एक धर्मस्थल था। पाकिस्तान हिंदू मंदिर प्रबंधन समिति के हारून सरबदियाल ने जोर देकर कहा कि गैर-मुसलमानों के लिए धार्मिक महत्व की ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा और पुनर्वास सुनिश्चित करना जिला प्रशासन और संबंधित सरकारी विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, पुलिस, संस्कृति विभाग और स्थानीय सरकार पूजा स्थलों सहित ऐसे स्थलों की सुरक्षा के लिए 2016 के पुरावशेष कानून से बंधे हैं। वहीं, लैंडी कोटाल के सहायक आयुक्त मुहम्मद इरशाद ने कहा कि खैबर कबायली जिले के आधिकारिक भूमि रिकॉर्ड में मंदिर का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने मंदिर गिराये जाने के बारे में अनभिज्ञता प्रकट की। उन्होंने कहा, लैंडी कोटाल बाजार में पूरी जमीन राज्य की थी। लैंडी कोटाल के पटवारी जमाल आफरीदी ने दावा किया कि उन्हें मंदिर स्थल पर निर्माण गतिविधि की जानकारी नहीं है।

जर्मनी में आसानी से बदल सकेंगे नाम, संसद में कानून पारित

एजेंसी

बर्लिन। जर्मन सांसदों ने ट्रांसजेंडर, इंटरसेक्स और नॉनबाइनरी लोगों के अपने नाम और लिंग आधिकारिक रिकॉर्ड में बदलने की अनुमति देने वाले कानून को मंजूरी दे दी। यह कानून एक नवंबर से प्रभावी होने वाला है। चांसलर ओलाफ शोल्ज की गठबंधन सरकार द्वारा 2021 के अंत में कार्यभार संभालने के दौरान जर्मनी, यूरोपीय संघ की सर्वाधिक आबादी वाला देश है। कानून में इस तरह का बदलाव करने वाले कई अन्य देशों का अनुकरण करते हुए जर्मनी ने यह कदम उठाया। संसद के निचले सदन ने इस कानून को 251 के मुकाबले 374 मतों से मंजूरी दी। वहीं, 11 सदस्य अनुपस्थित रहे।

रूसी सेना में शामिल हुए 300 नेपाली युवाओं से नहीं हो पा रहा संपर्क, परिजन चिंतित

एजेंसी

काठमांडू। रूसी सेना में शामिल हुए 300 युवाओं से संपर्क नहीं हो पा रहा है। नेपाल से रूसी सेना में काम करने गए युवाओं के परवार वालों के लिए काम करने वाली संस्था ने सरकार को बताया कि अब तक उनके संपर्क में आए 1200 परिवार वालों में से 300 परिवार वाले ऐसे हैं, जिनसे पिछले 6 महीने से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में हजारों की संख्या में नेपाली नागरिक रूसी सेना में शामिल हुए हैं। इनमें से कुछ युवाओं के युद्ध के दौरान मारे जाने और कुछ को यूक्रेनी सेना में बंधक बनाए जाने की खबर है। नेपाल सरकार ने भी आधिकारिक

रूप से रूसी सेना में नेपाली युवाओं के शामिल होने और उनके मारे जाने की औपचारिक पुष्टि की है लेकिन अब तक नेपाल सरकार एक भी नेपाली युवा का शव लाने में सफल नहीं हो पाई है। इसी बीच, रूसी सेना में शामिल हुए युवाओं के परिवार वालों के लिए काम करने वाली संस्था जीवन रक्षा अभियान की कुतु भंडारी ने बताया कि पिछले 6 महीने में 1200 ऐसे नेपाली परिवार उनके संपर्क में आए हैं जिनका कोई अपना रूसी सेना में शामिल है। भंडारी ने बताया कि इनमें से करीब 300 परिवार वालों ने बताया कि रूसी सेना में कार्यरत उनके रिश्तेदार ने पिछले 6 महीने से कोई संपर्क नहीं किया है। भंडारी के मुताबिक सरकार ने अब तक सिर्फ 17 नेपाली युवाओं के मौत की पुष्टि की है, जबकि यह संख्या 100 से अधिक है। सरकार सिर्फ उसी के मौत की पुष्टि कर रही है, जिसका शव मिल रहा है या जिन शवों की पहचान हो रही है।

ईरान को हमले का जवाब देने के लिए अमेरिका तैयार, बाइडेन प्रशासन ने शीर्ष सैन्य कमांडर को इजराइल भेजा

एजेंसी

वाशिंगटन। ईरान के हमले का जवाब देने के लिए अमेरिका तैयार है। ईरानी हमले की बढ़ती आशंका के बीच कल अचानक एक अमेरिकी शीर्ष सैन्य कमांडर को बाइडेन प्रशासन ने इजराइल भेजा। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इजराइल भेजे गए इस सैन्य कमांडर ने वहां के शीर्ष अधिकारियों के साथ ईरान को माकूल जवाब देने के लिए साझा रणनीति पर चर्चा की।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान बार-बार सीरिया में एक अप्रैल को हुए हमले के लिए इजराइल को दंडित करने की कसम खा रहा है। इस हमले में कई वरिष्ठ ईरानी कमांडर मारे गए थे। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि वह ईरान के किसी भी तरह के हमले को जवाब देने के लिए तैयार है। इजराइल ने भी अपनी सेना को

अलर्ट पर रखा है।अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि ईरान के हमले की स्थिति में बाइडेन प्रशासन मजबूती के साथ इजराइल के साथ है। इस बीच ईरान को शांत करने के लिए अमेरिका ने चीन और मिस्र जैसे देशों से भी बात की है। इजराइली रक्षामंत्री योव गैलेंट ने अमेरिकी रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन से फोन पर बातचीत की और कहा कि अगर ईरान उनके देश पर हमला करता है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विदेश सचिव क्वात्रा ने भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी में प्रगति की समीक्षा की

एजेंसी

वाशिंगटन, डीसी। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने 10-12 अप्रैल तक वाशिंगटन, डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, विदेश सचिव क्वात्रा ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की , अमेरिका में भारतीय दूतावास को सूचित किया। दूतावास की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वाशिंगटन, डीसी की अपनी यात्रा के दौरान, विदेश सचिव ने विदेश विभाग में अपने समकक्षों, उप सचिव रिचर्ड वर्मा और उप सचिव कर्ट कैंपबेल के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की। अमेरिकी उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने एक पोस्ट में कहा, ÷ अमेरिका-भारत सहयोग और क्वाड पर चर्चा के लिए

अपने महान मित्र भारतीय विदेश सचिव क्वात्रा का वाशिंगटन में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। हिंद-प्रशांत में हमारी साझेदारी पहले से कहीं ज्यादा करीब है।÷ ङ्क. उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, रक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग और ऊर्जा विभाग के प्रमुख समकक्ष अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। इसमें कहा गया है कि इन चर्चाओं में भारत-अमेरिका संबंधों, बढ़ते रक्षा और वाणिज्यिक संबंधों, आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन और समकालीन क्षेत्रीय विकास के संपूर्ण पहलू पर चर्चा हुई । विदेश सचिव ने प्रमुख थिंकटैंक और वाणिज्य मंडलों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठकें कीं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को ध्यान में रखते हुए है और हमारी बढ़ती और भविष्योन्मुखी साझेदारी को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। एक रीडआउट के अनुसार , ÷रक्षा उप सचिव कैथलीन हिक्स ने शनिवार को पेंटागन में भारतीय विदेश सचिव विनय क्वात्रा की मेजबानी की , जिसमें यूएस-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए रोडमैप के कार्यान्वयन सहित यूएस-भारत रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की प्राथमिकताओं पर चर्चा की गई।÷

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814

मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ईरान के संभावित हमले का जवाब देने को अमेरिका के साथ इजराइल तैयार : सेना प्रमुख

जेरूसलम। इजराइल के सैन्य प्रमुख हरजी हलेवी ने कहा है कि ईरान के संभावित हमले का जवाब देने के लिए उनकी सेना यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के साथ तैयार है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दमिश्क में ईरान के दूतावास पर इजराइली हवाई हमले के बाद ईरान के संभावित हमले को देखते हुए इजराइल हाई अलर्ट पर है।

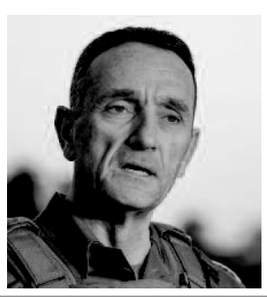

इजराइल के हमले में सात वरिष्ठ ईरानी अधिकारी मारे गए थे। सेना द्वारा जारी तस्वीरों में सेंटकॉम कमांडर जनरल माइकल एरिक कुरिला को हलेवी और इज़राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के वरिष्ठ कमांडरों के साथ तेल अवीव में एक बैठक में भाग लेते हुए दिखाया गया है। हलेवी ने कहा, आईडीएफ किसी भी हमले के खिलाफ मजबूती से तैयार है। उन्होंने कहा कि सेना अमेरिकी सशस्त्र बलों के साथ मिलकर संभावित हमले से निपटने के लिए लगातार तैयारी कर रही है।÷

एक प्रेस वार्ता में, आईडीएफ के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए बैठक आयोजित की गई थी। हगारी ने कहा कि उनकी सेना हाई अलर्ट पर है।

ईरान के संभावित हमले का जवाब देने को अमेरिका के साथ इजराइल तैयार : सेना प्रमुख

जेरूसलम। इजराइल के सैन्य प्रमुख हरजी हलेवी ने कहा है कि ईरान के संभावित हमले का जवाब देने के लिए उनकी सेना यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के साथ तैयार है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दमिश्क में ईरान के दूतावास पर इजराइली हवाई हमले के बाद ईरान के संभावित हमले को देखते हुए इजराइल हाई अलर्ट पर है।

इजराइल के हमले में सात वरिष्ठ ईरानी अधिकारी मारे गए थे। सेना द्वारा जारी तस्वीरों में सेंटकॉम कमांडर जनरल माइकल एरिक कुरिला को हलेवी और इज़राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के वरिष्ठ कमांडरों के साथ तेल अवीव में एक बैठक में भाग लेते हुए दिखाया गया है। हलेवी ने कहा, आईडीएफ किसी भी हमले के खिलाफ मजबूती से तैयार है। उन्होंने कहा कि सेना अमेरिकी सशस्त्र बलों के साथ मिलकर संभावित हमले से निपटने के लिए लगातार तैयारी कर रही है।÷

एक प्रेस वार्ता में, आईडीएफ के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए बैठक आयोजित की गई थी। हगारी ने कहा कि उनकी सेना हाई अलर्ट पर है।

नेपाल में विरोधी दलों के विरोध के बीच संसद सत्र समाप्त करने का फैसला, राष्ट्रपति को सिफारिश

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने रविवार की आधी रात से संसद का चालू सत्र समाप्त करने का फैसला लिया है। इसके लिए सरकार ने राष्ट्रपति के पास सिफारिश भी कर दी है।सरकार की प्रवक्ता और सूचना एवं संचार मंत्री रेखा शर्मा ने प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' की अध्यक्षता में हुई बैठक में संसद सत्र समाप्त करने का फैसला लिए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विपक्ष की तरफ से संसद सत्र चलाने को लेकर कोई सहयोग नहीं मिलने

के कारण संसद सत्र समाप्त करने का निर्णय किया गया। हालांकि, नेपाल में इस महीने के आखिर में होने वाले निवेश सम्मेलन के मद्देनजर संसद से 15 महत्वपूर्ण कानून बदलने के लिए सरकार की तरफ से कई प्रयास किये गए लेकिन एक भी कानून बनाए बिना ही सत्र का अवसान कर दिया गया।। प्रधानमंत्री 'प्रचंड' ने कल ही भारतीय उद्योग परिसंघ फिक्की के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात में कहा था कि संसद से कानून नहीं बना पाने के कारण अध्यादेश के मार्फत कानून बदलेंगे, ताकि निवेश सम्मेलन को सफल बनाया जा सके।

पंजाब के मुख्यमंत्री 15 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल से करेंगे मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल के डीआईजी और पुलिस के अधिकारियों के बीच सुरक्षा बैठक हुई। सुरक्षा बैठक लगभग चार घंटे चली। इसमें तय किया गया कि 15 अप्रैल को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करेंगे। जेल सूत्रों के अनुसार, सीएम केजरीवाल से केवल भगवंत मान ही मुलाकात कर सकेंगे। यह बैठक तिहाड़ जेल मुख्यालय में 11 बजे रखी गई थी। तिहाड़ जेल के जनसंपर्क अधिकारी अरविंद कुमार से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों मुख्यमंत्री की मुलाकात के लिए सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा था, जिसको लेकर बैठक रखी गई थी। बैठक तिहाड़ जेल के डीआईजी (राजीव परिहार) के ऑफिस में हुई है। इसमें पंजाब पुलिस के एडिशनल जनरल डायरेक्टर एके पांडे व जेल के सुरक्षाकर्मी मौजूद थे। इसमें मुख्यमंत्रियों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, जिसके बाद मुलाकात की तारीख तय की गई।

भारत अफगानिस्तान में हिंदू, सिख अल्पसंख्यकों को निजी भूमि लौटाने की दिशा में आगे बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अफगान हिंदुओं और सिख अल्पसंख्यकों को निजी भूमि अधिकार बहाल करने के तालिबान शासन के कदम को ÷सकारात्मक विकास÷ बताया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तालिबान प्रशासन ने हिंदू और सिख समुदायों के संपत्ति अधिकारों को बहाल करने के लिए कदम उठाया है। हमने इस मुद्दे पर रिपोर्ट देखी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा, अगर तालिबान प्रशासन ने अफगान हिंदू और सिख समुदाय से संबंधित अपने नागरिकों को संपत्ति के अधिकार बहाल करने का फैसला किया है, तो हम इसे एक सकारात्मक विकास के रूप में देखते हैं। उनकी यह टिप्पणी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान इस मामले पर एक सवाल के जवाब में आई। तालिबान शासन ने कथित तौर पर काबुल में पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान सरदारों द्वारा जब्त की गई निजी भूमि के मालिकों को अधिकार वापस दिलाने के लिए एक आयोग का गठन किया है। तालिबान सरकार का ताजा कदम अफगानिस्तान पर भारत के प्रतिनिधि जेपी सिंह द्वारा काबुल में अफगान अधिकारियों के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात के कुछ हफ्ते बाद आया है।

सीआईसी ने ईवीएम पर आरटीआई का जवाब नहीं देने पर चुनाव आयोग की खिंचाई की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा एक आरटीआई याचिका का जवाब नहीं देने पर 'गंभीर नाराजगी व्यक्त की है, जिसमें चुनाव आयोग से उसे दिए गए 'अभ्यावेदन' पर की गई कार्रवाई के बारे में पूछा गया था। चुनाव के दौरान ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते गणमान्य नागरिक।

सीआईसी ने इसे कानून का 'घोर उल्लंघन' करार देते हुए चुनाव आयोग को लिखित स्पष्टीकरण देने का भी निर्देश दिया है। पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी एम जी देवसहायम, जो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम), मतदाता-सत्यापन योग्य पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) और वोट-गिनती प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रतिनिधित्व के हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक थे, ने एक याचिका दायर की थी। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत चुनाव आयोग के पास आवेदन कर उस पर की गई कार्रवाई का विवरण मांगा गया है। प्रतिनिधित्व 2 मई, 2022 को चुनाव आयोग को भेजा गया था। 22 नवंबर, 2022 को दायर आरटीआई आवेदन के माध्यम से, देवसहायम उन व्यक्तियों और सार्वजनिक प्राधिकरणों के बारे में जानना चाहते थे जिन्हें प्रतिनिधित्व भेजा गया था, इस मुद्दे पर आयोजित किसी भी बैठक का विवरण और सभी प्रासंगिक फ़ाइल टिप्पणियाँ। चुनाव आयोग ने अनिवार्य 30-दिन की अवधि के भीतर उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष देवसहायम की पहली अपील भी नहीं सुनी गई।

एनआईए ने पंजाब में खालिस्तानी आतंकियों की अचल संपत्ति जब्त की

एजेंसी

नई दिल्ली। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने फिरोजपुर में खालिस्तानी आतंकवादी रमनदीप सिंह की अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। यहां एनआईए की विशेष अदालत के निर्देश पर, आतंकवाद रोधी एजेंसी ने फिरोजपुर के झोक नोध सिंह गांव और टिब्बी कलां में आरोपियों की 31 कनाल, नौ मरला और चार सरसाही जमीन जब्त कर ली है। रमन को घोषित अपराधी घोषित किया गया था। न्यायालय द्वारा 27 जुलाई 202 एनआईए ने अपने बयान में कहा, खालिस्तान समर्थक गैंगस्टर-आतंकवादी सांठगांठ मामले में अपना शिकंजा और कसते हुए, एनआईए ने शुक्रवार को पंजाब में नामित व्यक्तिगत आतंकवादी रमनदीप सिंह उर्फ ??रमन की अचल संपत्ति जब्त कर ली। खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ), बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन (आईएसवाईएफ) आदि सहित कई प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के प्रमुखों और सदस्यों की आतंकी गतिविधियों से संबंधित मामले की जांच के दौरान संपत्तियों को जब्त कर लिया गया था। कहा।

दो बुजुर्ग मतदाताओं के लिए चुनाव अधिकारियों ने तय किया 107 किमी का रास्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में दो बुजुर्ग अपने घरों से अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें, इसके लिए निर्वाचन अधिकारियों ने जोखिम भरे रास्तों और जंगलों से होकर 107 किलोमीटर लंबी यात्रा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गढ़चिरौली- चिमूर निर्वाचन क्षेत्र के इन दो बुजर्ग मतदाताओं में से एक की उम्र 100 वर्ष जबकि दूसरे की 86 वर्ष है। यहां लोकसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होगा। गढ़चिरौली में जिला सूचना कार्यालय के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को आगामी लोकसभा चुनाव में घर से मतदान करने का विकल्प दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि इस पहल के तहत चुनाव अधिकारियों ने 100 वर्षीय किश्तय्या मदारबोइना और 86 वर्षीय किश्तय्या

कोमेरा के घर तक पहुंचने के लिए अहेरी से सिरोंचा तक 107 किलोमीटर की यात्रा की। इन बुजुर्गों को चलने-फिरने में समस्या है, लेकिन वे अपने मताधिकार का उपयोग करने के इच्छुक हैं। अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन अधिकारियों ने गढ़चिरौली-चिमूर निर्वाचन क्षेत्र में घर से मतदान करने के लिए 85 वर्ष से अधिक आयु के 1,037 मतदाताओं और 338 दिव्यांगों के आवेदनों को मंजूरी दे दी है। अब तक, कुल 1,205 मतदाताओं ने घर से अपने मताधिकार का उपयोग कर लिया है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले की सुनवाई टली

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के संबंध में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के 2018 के मामले में यहां अदालती सुनवाई 22 अप्रैल तक के लिए टल गई। न्यायाधीश के अवकाश पर रहने की वजह से सुनवाई नहीं हो सकी। गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला भाजपा नेता विजय मिश्र ने छह साल पहले दर्ज कराया था। वादी के वकील संतोष पांडेय ने कहा कि उनके मुवक्किल ने गांधी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने की अर्जी अदालत में दी है, लेकिन चूंकि न्यायाधीश अवकाश पर हैं, इसलिए सुनवाई नहीं हो सकी और इस मामले को 22 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध किया गया। पिछले दिसंबर में अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ वारंट जारी किया था। इसके बाद,

राहुल गांधी 20 फरवरी को अमेठी में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा रोककर अदालत में पेश हुए थे और उन्हें जमानत दे दी गई थी। यह शिकायत शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर चार अगस्त, 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज कराई गई थी। राहुल गांधी ने उस वर्ष मई में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान बेंगलूरू में एक संवाददाता सम्मेलन में यह कथित टिप्पणी की थी। शिकायत में गांधी की टिप्पणी का हवाला दिया गया जिसमें उन्होंने कथित रूप से कहा था कि भाजपा ईमानदार और स्वच्छ राजनीति में विश्वास करने का दावा करती है, लेकिन पार्टी अध्यक्ष स्वयं हत्या के एक मामले में आरोपी हैं। राहुल गांधी ने जब यह टिप्पणी की थी, उस समय शाह पार्टी के अध्यक्ष थे। उल्लेखनीय है कि गांधी की टिप्पणी से चार साल पहले मुंबई में सीबीआई की एक विशेष अदालत ने 2005 के फर्जी मुठभेड़ मामले में शाह को बरी कर दिया था। शाह 2005 में गुजरात में गृह राज्यमंत्री थे।

गोवा के 70 फीसदी लोग बीजेपी के खिलाफ : विधायक वेन्जी वीगास

एजेंसी

नई दिल्ली। गोवा से आम आदमी पार्टी के विधायक वेन्जी वीगास ने दावा किया कि तटीय राज्य में 70 प्रतिशत मतदाता भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ हैं। बेनौलिम सीट से आप विधायक विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस' ('इंडिया') के कांग्रेस के उम्मीदवार विरियाटो फर्नांडीस के लिए दक्षिण गोवा में चुनाव प्रचार कर रहे थे।

भाजपा ने इस सीट से महिला व्यापारी पल्लवी डेम्पो को उम्मीदवार बनाया है जबकि रिवोल्यूशनरी गोअन्स पार्टी ने रूबर्ट परेरा को इस सीट से मैदान में उतारा है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के फ्रांसिस्को सरदिन्हा ने दक्षिण गोवा सीट से भाजपा के उम्मीदवार नरेन्द्र सावरकर को हराया था।

वीगास ने दावा किया, हम गोवा के हर क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मैंने दक्षिण गोवा के कम से कम 15

विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया है। भाजपा से लोग तंग आ चुके हैं और उन्होंने कहा, यहां तक कि उनकी पार्टी की बैठकों में शामिल होने वाले 70 फीसदी मतदाता पार्टी के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि गोवा के लोग आजीविका और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों का सामना कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं को भी यात्रा के लिए अपने वाहन में महंगा पेट्रोल भरवाना पड़ता है। घरेलू सिलेंडर के दाम बढ़ गए हैं। मोटे तौर पर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से लोग खुश नहीं हैं। वीगास ने कहा कि सभी विपक्षी दल इंडिया के तहत एक साथ आए और वे 2027 के गोवा विधानसभा चुनावों के लिए भी इस एकता को बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा, इस तरह हम गोवा की सरकार बदलेंगे। गोवा की दो लोकसभा सीटों- दक्षिण गोवा और उत्तरी गोवा पर सात मई को तीसरे चरण में मतदान होगा। उत्तरी गोवा सीट पर भाजपा ने मौजूदा सांसद श्रीपद नाइक को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने रमाकांत खलप को उम्मीदवार बनाया है। रिवोल्यूशनरी गोवन्स पार्टी ने मनोज परब को टिकट दिया है।

युवती का शव नाले से बरामद

एजेंसी

मंगोलपुरी। मंगोलपुरी इलाके में बीती रात एक युवती का शव नाले में मिला। युवती के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं थे। शुरुआती जांच में पुलिस ने मामले को

खुदकुशी बताया है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस नाले के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को मौके पर से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। परिजनों ने बताया कि युवती ने अपनी की सहेली से समलैंगिंग विवाह कर रखा था। दोनों में कुछ विवाद चल रहा था। जानकारी के मुताबिक 24 साल की युवती एक्स ब्लॉक मंगोलपुरी इलाके में अपनी सहेली के साथ रहती थी। मंगोलपुरी पुलिस को बीती रात नौ बजकर 54 मिनट पर एक्स ब्लॉक बाल्मिकी मन्दिर के पास नाले में युवती का शव पड़ा होने की पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया था कि उसकी बहन ने झगड़े की वजह से नाले में कूदकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिये संजय गांधी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया। फिलहाल पुलिस मृतका के परिजनों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

ठगी के मामले में पुलिस ने भोपाल से पांच आरोपितों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। । मध्य प्रदेश में बैठकर खुद को पुलिस वाला बताकर परिवार वालों को धमकी देकर हजारों लाखों रुपये ऐंठने वाले एक गैंग का रोहिणी साइबर थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस संबंध में गैंग के पांच आरोपितों विश्वजीत गिरी, सुधीर पाल, रवि कुश्वाह, कुंजी लाल अहिरवार और माया सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चार मोबाइल फोन, 41 सिमकार्ड, 18 बैंक खातों की पासबुक व दस्तावे और दस डेबिट कार्ड जब्त किये हैं।

पुलिस आरोपितों की फोन कॉल और बैंक खातों की डिटेल खंगालकर जानने की कोशिश कर रही है कि अभी तक गैंग कितनों लोगों को अपना शिकार बना चुका था। शुरुआती जांच में एक सिम नंबर से भोपाल के 30 लोगों से ठगी करने की बात भी सामने आई है।

पुलिस के मुताबिक एनसीआरपी पोर्टल पर दीपक कुमार गुप्ता से उनके साथ हुई धोखाधड़ी के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। उन्होंने बताया

कि उनके मोबाइल पर एक कॉल आई, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया। इसके अलावा, फोन करने वाले ने बताया कि उसका बेटा अपने तीन दोस्तों के साथ उसके कब्जे में है। कॉलर ने 70 हजार रुपये की मांग की। बेटे की रिहाई के एवज में उसने कॉलर द्वारा बताए खाते में रुपये जमा करवा दिये। कॉलर से आग्रह करने पर जब उसने बेटे से बात से कुछ सैकेंड बात करवाई तो बोली बेटे जैसी ही लगी थी। लेकिन बाद में एहसास हुआ कि उसके साथी ठगी हुई है। रोहिणी साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। एसएचओ चैतन्य अभिजीत के निर्देशन में एसआई अंकित यादव, एसआई अंकुर तोमर, हेड कांस्टेबल अजय,आशीष को आरोपितों को पकड़ने का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस टीम ने शिकायतकर्ता से कॉलर का नंबर और बैंक खाता नंबर लेकर जांच शुरू की। जांच करने पर पता चला कि बैंक के अधिकारियों से बातचीत करके खाते को सीज करवाया। खाते की पूरी डिटेल ली। मोबाइल फोन नंबर की जांच करने पर नंबर मध्य प्रदेश के भोपाल में ट्रैस किया गया। पुलिस टीम ने भोपाल, मध्य प्रदेश से विश्वजीत गिरी को गिरफ्तार किया। उसके बाद आरोपित की निशानदेही पर अन्य आरोपितों को दबोचा।

आआपा के राज्यसभा सांसदों ने की सुनीता केजरीवाल से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब से आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सांसदों नेशाम को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। उन्होंने सुनीता केजरीवाल से कहा कि हम पूरी मजबूती से अरविंद केजरीवाल के साथ खड़े हैं। आआपा के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित शराब मामले में जेल जाने के बाद पंजाब के सांसदों की सुनीता केजरीवाल से यह पहली मुलाकात है। आआपा के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक के साथ राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा, विक्रम साहनी और अशोक मित्तल ने सुनीता केजरीवाल से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम पार्टी के साथ पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खड़े हैं। इस संकट की घड़ी में हम सभी एकजुट हैं। सांसदों ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को जेल भेजने का जनता में जबरदस्त गुस्सा है। जनता जेल का जवाब दिल्ली और पंजाब में वोट से देगी। पंजाब से राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा ने

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात के दौरान लिया गया चित्र भी अपने आधिकारिक एक्स (ट्वीटर) हैंडल पर साझा भी किया। उन्होंने लिखा कि आज राज्यसभा सांसद संदीप पाठक, सांसद विक्रम साहनी, सांसद अशोक मित्तल की मौजूदगी में मुख्यमंत्री आवास पर अरविंद केजरीवाल की धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल से मुलाकात की। उनका साहस और दृढ़ता संघर्ष के प्रतीक के रूप में दमक रहा है। सभी सांसदों ने सुनीता केजरीवाल को कहा कि वह अरविंद केजरीवाल के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। अरविंद केजरीवाल जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं। भाजपा को उन्हें जेल भेजना भारी पड़ेगा।

डूटा का अग्रसेन कॉलेज गेट पर दिल्ली सरकार के खिलाफ धरना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने दिल्ली सरकार के 12 वित्त पोषित कॉलेजों में पिछले कई वर्षों से चले आ रहे वित्तीय संकट को हल कराने, मंत्री आतिशी के पत्र को वापस लेने और नियमित असिस्टेंट प्रोफेसर एवं कर्मचारियों की भर्ती शुरू करने की मांग को लेकर महाराजा अग्रसेन कॉलेज गेट पर धरना दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षकों ने हिस्सेदारी की।

डूटा कई वर्षों से लगातार इन मांगों को लेकर दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री एवं उपराज्यपाल से गुहार लगा रहा है लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है। डूटा का यह चौथा क्लस्टर धरना था, जिसमें डॉ भीमराव अम्बेडकर, महाराजा अग्रसेन, शहीद राजगुरु महर्षि वाल्मीकि, आचार्य नरेंद्र देव, पीजीडीएवी, रामानुजन, देशबंधु, श्यामलाल कॉलेज, एलआईसी, एमएससी और विवेकानंद कॉलेज के शिक्षकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

धरने पर मौजूद शिक्षकों ने दिल्ली सरकार की शिक्षा विरोधी नीतियों के विरोध में जमकर नारेबाजी की। सैकड़ों

शिक्षक सड़क पर उतरे और जनता एवं छात्रों को दिल्ली सरकार वित्त पोषित 12 कॉलेजों में चल रहे वित्तीय संकट एवं अन्य समस्याओं की जानकारी दी और दिल्ली सरकार द्वारा इन कॉलेजों के अधिग्रहण करने, स्व वित्त पोषित करने और अंबेडकर यूनिवर्सिटी में लेने की मंशा से अवगत कराया। शिक्षकों ने बताया कि दिल्ली सरकार इन 12 कॉलेजों की फंडिंग को रोक कर समस्या पैदा कर रही है। डूटा के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार भागी ने धरने पर बैठे शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के दिल्ली सरकार में आने के बाद से इन कॉलेजों पर संकट शुरू हो गया था। दिल्ली सरकार की नीयत इन कॉलेजों को अपने नियंत्रण में लेकर इनको स्व वित्त पोषित मॉडल में बदलना है, इसीलिए दिल्ली सरकार इनको दिल्ली यूनिवर्सिटी से डी एफिलिएट करना चाहती है। इस संबंध में केजरीवाल सरकार में मंत्री आतिशी ने केंद्र सरकार को पत्र भी लिखा था। डूटा अध्यक्ष ने कहा कि डूटा दिल्ली सरकार के निजीकरण और शिक्षा विरोधी नीतियों का लगातार विरोध करता आ रहा है और आगे भी करेगा। डूटा ने बारह कॉलेजों की फंडिंग और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल से भी गुहार को लगाई है। उपराज्यपाल ने इस मामले में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी उपराज्यपाल से मिलकर इस संकट के समाधान की मांग की जिसके बाद शिक्षा सचिव ने तमाम जानकारी मांगी। वित्त सचिव ने भी आश्वासन दिया कि डीयू और यूजीसी के नियमानुसार शिक्षक पदों की संस्तुति दी जाएगी। इसके बावजूद कई कॉलेजों में मार्च का वेतन और अन्य भत्ते का फंड जारी नहीं किया गया है। अप्रैल के पहले सप्ताह में उच्च स्तरीय कमेटी की बैठक में छात्र फीस से वेतन देने की संभावना तलाश करने की बात कही गई थी जो इस बात का प्रमाण है कि स्व वित्त पोषण का प्रस्तावित पैटर्न ऑफ असिस्टेंट दिल्ली सरकार 12 कॉलेजों पर लागू करना चाहती है।

रूस के एचएसई विश्वविद्यालय के साथ डीयू ने किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। एचएसई विश्वविद्यालय की रेक्टर डॉ. निकिता अनिसिमोव ने विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान रूस के एचएसई विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए। डीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता और एचएसई विश्वविद्यालय की रेक्टर डॉ. निकिता अनिसिमोव ने दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया।

इस अवसर पर डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दोस्ती की भावना से दोनों विश्वविद्यालयों के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग की दिशा में यह पहला कदम है। उन्होंने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया।

इस एमओयू में विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और संकाय के आदान-प्रदान के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रों में ज्ञान और अनुभव साझा

करना शामिल है। इसके तहत संयुक्त शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे। इस अवसर पर एचएसई विश्वविद्यालय के सहयोग से, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संकाय में एक उत्कृष्टता केंद्र और मिरर लैब का उद्घाटन भी किया गया। यह एचएसई विश्वविद्यालय के लिए अकादमिक आदान-प्रदान, गतिशीलता आदि को बढ़ावा देने के लिए एक विदेशी विश्वविद्यालय में कैंपस उपस्थिति के एक अन्य तरीके के रूप में एक आउटलेट प्रदान करेगा, साथ ही संयुक्त अनुसंधान पहल को एक जगह बढ़ावा देने की सुविधा भी प्रदान करेगा। संकाय सदस्य इस स्थान का उपयोग संयुक्त अनुसंधान, गतिशीलता और आदान-प्रदान आदि के लिए कर सकते हैं। यह पारस्परिक हितों के अनुसार कंप्यूटिंग, आईटी, भौतिकी, सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन सहित किसी भी क्षेत्र में द्विपक्षीय अनुसंधान प्रकाशनों और संयुक्त सम्मेलनों के आयोजन, पहचाने गए क्षेत्रों व डोमेन, मास्टर प्रोजेक्ट आदि में अल्पकालिक अध्ययन कार्यक्रमों व गहन पाठ्यक्रमों का डिज़ाइन आदि की सुविधा प्रदान करेगा। व्याख्यान ऑनलाइन आयोजित किए जा सकते हैं और साथ ही एचएसई के संकाय चयनित अवधि के दौरान ऑफ़लाइन यात्रा कर सकते हैं।

खुद को पुलिस वाला बताते,फोन करके बेटे के पकड़े जाने की बात कहकर हजारों रुपये ऐंठते

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में बैठकर खुद को पुलिस वाला बताकर परिवार वालों को धमकी देकर हजारों लाखों रुपये ऐंठने वाले एक गैंग का रोहिणी साइबर थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गैंग के पांच आरोपियों विश्वजीत गिरी,सुधीर पाल,रवि कुश्वाह,कुंजी लाल अहिरवार और माया सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चार मोबाइल फोन,41 सिमकार्ड,18 बैंक खातों की पासबुक व दस्तावे और दस डेबिट कार्ड जब्त किये हैं। पुलिस आरोपियों की फोन कॉल और बैंक खातों की डिटेल खंगालकर जानने की कोशिश कर रही है कि अभी तक गैंग कितनों को अपना शिकार बना चुका था। शुरूआती जांच में एक सिम नंबर से भोपाल के 30 लोगों से ठगी करने की बात भी सामने आई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल पर दीपक कुमार गुप्ता से उनके साथ हुई धोखाधड़ी के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। उन्होंने बताया कि उनके मोबाइल पर एक कॉल आई, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया। इसके अलावा, फोन करने वाले ने बताया कि उसका बेटा अपने तीन दोस्तों के साथ उसके कब्जे में है। कॉलर ने 70 हजार रुपये की मांग की। बेटे की रिहाई के एवज में उसने कॉलर द्वारा बताए खाते में रुपये जमा भी करवा दिये। कॉलर से आग्रह करने पर जब उसने बेटे से बात से कुछ सैकेंड बात करवाई तो बोली बेटे जैसी ही लगी थी। लेकिन बाद में एहसास हुआ कि उसके साथी ठगी हुई है। रोहिणी साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। एसएचओ चैतन्य अभिजीत के निर्देशन में एसआई अंकित यादव, एसआई अंकुर तोमर, हेड कांस्टेबल अजय,आशीष नैन,अजय,प्रदीप, कांस्टेबल जॉनी को आरोपियों को पकडने का जिम्मा सौंपा गया। पुलिस टीम ने शिकायतकर्ता से कॉलर का नंबर और बैंक खाता नंबर लेकर जांच शुरू की। जांच करने पर पता चला कि बैंक के अधिकारियों से बातचीत करके खाते को सीज करवाया। खाते की पूरी डिटेल ली। मोबाइल फोन नंबर की जांच करने पर नंबर मध्य प्रदेश के बोहपाल में ट्रैस किया गया। पुलिस टीम ने भोपाल, मध्य प्रदेश से विश्वजीत गिरी को गिरफ्तार किया। पूछताछ करने पर पता चला कि वह पीड़ित के खाते से ठगी गई रकम प्राप्त करने के लिए भोपाल में बैंक खातों की व्यवस्था करता था। वह निम्न वर्ग के लोगों को बैक खाते खोलने के लिए कुछ पैसे के बदले अपने दस्तावेज उपलब्ध कराने का लालच देता था।

सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के तहत करें सख्त कार्रवाई : आयुक्त गीता भारती

एजेंसी

सिरसा। सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के निर्धारित नियमों की उल्लंघना पर स्कूल संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। इसके साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करें कि स्कूलों में बेस्ट क्वालिटी बसें व अनुभवी चालक होने चाहिए। महेंद्रगढ़ के दुखदायी हादसे से सबक लेते हुए नियमों की दृढ़ता से पालना करवाई जाए और एक सप्ताह के अंदर-अंदर सभी स्कूलों की बसों व चालकों की गहनता से जांच की जाए। ये निर्देश हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निजी स्कूल बसों की स्थिति व उनके प्रबंधन को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक में दिए। इस दौरान हिसार मंडल आयुक्त गीता भारती व उपायुक्त आर.के. सिंह भी मौजूद रहे। मंडल आयुक्त गीता भारती ने कहा कि महेंद्रगढ़ में हुआ स्कूल बस हादसा बहुत ही दुखदायी है। इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए जरूरी है कि अधिकारी अपने दायित्व को गंभीरता से निभाए। कोई भी स्कूल संचालक नियमों की उल्लंघना करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा कि मोटर व्हीकल एक्ट व सुरक्षित वाहन पॉलिसी में जो भी नियम व नार्म्स हैं, उसके तहत सभी स्कूल वाहनों की जांच जल्द से जल्द की जाए।

परिजनों की मांग...प्राइवेट स्कूलों का कॉपी किताब, महंगी ड्रेसों का धंधा बंद करवाएं

सोनीपत। अभिभावक संघ की तरफ से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अभिभावकों के संग मिलकर शिक्षा मंत्री के नाम जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया के माध्यम से ज्ञापन दिया गया है। जिसमें आरटीई और चिराग योजना के अंतर्गत उनके बच्चों को दाखिला दिलाया जाए। पूरी तरह से लागू करने प्राइवेट स्कूलों की कॉपी, किताब महंगी ड्रेस का धंधा बंद करवाने की मांग की गई है। आरटीई के तहत प्राइवेट स्कूलों में कितने फॉर्म जमा हो चुके हैं, इसकी जानकारी दी जाए प्राइवेट स्कूलों की अंतिम तिथि 15अप्रैल 2024 है, तिथि को आगे बढ़ाया जाए। अभिभावकों ने प्रदर्शन कर रोष प्रकट किया इसके बाद ज्ञापन दिया। प्रदर्शन शामिल सुनीता, बीना, राधा, संदीप, विपिन, पूजा, काजल, राजेश, श्वेता, पिंकी, हेमा, बबलू, प्रवेश कुमारी, विला यादव, समता, प्रीति, दीपक, सुमन देवी, नेहा, तनुजा, हर्षित सजनी आदि शामिल रहे।

उच्च शिक्षण संस्थानों से होकर गुजरता राष्ट्र निर्माण का रास्ता : डॉ. इंद्रेश कुमार

हिसार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य डा. इंद्रेश कुमार ने कहा है कि राष्ट्र निर्माण का रास्ता उच्च शिक्षण संस्थानों से होकर गुजरता है। स्कूल राष्ट्र निर्माण के छोटे तथा विश्वविद्यालय राष्ट्र

निर्माण के बड़े मॉडल हैं। वे गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार में 'राष्ट्र निर्माण में उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को अध्यक्ष के तौर पर संबोधित कर रहे थे। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम कार्यशाला के मुख्यातिथि रहे। कार्यशाला में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर तथा विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डा. वंदना बिश्नोई भी उपस्थित रही।

औद्योगिक भ्रमण से विद्यार्थियों को मिलती उद्योगों बारे व्यवहारिक जानकारी : नरसी राम बिश्नोई

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के विद्यार्थियों ने याकुल्ट दानोने प्राइवेट लिमिटेड, राई, सोनीपत तथा वीटा दूध संयंत्र, रोहतक का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस औद्योगिक भ्रमण के लिए खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग को बधाई दी तथा कहा कि औद्योगिक भ्रमण से विद्यार्थियों को उद्योगों के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार की औद्योगिक यात्राओं के आयोजन के लिए प्रोत्साहित किया। विभागाध्यक्ष प्रो. मनीष कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए विभाग प्रयासरत रहता है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को इस दौरान याकुल्ट हेल्दी प्रोबायोटिक ड्रिंक की विभिन्न प्रोसेसिंग इकाइयों के बारे में तथा उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी गई। वीटा मिल्क संयंत्र में विद्यार्थियों ने पेस्टराइजेशन, मक्खन खंड, लस्सी खंड, दूध और दूध संबंधित उत्पादों की पैकेजिंग इकाइयों के बारे में जानकारी ली। साथ ही विद्यार्थियों ने वीटा में एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट का भी दौरा किया ताकि वहाँ अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जानकारी मिल सके। औद्योगिक यात्रा का समन्वय डॉ. अनीता खटक व इंजीनियर मिथुन कुमार द्वारा किया गया। यात्रा का संयोजन साहिल द्वारा किया गया।

240 प्राइवेट स्कूलों की 1200 से अधिक स्कूली बसों को किया जाएगा चैक

डीसी ने कहा, नियमों की अवहेलना करने वालों पर की जाए सख्त कार्यवाही

एजेंसी

फतेहाबाद। जिला उपायुक्त राहुल नरवाल ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिला में सडक़ सुरक्षा एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी की सख्ती से पालना सुनिश्चित करवाई जाए। उन्होंने कहा कि जिला के 240 प्राइवेट स्कूलों की लगभग 1200 बसों की चेकिंग की जाये और नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने प्रदेश भर के जिला उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों, आरटीए सचिवों तथा जिला शिक्षा अधिकारियों सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक ली थी। इसके बाद डीसी द्वारा अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक निर्देश दिए गए। मुख्य

सचिव ने वीसी में अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात नियमों की पालना ना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाए। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए पॉलिसी के तहत हरियाणा को मॉडल के रूप में विकसित करे। उन्होंने कहा कि अगले 10 दिन में सभी जिलों की प्राइवेट स्कूलों के वाहन को चेक किया जाए। नियम की पालना ना करने वालों के खिलाफ तत्परता से सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाए।इसके बाद अधिकारियों की मीटिंग में डीसी राहुल नरवाल ने बताया कि जिला स्तरीय रोड सुरक्षा कमेटी की समय-समय पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। एक अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक आरटीए व पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 115 बसों के चालान किए गए है। इसके साथ ही इस अवधि के दौरान मोटर व्हीकल इंसपेक्टर द्वारा 385 बसों को चेक किया गया है। 12 अप्रैल को आरटीए विभाग व पुलिस विभाग द्वारा 63 से भी अधिक स्कूल बसों को चेक किया गया जिसमें से 28 बसों के चालान किये गये तथा 7 बसों को बंद किया गया तथा एक लाख 26 हजार रुपये जुर्माना राशि राजस्व के रूप में प्राप्त किया गया।

जनता को डराकर चुनाव जीतना चाहती है कांग्रेस : अरविंद शर्मा

एजेंसी

रोहतक। भाजपा सांसद डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जनता को डरा कर, झूठ बोलकर और लोगों को गुमराह करके चुनाव जीतना चाहती है। कांग्रेस ही इस वक्त योजनाबद्ध तरीके से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवारों का विरोध करवा रही है।

सांसद अरविंद शर्मा ने बीजेपी के कार्यक्रमों में अवरोध पैदा करने वाले लोगों के कांग्रेस नेताओं के साथ फोटो दिखाकर विरोध की घटनाओं का पटाक्षेप किया और कहा कि यह साबित हो गया है कि विरोध करवाने के पीछे कांग्रेस का ही हाथ है। साथ ही बेरी के विधायक एवं पूर्व स्पीकर के मारकाट वाले बयान का भी जिक्र किया और कहा कि इससे साफ है कि कांग्रेस जनता को भय दिखाकर डरा रही है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा की आखिर दीपेंद्र हुड्डा बताएं कि आज उन्हें और अन्य कांग्रेसी नेताओं को क्या जरूरत पड़ गई कि वह बीजेपी के कार्यक्रमों का विरोध न करने की अपील कर रहे हैं।

साथ ही बेरी के विधायक एवं पूर्व स्पीकर के मारकाट वाले बयान का भी जिक्र किया और कहा कि इससे साफ है कि कांग्रेस जनता को भय दिखाकर डरा रही है।

इससे साफ है कि इन सबके पीछे कांग्रेस ही है। साथ ही सांसद ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि इन्होंने चालबाजी, बोगस पोलिंग , बूथ कैपचरिंग , लोगों को डरा कर और गुमराह करके चुनाव जीते हैं, लेकिन अब यह लोग पकड़ में आ गए है, लेकिन अब ऐसा नहीं होंगे देंगे।

दस दिन में स्कूल बसों की फिटनेस और मानकों का निरीक्षण करें अधिकारी : मुख्य सचिव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने नागरिक और पुलिस प्रशासन को अगले 10 दिन में प्रत्येक स्कूल बस और उनके फिटनेस मानक का निरीक्षण करने के कड़े निर्देश दिए है।

मुख्य सचिव ने नारनौल में हुए सड़क हादसे के बाद चंडीगढ़ में आपातकालीन बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। स्कूलों में सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित इस बैठक में डिवीज़नल कमिश्नर, उपायुक्त, रेंज एडीजीपी, सीपी और जिला एसपी शामिल थे। उन्होंने कहा कि सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने के लिए स्कूल अपनी अनफिट बसों को हटाए और प्रशिक्षित ड्राइवरों को नियुक्त करें। यदि कोई स्कूल निर्देशों का पालन करने में विफल रहता है,

तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त और अनुकरणीय कार्रवाई की जाए।

टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि सुरक्षा उद्देश्यों के लिए संबंधित विभागों की कई नीतियां और दिशानिर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। हालांकि, इन उपायों का प्रभावी कार्यान्वयन फील्ड अधिकारियों पर निर्भर है। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति होने पर वरिष्ठ स्तर पर भी निर्णायक एवं अभूतपूर्व कार्रवाई की जाएगी।प्रसाद ने कहा कि सभी अधिकारियों को स्कूल प्रबंधन द्वारा अनफिट स्कूल बसों को नई बसों से बदलना सुनिश्चित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, उन्हें स्क्रीनिंग करनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रशिक्षित ड्राइवर कार्यरत हैं। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी किए गए सुरक्षा दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए समस्त स्कूल प्रणाली में एक स्पष्ट संदेश भेजने के लिए प्रभावशाली स्कूल प्रबंधनों की कड़ी निगरानी को प्राथमिकता देने के भी निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा, डॉ. जी अनुपमा ने मुख्य सचिव को अवगत करवाया कि इस मामले में तीन गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसके अलावा, महेंद्रगढ़ जिला नगर आयुक्त द्वारा पहले ही स्कूल प्रबंधन को टेकओवर किया जा चुका है। परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव नवदीप सिंह विर्क ने मुख्य सचिव को मौजूदा सुरक्षित स्कूल वाहन नीति के बारे में जानकारी दी, जो स्कूली बच्चों के सुरक्षित परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है और समय-समय पर जिला प्रशासन द्वारा निगरानी की जाती है।

नवीन जिंदल भाजपा के मजबूर उम्मीदवार: सुशील गुप्ता

यमुनानगर। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और इंडिया गठबंधन के तहत कुरुक्षेत्र लोकसभा से प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता ने कुरुक्षेत्र लोकसभा के रादौर के गांवों का दौरा किया। उनके साथ कांग्रेस विधायक बिशनलाल सैनी भी मौजूद रहे। डाक्टर सुशील गुप्ता ने गांव सदूरा, बापा, गिलौर, अडतान, अंटावा, भागुमाजरा, मसाना जट्टान, साहबपुर, घड़ी गुजरान, जीवरहेडी और सुडल में लोगों को संबोधित किया। डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि देश की आजादी के बाद अनेकों सरकार आई और पार्टियां आई। किसी न कम काम किया तो किसी ने ज्यादा काम किया। लेकिन पहली बार देश में अलग तरह से चुनाव हो रहा है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक सिटिंग मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को गिरफ्तार किया है।

चुनाव ड्यूटी पर लगें स्थाई कर्मचारी: आप

एजेंसी

चंडीगढ़। कैथल में आम आदमी पार्टी (आआपा) को चुनावी रैली की मंजूरी देने की बजाए अभद्र टिप्पणियां करने का मामला निर्वाचन आयोग तक पहुंच गया। आआपा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा के नेतृत्व में आप नेताओं ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल से मुलाकात कर अपनी शिकायत दर्ज करवाई है। आआपा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष ढांडा के नेतृत्व में पार्टी के लीगल सेल के प्रदेशाध्यक्ष मोक्ष पसरीजा, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. मनीष यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अनिल रंगा, प्रदेश युवा सचिव मोना सिवाच का एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग ढांडा से मिला। मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात ने बाद ढांडा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कैथल प्रकरण में आप नेताओं की चल रही चुनाव आयोग की जांच पर संतुष्ट जताते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र में पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान के रोड

शो से पहले जिला चुनाव अधिकारी के कर्मचारियों ने जबरन बैनर उतारे। आप नेताओं ने कहा कि सभी जिलों में अनुबंध कर्मचारी जिला चुनाव कार्यालयों के लिए काम कर रहे हैं। ऐसे में जिला निर्वाचन कार्यालयों में स्थाई कर्मचारियों की तैनाती की जाए। उन्होंने कहा कि करनाल से उम्मीदवार मनोहर लाल खुद को मुख्यमंत्री दिखाकर चुनावी फायदा लेने की कोशिश कर रहे हैं। आज के दिन वे प्राइवेट पर्सन हैं। इतने संवेदनशील विषय पर भी राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

फसल खरीद के लिए मोहाना में स्थापित साइलो में मिली अव्यवस्था

सोनीपत। फसल खरीद के लिए मोहाना में स्थापित साइलो में मिली अव्यवस्थाओं पर मंगलवार को उपायुक्त ने फटकार लगाई है। साइलो प्रबंधक को निर्देश दिए कि तुरंत प्रभाव से सभी व्यवस्थाओं को दुरूस्त करें। साथ ही उन्होंने गोहाना की नई अनाज मंडी का दौरा करते हुए फसल उठान में तीव्रता लाने के निर्देश दिए। रबी सीजन के तहत सरसों व गेहूं की आवक, खरीद व उठान सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने शुक्रवार की दोपहर मोहाना व गोहाना का दौरा किया। मोहाना स्थित एनसीएमएल के साइलो में पहुंचे, जहां उन्होंने गेट पास सहित अन्य सुविधाओं के बारे में किसानों व आढ़तियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साइलो में पानी तथा बैठने आदि व्यवस्थाएं असंतोष जनक थी। को निर्देश दिए। किसानों व आढ़तियों की मांगों व समस्याओं की जानकर

पेयजल के साथ किसानों-आढ़तियों के बैठने के लिए टेंट की व्यवस्था की जाए। पास के लिए प्रिंटर-कंप्यूटर की व्यवस्था करें। नियमित साइलो का निरीक्षण कर उन्हें रिपोर्ट भेजें।

उपायुक्त डा. मनोज कुमार गोहाना की नई अनाज मंडी में हर प्रकार की व्यवस्थाओं को पुख्ता करें। खरीद एजेंसियों के अधिकारियों बिजली आपूर्ति दिन में सुचारू रूप से जारी रखने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम विवेक आर्य, एसडीएम अमित कुमार, डीएफएससी बिंशल सहरावत, मार्केट कमेटी गोहाना के सचिव जितेंद्र कुमार, मार्केट कमेटी सोनीपत की सचिव ज्योति मोर, हैफेड के डीएम उमाकांत आदि साथ रहे।

अफसरों ने स्कूलों में जाकर की चेंकिंग की, चालान काटे

एजेंसी

फतेहाबाद। महेन्द्रगढ़ में हुए हादसे में स्कूली बच्चों की मौत के बाद फतेहाबाद ट्रेफिक पुलिस एक्शन में दिखी। ट्रेफिक पुलिस द्वारा जिलेभर में एक विशेष अभियान चलाकर सड़कों पर दौड़ रहीं स्कूल बसों की चैकिंग की गई। ट्रेफिक पुलिस द्वारा फतेहाबाद में अधूरे कागजात मिलने या क्षमता से अधिक बच्चों को बिठाने पर 5 स्कूल बसों के चालान किए गए।

एक निजी स्कूल की बस बिना परमिट व बिना नंबर के मिली, जिस पर ट्रेफिक पुलिस द्वारा उसका भी चालान किया गया। इसके अलावा उच्चाधिकारियों के निर्देशों पर ट्रेफिक पुलिस की टीमों ने शहर के विभिन्न निजी स्कूलों में जाकर स्कूल बसों के कागजातों की जांच की और स्कूल संचालकों को सख्ती से हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना को कहा गया। बता दें कि फतेहाबाद शहर में काफी ऐसे बड़े निजी स्कूल हैं, जोकि शहर से काफी बाहर पड़ते हैं। ऐसे में इन स्कूलों में जाने वाले विद्यार्थियों को स्कूल बसों से ही जाना पड़ता है। ऐसे में इन बच्चों के अभिभावकों को हर

समय अपने बच्चों की सेफ्टी को लेकर चिंता लगी रहती है। कुछ निजी स्कूल संचालक अपने चंद मुनाफे के लिए बच्चों की जान को जोखिम में डालने से भी पीछे नहीं हटते। नकारा हो चुकी कई स्कूल बसें अब भी सडक़ों पर देखी जा सकती हैं । यही नहीं, कुछ स्कूल संचालकों ने तो टाटा ऐस गाड़ी को ही मॉडीफाई कर स्कूल वैन का रूप दे दिया है। कुछ समय पूर्व शहर के ठाकर बस्ती स्थित एक अकैडमी की टाटा ऐस मॉडीफाइड स्कूल बस हादसे का शिकार हो गई थी। हादसे के कुछ दिनों तक ट्रेफिक पुलिस कर्मचारियों की नींद खुलती है और 1-2 दिन की सख्ती की जाती है लेकिन उसके बाद हालत वहीं पुरानी हो जाती है। फतेहाबाद ट्रेफिक पुलिस के इंचार्ज एसआई हेतराम ने कहा कि स्कूलों में नए सेशन शुरू होते ही ट्रेफिक पुलिस द्वारा स्कूल बसों की जांच की जा रही है। उच्चाधिकारियों के निर्देशों पर भी ट्रेफिक पुलिस द्वारा फतेहाबाद के अलावा रतिया, भट्टू, टोहाना, भूना, जाखल में भी चैकिंग अभियान चलाया गया है और स्कूल बसों के कागजातों की जांच की गई है।

मजबूती के साथ लोकसभा चुनाव लड़ेगी जेजेपी: दिग्विजय चौटाला

एजेंसी

फतेहाबाद। जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने लोकसभा चुनावों को लेकर फतेहाबाद में प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। दिग्विजय चौटाला ने जिले के भट्टू क्षेत्र के अनेक गांवों का दौरा कर ग्रामीण सभाओं को संबोधित किया। लोकसभा चुनावों में जेजेपी को समर्थन में मतदान करने की अपील की। उन्होंने गांव पीलीमंदौरी, ठुईयां, ढाबी खुर्द और किरढ़ान में प्रचार किया। इस अवसर पर उनके साथ जेजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कुलजीत कुलडिया, जिला प्रधान रविन्द्र बैनीवाल, वरिष्ठ नेता पंकज झाझड़ा, जतिन खिलेरी सहित अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिग्विजय चौटाला ने कहा कि नवरात्रों की शुरूआत में जेजेपी द्वारा सिरसा सहित प्रदेश की सभी सीटों अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। जेजेपी हरियाणा

में पूरी मजबूती के साथ लोकसभा चुनाव लड़ेगी। हम संसद में 500 लोगों में हरियाणा की आवाज को पहुंचाने का काम करेंगे। जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष सहित कई नेताओं के पार्टी छोड़ने के सवाल पर दिग्विजय चौटाला ने कहा कि हर बार पतझड़ का मौसम आता है, जिसमें पुराने पत्ते गिरकर नए पत्ते आ जाते हैं। जेजेपी में अभी पतझड़ चल रहा है। पुराने लोग जा रहे हैं तो वहीं नए लोग पार्टी में शामिल भी हो रहे हैं। जेजेपी की जड़ मजबूत है।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में ही परमानेंट की पहचान होती है। निशान सिंह नेक इंसान हैं। ताउम्र उनकी इज्जत करूंगा। पार्टी में उनका पूरा सम्मान था। वह जहां भी जाएं हमारी शुभकामनाएं। अजय चौटाला द्वारा परिवार के एक होने के बयान पर दिग्विजय चौटाला ने कहा कि अजय चौटाला ने कहा था कि जिन्होंने हमें निकाला, वो अगर बुलाएंगे तो बच्चों सहित चला जाऊंगा। पहले भी फैसला उनका था, अब भी वही फैसला करेंगे। यह अधिकार केवल चौ. ओमप्रकाश चौटाला के पास है। अभय सिंह चौटाला को इससे परेशान नहीं होना चाहिए। फतेहाबाद के ग्रामीण दौरे के दौरान कुछ लोगों द्वारा विरोध करने के सवाल पर दिग्विजय चौटाला ने कहा कि अभय सिंह चौटाला के कहने पर यह सब किया जा रहा है। आज जिस गांव में कुछ लोगों ने उनका विरोध किया, उस गांव के लोगों ने उनका साथ नहीं दिया। अगर गांव वाले साथ देते तो उन पर बड़ा हमला भी कर सकते थे।

स्कूल बसों में लगेंगे एल्कोमीटर, तैयार होगी रोजाना की लॉगबुक

एजेंसी

चंडीगढ़। नारनौल में स्कूल बस हादसे के बाद राज्य के परिवहन मंत्री असीम गोयल ने एक बैठक में अधिकारियों की लापरवाही पर जमकर फटकार लगाई। परिवहन मंत्री ने अधिकारियों को उन बसों की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं, जो अनफिट हैं और चालान के बावजूद भी बच्चों को ढोह रही हैं।

परिवहन मंत्री असीम गोयल ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि स्कूल बसों में एल्को मीटर लगाए जाएं और रोजाना की लॉगबुक भी तैयार की जाए। इसके साथ ही बसों में सीसीटीवी कैमरे और स्पीड गर्वनर जरूरी है। मंत्री ने बस चेकिंग के दौरान लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को हिदायत दी है कि बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, इसलिए अधिकारी व कर्मचारी अपनी कार्यशैली को बदलें। परिवहन मंत्री ने कहा कि एल्कोमीटर के जरिये रोजाना स्कूल में ड्राइवर की जांच की जाएगी वह नशे में तो नहीं है। इसके साथ ही पूरे हरियाणा में स्कूल बसों की रिपोर्ट तलब की गई है, उनमें कितनी फिट हैं और कितनी अनफिट हैं। स्कूल बसों की रिपोर्ट आने के बाद स्पेशल चैकिंग अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी और परिवहन विभाग के अधिकारी मौजूद रहेंगे। चैकिंग अभियान के दौरान लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कप्तान मीनू बैनीवाल के आवास पर पहुंचे भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर

एजेंसी

सिरसा। सिरसा लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर ने आज नाथूसरी चैपटा के तरकांवाली में भाजपा नेता कप्तान मीनू बैनीवाल के आवास पर शिरकत की। इस दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद कप्तान टीम के सदस्यों के साथ मुलाकात की। इस मौके पर कप्तान मीनू बैनीवाल ने टीम के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा गति से अब वोटरों के बीच जाना है और भाजपा को भारी बहुमत से जिताने के लिए प्रयास करने हैं।कप्तान मीनू बैनीवाल ने इस दौरान संकेत दिया कि इसी महीने में एक बड़ी रैली ऐलनाबाद क्षेत्र की होगी, जिसमें हलके के सभी साथियों को एकत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा वोट भाजपा को डालने हैं। उन्होंने कहा कि हमारा चुनाव प्रचार पूरे जोरों पर है और विपक्ष के पास अभी तक उम्मीदवार ही नहीं है।

सभी मिलकर कमल के फूल चुनाव निशान को जिताने के लिए जुट जाएं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हर वर्ग के कल्याण को पंख दिए हैं। डॉ. तंवर ने कहा कि मोदी जी का विजन देश को दुनिया का सिरमौर बनाना है। इसलिए आप सभी कार्यकर्ता साथी अपने आपको अशोक तंवर समझकर काम करें और कंधे से कंधा मिलाकर चलें ताकि हमारी पार्टी भाजपा का 400 पार का आंकड़ा हम पार कर सकें। उन्होंने कहा कि अशोक तंवर अपनी पूरी ताकत के साथ जीत की डगर पर बढ़ रहा है। आपने इस जीत का आंकड़ा बड़ा करना है। इस अवसर पर भाजपा नेता मीनू बेनीवाल, जिला पार्षद नंद लाल बेनीवाल, बलराम कासनिया, प्रदीप बेनीवाल, मांगेराम पूनिया, सुभाष बैनीवाल समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

डिजिटल संचार क्षेत्र में नियामक सैंडबॉक्स पर ट्राई ने सौंपी अपनी सिफारिशें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 'डिजिटल संचार क्षेत्र में नियामक सैंडबॉक्स के माध्यम से नवीन प्रौद्योगिकियों, सेवाओं, उपयोग के मामलों और व्यापार मॉडल को प्रोत्साहित करने पर अपनी सिफारिशें सरकार को सौंप दी है जिसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार, दूरसंचार में नवाचार और तकनीकी विकास को प्रोत्साहित करने एवं सुविधाजनक बनाने के लिए, इस तरह से, और ऐसी अवधि के लिए एक या अधिक नियामक सैंडबॉक्स बना सकती है।

सरकार ने 5जी/6जी, मशीन टू मशीन कम्युनिकेशंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वर्चुअल रियलिटी और अन्य में नए तकनीकी विकास को देखते हुए, एक ऐसा वातावरण प्रदान करने की आवश्यकता है जिसमें नई प्रौद्योगिकियों, सेवाओं, उपयोग के मामलों और व्यापार मॉडल का लाइव नेटवर्क में परीक्षण किया जा सके, या मौजूदा कार्यों व प्रक्रियाओं को परिष्कृत किया जा सके। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, दूरसंचार विभाग ने 10 मार्च, 2023 को डिजिटल संचार उद्योग में नई सेवाओं, प्रौद्योगिकियों और व्यापार मॉडल के लिए नियामक सैंडबॉक्स ढांचे के संबंध में ट्राई की सिफारिशों का अनुरोध किया था।

16वें वित्त आयोग ने युवा पेशेवरों और सलाहकारों से आवेदन पत्र किए आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली।16वें वित्त आयोग ने अनुबंध आधार पर युवा पेशेवरों और सलाहकारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस संबंध में वित्त आयोग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर योग्यता, नियम एवं शर्तें, पारिश्रमिक और आवेदन पत्र अपलोड कर दिया है।

आयोग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन किए आमंत्रित

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि सोलहवें वित्त आयोग ने अनुबंध के आधार पर युवा पेशेवरों और सलाहकारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आयोग ने इसके लिए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर योग्यता, नियम एवं शर्तें, पारिश्रमिक और आवेदन पत्र को अपलोड कर दिया है। मंत्रालय के मुताबिक आयोग में अनुबंध के आधार पर युवा पेशेवर और सलाहकार के रूप में नियुक्त होने के इच्छुक आवेदक अपना आवेदन दिए गए ई-मेल आईडी पर भेज सकते हैं।

वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय

वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है। यह केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों पर अपना सुझाव देता है। भारत सरकार ने 31 दिसंबर, 2023 को अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में 16वें वित्त आयोग का गठन किया है। आयोग 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपेगा। आयोग की यह रिपोर्ट एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाले पांच साल के लिए होगी। इसकी पहली बैठक 14 फरवरी, 2024 को हुई थी।

मूडीज ने 2024 में भारत की जीडीपी 6.1 फीसदी रहने का अनुमान जताया

एजेंसी

नई दिल्ली।ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कैलेंडर वर्ष 2024 में भारत की अर्थव्यवस्था पिछले साल के मुकाबले कुछ सुस्त रफ्तार से बढ़ने का अनुमान जताया है। मूडीज ने 2024 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.1 फीसदी रहने का भविष्यवाणी की है। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत के वास्तविक जीडीपी अनुमान को संशोधित कर 8 फीसदी कर दिया है।

दक्षिण पूर्व एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में तीव्र गति से होगी वृद्धि

मूडीज एनॉलिटिक्स ने जारी 'एपीएसी आउटलुकः लिसनिंग थ्रू द नॉइज' शीर्षक से प्रकाशित रिपोर्ट में कहा है कि दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में इस साल सबसे मजबूत उत्पादन लाभ देखने को मिलेगा। लेकिन वैश्विक महामारी के बाद देरी से वापसी के चलते उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। एजेंसी को उम्मीद है कि भारत की जीडीपी पिछले साल के मुकाबले 2024 में 6.1 फीसदी की दर बढ़ेगी।

रेटिंग एजेंसी ने भारत के लिए स्थिर दृष्टिकोण बनाए रखा है। एजेंसी की ओर से जारी रिपोर्ट में भारत सरकार की दीर्घकालिक और अल्पकालिक रेटिंग क्रमशः क्ष्ड्ड3 और क्ष3 पर आंकी गई है। स्थिर दृष्टिकोण के तहत इस संभावना को शामिल किया गया है कि भारत के राजकोषीय मैट्रिक्स में करीबी साथियों की तुलना में मजबूत विकास धीरे-धीरे जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारत की जीडीपी 8.4 फीसदी की दर से बढ़ी है। इसके साथ ही देश सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर 7 रहने का अनुमान

पिछले साल भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर दो तिमाहियों अप्रैल-जून और जुलाई-सितंबर में क्रमश- 7.8 फीसदी और 7.6 फीसदी रही है जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में क्रमशः 7.2 फीसदी और वित्त वर्ष 2021-22 में 8.7 फीसदी की दर से भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ी थी। वहीं दूसरी ओर रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार सर्वकालिक उच्चतम स्तर 648.56 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। आर्थिक मोंचे पर अच्छी खबर आई है। लगातार सातवें हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अप्रैल को समाप्त हफ्ते में 2.98 अरब डॉलर से अधिक बढ़कर 648.56 अरब डॉलर के सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने आंकड़ों में बताया कि पांच अप्रैल को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.98 अरब डॉलर से ज्यादा बढ़कर 648.56 अरब डॉलर के सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 645.58 अरब डॉलर हो गया था। इससे पहले सितंबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642.45 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 54.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 571.17 अरब डॉलर हो गईं। रिजर्व बैंक के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का आरक्षित का मूल्य 2.39 अरब डॉलर बढ़कर 54.56 अरब डॉलर हो गया। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.17 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा राशि भी 90 लाख डॉलर बढ़कर 4.669 अरब डॉलर हो गई है।

टीसीएस का मुनाफा 9.1 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंसलटेंसी सर्विसेस (टीसीएस) ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में 12434 करोड़ रुपये को शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के11392 करोड़ रुपये की मुलना में 9.1 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने आज यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि इस चौथी तिमाही में उस कुल राजस्व 61237 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि के 59162 करोड़ रुपये की तुलना में 3.5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल ने 28 रुपये प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने का प्रस्ताव किया गया है।

कंपनी ने मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में 45908 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है जबकि इससे पिछले

वित्त वर्ष में यह 42147 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का कुल राजस्व 240893 करोड़ रुपये रहा है जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 225458 करोड़ रुपये रहा था। उसने कहा कि मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में 62 नये ग्राहक जोड़े गये और इस दौरान कर्मचारियों की कुल संख्या 601546 रही है।

देश का औद्योगिक उत्पादन फरवरी महीने में 5.7 फसदी बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर आई है। देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) फरवरी में सालाना आधार पर 5.7 फीसदी बढ़ा है। इससे पिछले साल की समान अवधि में यह छह फीसदी की दर से बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जारी आंकड़ों में बताया कि फरवरी महीने में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 5.7 फीसदी रही है। जनवरी में यह 3.8 फीसदी था, जबकि दिसंबर 2023 में यह 4.2 फीसदी था। इससे पिछले साल फरवरी 2023 में यह छह फीसदी की दर से बढ़ा था। एनएसओ के जारी आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ा है, जो एक साल पहले के समान अवधि में 5.9 फीसदी बढ़ा था। इसी तरह फरवरी में खनन का उत्पादन

8 फीसदी और बिजली क्षेत्र का उत्पादन 7.5 फीसदी बढ़ा। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-फरवरी के दौरान आईआईपी 5.9 फीसदी की दर से बढ़ा है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 5.6 फीसदी रहा था। गौरतलब है कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का पिछला उच्चतम स्तर अक्टूबर 2023 में 11.9 फीसदी दर्ज किया गया था, जो नवंबर, 2023 में घटकर 2.5 फीसदी पर आ गया था।

खुदरा महंगाई दर मार्च में पांच महीने के निचले स्तर 4.85 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम लोगों को राहत देने वाली खबर है। मार्च में खुदरा महंगाई दर घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 फीसदी पर आ गई है। इससे पिछले महीने फरवरी में खुदरा महंगाई दर 5.09 फीसदी थी जबकि जनवरी में यह दर 5.10 फीसदी रही थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने बताया कि मार्च महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर घटकर 4.85 फीसदी पर आ गई है, जो पांच महीने का निचला स्तर है। इससे पिछले महीने फरवरी में खुदरा महंगाई दर 5.09 फीसदी थी और जनवरी में यह दर 5.10 फीसदी रही थी जबकि मार्च, 2023 में यह 5.66 फीसदी पर रही थी। एनएसओ के आंकड़ों के मुताबिक

मार्च में खाद्य उत्पादों की महंगाई दर 8.52 फीसदी रही है जबकि एक महीने पहले फरवरी में यह 8.66 फीसदी थी। हालांकि, ग्रामीण महंगाई दर 5.34 फीसदी से बढ़कर 5.45 फीसदी पर आ गई है, जबकि शहरी महंगाई की दर 4.78 फीसदी से घटकर 4.14 फीसदी पर आ गई है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस साल सामान्य मानसून की उम्मीद जताते हुए चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई ने अप्रैल-जून तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति 4.9 फीसदी और सितंबर तिमाही में 3.8 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए जीजेईपीसी ने जयपुर में विशेष रत्न- आभूषण शो का किया शुभारंभ

एजेंसी

जयपुर। जीजेईपीसी ने जयपुर में अंतरराष्ट्रीय रत्न और आभूषण शो के तीसरे संस्करण को होस्ट किया। यह आयोजन 12 से 14 अप्रैल तक नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। ज्ञात हो कि आईजीजेएस 2024 जयपुर जेमफील्ड्स द्वारा संचालित है। आईजीजेएस में अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, मिस्र, ग्रीस, ईरान, इटली, जॉर्डन, कजाकिस्तान, केन्या, लेबनान, मैक्सिको, रूसी संघ, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन स्विट्ज़रलैंड, थाईलैंड, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, यूक्रेन, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और उज़्बेकिस्तान सहित 27 देशों के 250 अंतरराष्ट्रीय खरीदार शामिल हुए। जीजेईपीसी के अध्यक्ष विपुल शाह ने कहा भारत का रत्न और आभूषण उद्योग विश्व बाजार में महत्वपूर्ण योगदान के साथ वैश्विक लीडर के रूप में एक प्रमुख स्थान रखता है। 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हमारा वार्षिक

निर्यात इस क्षेत्र में हमारी ताकत और विशेषज्ञता को रेखांकित करता है, 5 मिलियन से अधिक व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है। हम भारत और वैश्विक बाजारों के बीच मजबूत अंतरराष्ट्रीय व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह प्रतिबद्धता ढ्ढआईजीजेएस शो जैसी पहलों और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी के माध्यम से हमारे निर्यातकों के लिए अवसरों को सक्रिय रूप से सक्षम करके प्रदर्शित की गई है। शाह ने आगे कहा, जीजेईपीसी क्षेत्र के लिए एफटीए में अनुकूल नीतियों को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही है। हम पहले ही भारत-यूएई सीईपीए का सकारात्मक प्रभाव देख चुके हैं, और हम जीसीसी के साथ कनाडा, यूके और ईयू के साथ आगामी एफटीए में उद्योग के लिए इसी तरह के फायदे की आशा करते हैं। नीलेश कोठारी, संयोजक, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, जीजेईपीसी ने कहा, आईजीजेएस जयपुर, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए एक विशेष शो, वैश्विक बाजार की सेवा करने के लिए भारत की आभूषण विनिर्माण क्षमता का एक प्रमाण है। शो का यह प्रारूप बेहद सफल रहा है और इसे दुनिया भर के खरीदारों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। भारतीय रत्न एवं आभूषण उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार की गहरी समझ है और यह दुनिया भर के ग्राहकों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित है। गुणवत्ता और नवाचार के प्रति उद्योग की प्रतिबद्धता इसकी सफलता का मुख्य कारक है। आईजीजेएस जयपुर एक क्यूरेटेड ईवेंट है, जो सर्वोत्तम भारतीय शिल्प कौशल का प्रदर्शन करता है, जिसमें 54 से अधिक आभूषण निर्माता और निर्यातक डायमंड, लूज, जेमस्टोन, जेमस्टोन और डायमंड स्टेडड ज्वेलरी और सिल्वर ज्वैलरी को एक्जीबिट किया गया।

मुनाफावसूली के दबाव में लुढ़का बाजार, निवेशकों को 2.42 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। मुनाफावसूली के दबाव के कारण घरेलू शेयर बाजार चौतरफा गिरावट का शिकार हो गया। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की लेकिन इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों का कब्जा हो गया, जिसकी वजह से शेयर बाजार 1 प्रतिशत से भी अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.06 प्रतिशत और निफ्टी 1.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह निफ्टी के सेक्टोरल इंडेक्स भी लाल निशान में ही कारोबार करते रहे। ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, रियल्टी और एनर्जी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 399.77 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 402.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.42 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

देश के 9 करोड़ व्यापारियों ने प्रधानमंत्री मोदी को समर्थन देने का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा राजधानी नई दिल्ली में आयोजित एक राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन में देश के 28 राज्यों के 200 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेताओं ने ऐलान किया कि वर्तमान लोकसभा चुनाव में देश के 9 करोड़ से अधिक व्यापारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा का खुल कर समर्थन करेंगे। कारोबारी नेताओं ने कहा कि वे यह भी सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा इस बार चार सौ पार हो और एक बार फिर से देश में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बने।

व्यापारियों को संबोधित करते हुए चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि देश के 9 करोड़ व्यापारी और उनसे जुड़े परिवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़े है। उन्होंने कहा कि इस बार रिकॉर्ड मत से देश के प्रत्येक सीट पर भाजपा को जीत दिलाने के लिए अपने-अपने स्तर पर जुट गए हैं। खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारी मोदी की गारंटी को घर घर

तक पहुंचाएंगे, क्योंकि व्यापारियों ने हमेशा से ही मोदी द्वारा किए जा रहे विकास कार्यो का समर्थन किया है और आगे भी करता रहेगा। भाजपा प्रत्याशी खंडेलवाल ने कहा कि मैंने खुद को देशभर के व्यापारियों के विकास और उनके हित में कार्य करने के लिए महादेव की सौगंध में बांध लिया है। लोकसभा का चुनाव जीतने के बाद पटरी पर बैठ कर व्यापारियों के हितों के लिए लड़ता रहूंगा और कार्य करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि कैट के इस सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल सहित अन्य सभी राज्यों से आए व्यापारी नेताओं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं, उन्होंने एक पुख्ता रणनीति के तहत जीत की राह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है। खंडेलवाल ने कहा कि देश के प्रमुख व्यापारियों के इस विशाल मार्च ने एक बात की पुष्टि कर दी है कि भारत का 9 करोड़ व्यापारी समुदाय मोदी परिवार का हिस्सा है और अब ये व्यापारी उनकी जीत का मार्ग सुनिश्चित करेंगे।

कैट के आयोजित इस व्यापारी सम्मेलन में देश के कोने-कोने से आए प्रमुख व्यापारियों का उत्साह देखने योग्य था। सम्मेलन में लोकसभा चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और एक मजबूत रणनीति के तहत एक-एक वोट को अपना बनाने का प्रण लेकर व्यापारियों ने दिल्ली के लाल किला का रुख किया। व्यापारियों ने वहां बड़ी संख्या में एकत्रित होकर घंटा घर चांदनी चौक तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में मार्च निकाला। इसके अलावा व्यापारियों ने चांदनी चौक की प्रत्येक दुकानों और लोगों से सम्पर्क साधा और चांदनी चौक के विभिन्न व्यापारी संगठनों ने भी मोदी समर्थन मार्च का हिस्सा बन अपना पूर्ण समर्थन जाहिर किया।

चैत्र नवरात्रि के दौरान घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी, सोना और चांदी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्रि के दौरान सर्राफा बाजार में लगातार तेजी जारी है। आज नवरात्रि के चौथे दिन घरेलू घरेलू सर्राफा बाजार एक बार फिर मजबूती होता नजर आया, जिसके कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के के स्तर को पार कर गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 66 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर कारोबार कर रहा है। सोने की तरह ही चांदी ने भी आज छलांग लगाई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी ने 84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार किया है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना

66,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,260 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,280 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत-पेरू व्यापार समझौता वार्ता का 7वां दौर नई दिल्ली में हुआ संपन्न

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पेरू व्यापार समझौते के लिए 7वें दौर की वार्ता 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक नई दिल्ली में आयोजित हुई। पेरू लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्र में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। पिछले दो दशकों में, भारत और पेरू के बीच व्यापार 2003 के 66 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2023 में लगभग 3.68 बिलियन डॉलर हो गया है। वार्ता के इस दौर में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों से लगभग साठ प्रतिनिधियों ने वार्ता में भाग लिया। अगले दौर की वार्ता जून में हो सकती है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में जानकारी देते हुए बताया कि भारत-पेरू व्यापार समझौते के लिए सातवें दौर की वार्ता 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक की गई। चर्चा में एक-दूसरे की प्राथमिकताओं और चिंताओं को समझना और यह सुनिश्चित करना शामिल था कि बातचीत आपसी सम्मान और लाभ पर आधारित हो।

16वें वित्त आयोग ने युवा पेशेवरों और सलाहकारों से आवेदन पत्र किए आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली। 16वें वित्त आयोग ने अनुबंध के आधार पर युवा पेशेवरों और सलाहकारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। वित्त आयोग ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इसके लिए योग्यता, नियम एवं शर्तें, पारिश्रमिक और आवेदन पत्र अपलोड कर दिया है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि सोलहवें वित्त आयोग ने अनुबंध के आधार पर युवा पेशेवरों और सलाहकारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। आयोग ने इसके लिए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर योग्यता, नियम एवं शर्तें, पारिश्रमिक और आवेदन पत्र को अपलोड कर दिया है। मंत्रालय के मुताबिक आयोग में अनुबंध के आधार पर युवा पेशेवर और सलाहकार के रूप में नियुक्त होने के इच्छुक आवेदक अपना आवेदन दिए गए ई-मेल आईडी पर भेज सकते हैं। वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है। यह केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों पर अपना सुझाव देता है। भारत सरकार ने 31 दिसंबर, 2023 को अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में 16वें वित्त आयोग का गठन किया है।

आयोग 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपेगा। आयोग की यह रिपोर्ट एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाले पांच साल के लिए होगी। इसकी पहली बैठक 14 फरवरी, 2024 को हुई थी।

हर किसी को खुश रखने की आदत आपके मेंटल हेल्थ के लिए नहीं सही, इन तरीकों से निकलें इससे बाहर

मेंटल हेल्थ पर ध्यान देना उतना ही जरूरी है जितना फिजिकल हेल्थ पर। इसे इग्नोर कर सेहतमंद रहना पॉसिबल ही नहीं। गुस्सा तनाव तो मेंटल हेल्थ के दुश्मन हैं ही लेकिन क्या आप जानते हैं दूसरों को खुश करने की आदत भी आपको मानसिक परेशानियों का शिकार बना सकती है। आज हम इसी के बारे में जानेंगे साथ ही इससे बाहर निकलने के तरीके भी।

पीपल प्लीजिंग मतलब दूसरों को खुश करने में लगे रहने वाले व्यक्ति। इस आदत से वो खुद भी परेशान रहते हैं, लेकिन इसे छोड़ नहीं पाते। इस तरह के लोग आपको घर, पड़ोस और ऑफिस मतलब हर जगह मिल जाएंगे। वैसे तो पीपल प्लीजिंग का मकसद दूसरों को हर्ट न करना होता है, लेकिन कुछ मामलों में इसके पीछे अपना स्वार्थ भी छिपा होता है।?इसके लिए बचपन की किसी घटना, इमोशनल हर्ट होना, चीज़ों को जल्दी पाने की जिद्द जैसी कई चीज़ों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। खैर वजह कोई भी हो इस आदत से आप दूसरों को तो खुश कर ले जाते हैं, लेकिन खुद बहुत परेशान रहते हैं।

इसके चलते होने वाला तनाव, गुस्सा आपको मानसिक रूप से बीमार भी बना सकता है, जो एक बड़ी समस्या है। अगर आप अपनी इस आदत से परेशान हैं और इससे बाहर निकलना चाह रहे हैं, तो यहां दिए गए उपाय कर सकते हैं आपकी मदद।

न कहना सीखें

दूसरों को बुरा न लग जाए, इस चक्कर में पीपल प्लीजर्स ना कहने में बहुत संकोच करते हैं, लेकिन ना कहना सीखना होगा तभी आप इस आदत से बाहर निकल पाएंगे। नो डाउट ये मुश्किल हो सकता है पर आपको अपनी मेंटल हेल्थ के बारे में सोचना है। जिसकी शुरुआत इस चीज़ से करनी होगी।

अपनी प्रियोरिटीज़ को समझें

दूसरों से पहले खुद के बारे में सोचें। इसी एक इग्नोरेंस के चलते आप कब पीपल प्लीजर बन जाते हैं, आपको पता ही नहीं चलता। अपनी जरूरतों, ऑब्जेक्टिव्स और वेलबिंग को प्रियोरिटी पर रखें। इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं कि आप स्वार्थी हैं, बल्कि खुद को मेंटली और फिजिकली स्ट्रॉन्ग रखकर आप दूसरों की ज्यादा बेहतर तरीके से मदद कर सकते हैं।

सीमाएं निर्धारित करें

अगर आप दूसरों को खुश करने के चक्कर में अंदर ही अंदर क्रोधित हो रहे हैं और न चाहते हुए भी उस काम को कर रहे हैं, तो इसमें सिर्फ और सिर्फ आप अपना नुकसान कर रहे हैं, तो इसका सॉल्यूशन है अपनी सीमाएं निर्धारित करना। अपनी क्षमता से ऊपर जाकर ऐसा कोई काम न करें, जो आपको तकलीफ दें।

हर किसी को खुश रखना नहीं मुमकिन

इस बात को समझ लें। आपकी और सामने वाले की जरूरतें अलग हो सकती हैं, अगर आपने अपने इमोशन को दरकिनार करते हुए सामने वाले व्यक्ति को प्रियोरिटी पर रखा, तो इससे हो सकता है वो खुश हो जाए, लेकिन आप दुखी, तो इसका कोई सेंस नहीं। अंत में तो आप अपनी खुशियों के साथ ही समझौता कर रहे हैं। खुद की केयर सबसे ज्यादा जरूरी है।

इस्लामोफोबिया से मुकाबिल संयुक्त राष्ट्र संघ: एक प्रशंसनीय पहल

इस्लामोफोबिया अन्य धर्मों के प्रति फोबिया से इतना अलग क्यों है कि संयुक्त राष्ट्र संघ को उससे मुकाबला करने के लिए एक विशेष दिवस की घोषणा करनी पड़ी और एक विशेष दूत नियुक्त करना पड़ा? यह हमारा दुर्भाग्य है कि वर्तमान में वैश्विक राजनीति पर पहचान से जुड़े मुद्दों का वर्चस्व है। श्रीलंका में लिट्टे के सदस्यों के दमन के पीछे नस्लीय मुद्दे थे।

कुछ सालों पहले संयुक्त राष्ट्र संघ में एक प्रस्ताव प्रस्तुत कर पाकिस्तान ने यह मांग की थी कि वर्ष के किसी एक दिन को %इस्लामोफोबिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस% घोषित किया जाए। उस समय कई देशों, जिनमें भारत भी शमिल था, ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि फोबिया अर्थात उनके प्रति डर के भाव से कई अन्य धर्म भी पीड़ित हैं। प्रस्ताव का विरोध करने वाले देशों की संख्या कम थी और संयुक्त राष्ट्र संघ ने अंततः 15 मार्च को %इस्लामोफोबिया के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस% घोषित कर दिया। दुर्भाग्यवश, पिछले महीने इस दिवस पर कोई चर्चा नहीं हुई।

इस साल संयुक्त राष्ट्र संघ ने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए इस मांग को स्वीकार कर लिया है कि इस्लामोफोबिया से मुकाबला करने के लिए विशिष्ट कार्रवाइयां करने हेतु विशेष दूत की नियुक्ति की जाए। यह मांग भी पाकिस्तान की ओर से आई थी और इसका भी भारत सहित कई देशों ने विरोध किया था। प्रस्ताव पर बोलते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टी.एस. तिरूमूर्ति ने कहा कि पूरी दुनिया में धर्मों और पंथों पर लक्षित हिंसा में बढ़ोतरी हो रही है। कुछ लोग यहूदियों के विरूद्ध हैं, कुछ ईसाईयों के और कुछ हिन्दुओं के। बौद्धों और सिक्खों के विरूद्ध हिंसा की घटनाएं भी होती रहती हैं। उनके अनुसार दुनिया में बहुत से फोबिया हैं। उन्होंने यह भी कहा कि -हम सब जानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 16 नवम्बर को सहिष्णुता दिवस घोषित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि बहुवाद इन सभी फोबिया से निपटने के लिए पर्याप्त है और इस्लामोफोबिया के लिए अलग से कुछ किये जाने की जरूरत नहीं है।

सच क्या है? क्या अन्य धर्मों के खिलाफ फोबिया और इस्लामोफोबिया में कोई फर्क है? यह सही है कि दुनिया में अलग-अलग धर्मों के लोगों को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फोबिया का सामना पड़ा है। अगर हम दक्षिण एशिया की बात करें तो श्रीलंका में तमिल हिन्दुओं और पाकिस्तान में सभी हिन्दुओं को प्रताड़ित किया गया। इसी तरह श्रीलंका, पाकिस्तान और भारत में भी ईसाई प्रताड़ित किये गये हैं। वर्तमान में तालिबान-शासित अफगानिस्तान में रह रहे सिक्ख हर तरह से परेशान हैं।तो फिर इस्लामोफोबिया अन्य धर्मों के प्रति फोबिया से इतना अलग क्यों है कि संयुक्त राष्ट्र संघ को उससे मुकाबला करने के लिए एक विशेष दिवस की घोषणा करनी पड़ी और एक विशेष दूत नियुक्त करना पड़ा? यह हमारा दुर्भाग्य है कि वर्तमान में वैश्विक राजनीति पर पहचान से जुड़े मुद्दों का वर्चस्व है। श्रीलंका में लिट्टे के सदस्यों के दमन के पीछे नस्लीय मुद्दे थे। वैश्विक स्तर पर इस्लामोफोबिया की आमद से बहुत पहले से भारत में मुसलमान अलग-अलग तरह से डराये-धमकाये जाते थे और उनके प्रति नफरत का भाव भी था। इसके कारण उनके खिलाफ हिंसा भी होती थी। तो ऐसे में इस्लामोफोबिया अलग क्यों है और वह अन्य धार्मिक फोबिया से अधिक डरावना क्यों है?केवल धर्म के आधार पर किसी को प्रताड़ित करने या किसी से नफरत करने का पागलपन बहुत पुराना है। इस मामले में इस्लामोफोबिया एक नई परिघटना है। इस्लामोफोबिया का उदय सन् 1970 के दशक में हुआ जब अमेरिका के पिट्ठू रज़ा शाह पहलवी को अपदस्थ कर अयातुल्ला खुमैनी ने ईरान में सत्ता संभाली। उस समय अमेरिका ने यह कहा कि इस्लाम दुनिया के लिए नया खतरा है। टाईम पत्रिका की कवर स्टोरी का शीर्षक था %इस्लाम एज् द न्यू थ्रेट%। नया खतरा क्यों? वह इसलिए क्योंकि उस समय तक अमरीकी मीडिया कम्युनिज्म को स्वतंत्र दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बताता था। स्वतंत्र दुनिया से आशय था %अमेरिका के वर्चस्व वाली दुनिया। उस समय अमेरिका की राजनैतिक और आर्थिक दादागिरी को रूस (सोवियत संघ) के नेतृत्व वाला समाजवादी गुट ही चुनौती दे रहा था। उस समय अमेरिका ने दुनिया को यह समझाया कि कम्युनिज्म उसके लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस विचार, जिसे दुनिया का सबसे ताकतवर देश फैला रहा था, को पूरी दुनिया ने स्वीकार कर लिया। इससे कार्ल मार्क्स का वह कथन एक बार फिर सही साबित हुआ कि शासक वर्ग के विचार ही शासन करते हैं।शनैः- शनैः- समाजवादी रूस कमजोर होता गया और फिर 1990 के दशक में वह पूरी तरह बिखर गया। अब दुनिया के सबसे ताकतवर देश को लड़ने के लिए कोई और दानव चाहिए था। यह वह समय था जब अमेरिका अपने पिट्ठू पाकिस्तान में मदरसों की स्थापना कर रहा था। महमूद ममदानी ने अपनी पुस्तक गुड मुस्लिम, बैड मुस्लिम में सीआईए के दस्तावेजों के हवाले से लिखा है कि अमेरिका ने ही इन मदरसों का पाठ्यक्रम तैयार किया। यह पाठ्यक्रम इस्लाम के एक संकीर्ण (वहाबी) संस्करण पर आधारित था। अमेरिका ने करीब 800 करोड़ डालर और स्ट्रिंगर मिसाईलों सहित 7,000 टन गोला-बारूद इन मदरसों में से पढ़कर निकले युवकों पर खर्च किए। ये युवक मुजाहिदीन कहलाते थे और बाद में इन्हीं से तालिबान और अलकायदा उपजे। हिलेरी क्लिंटन ने खुल्लम-खुल्ला कहा था कि अमेरिका को अफगानिस्तान में रूसी कम्युनिस्टों ने लड़ने के लिए जुनूनी युवक चाहिए थे इसलिए उसने तालिबान को खड़ा किया और रूस की अफगानिस्तान से वापसी के बाद तालिबान को भी मदद देना बंद कर दिया।

अमेरिका का उद्देश्य था पश्चिम एशिया में तेल के कुंओं पर कब्जा करना। उसकी सभी नीतियां इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई थीं। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर 9/11, 2001 को हुए हमले में करीब 3,000 निर्दोष लोग मारे गये। मरने वालों में सभी धर्मों और सभी देशों के लोग थे। इसे बहाना बनाकर अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया जिसमें 60,000 से ज्यादा जानें गईं। उसके बाद इस आधार पर ईराक पर हमला किया गया कि ईराक के पास महासंहारक हथियारों का जखीरा है। मगर ईराक पर कब्जा करने के बाद अमेरिका वहां एक भी ऐसा हथियार नहीं ढूंढ सका।वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला, जिसे ओसामा-बिन-लादेन की कारगुजारी बताया जाता है, के बाद अमरीकी मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द गढ़ा। अमेरिका राजनैतिक, आर्थिक और सैन्य दृष्टि से दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश है। जाहिर है कि उसका मीडिया भी दुनिया में सबसे शक्तिशाली है और इसी के कारण दुनियाभर के मीडिया ने इस्लामिक आतंकवाद शब्द का प्रयोग करना शुरू कर दिया और इसी से इस्लामोफोबिया का जन्म हुआ। एक समय सैम्युअल हंटिंगटन का एक सिद्धांत बहुत प्रसिद्ध था। इसे क्लैश ऑफ़ सिविलाईजेशन्स (सभ्यताओं का टकराव) कहा जाता था। उस समय ऐसी मान्यता थी कि पिछड़ी हुई इस्लामिक सभ्यता और विकसित पश्चिमी सभ्यता में वैश्विक स्तर पर टकराव होगा।

इस्लामोफोबिया के कारण ही अमेरिका में मुसलमान समझकर एक सिक्ख की हत्या कर दी गई। इस्लामोफोबिया के कारण ही अमेरिका में एक पादरी ने कुरान की एक प्रति जलाई। फिर एक अमरीकी ईसाई ने एक फिल्म बनाई जिसका शीर्षक था %इनोसेन्स आफ मुस्लिम्स%। इस फिल्म की एक क्लिप जो वायरल हुई थी में लंबी दाढ़ी वाले मुसलमानों को ईसाईयों पर हमले करते दिखाया गया था। हम सब को डेनमार्क की एक पत्रिका में प्रकाशित वह कार्टून याद है जिसमें पैगम्बर मोहम्मद को अपनी पगड़ी में एक बम छिपाए हुए दिखाया गया था। जाहिर है कि यह सब इसलिए हुआ क्योंकि पूरी दुनिया में इस्लाम के प्रति एक डर का भाव पैदा कर दिया गया। सबको लगने लगा कि इस्लाम और मुसलमान दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।सभ्यताओं के टकराव के सिद्धांत को गलत सिद्ध करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने हर संभव प्रयास किए। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव कोफी अन्नान ने इस सिद्धांत की पड़ताल करने के लिए एक उच्च स्तर समिति की नियुक्ति की। इस समिति, जिसमें एक भारतीय सदस्य भी था, ने जो रिपोर्ट प्रस्तुत की उसका शीर्षक था %एलायन्स आफ सिविलाईजेशन्स% अर्थात सभ्यताओं का गठबंधन। इस रिपोर्ट में यह कहा गया था कि मानव जाति ने जो भी उन्नति की है उसमें सभी सभ्यताओं, धर्मों और संस्कृतियों का योगदान रहा है।

संपादकीय

कंगना जैसे लोग भाजपा के आभूषण हैं

भारतीय जनता पार्टी के दस वर्षीय शासनकाल में जो विवेकशून्य और ज्ञानहीन लोगों की खेप इस संगठन में उतारी गई है उनमें हालिया नाम कंगना रनौत का है। भाजपा व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आंखों में बहुत कम समय में चढ़ने वाली कंगना को हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। हिन्दी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में उनकी पहचान बनी है परन्तु उनका भाजपा में स्वागत व समावेश इस कारण से हुआ है क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ समय से भाजपाविरोधी दलों व नेताओं के खिलाफ सतत बयानबाजी की है। बयान भी ऐसे ऊलजलूल कि वे भाजपा जैसे दल के लिये ही स्वीकार्य और स्वागत योग्य हो सकते हैं। वैसे तो कंगना अपने बयानों से लोगों का ध्यान खींचती रही हैं परन्तु उनका ताज़ा-तरीन बयान विशेष चर्चा में आया है। उन्होंने एक न्यूज़ चैनल में कहा कि %देश के पहले प्रधानमंत्री सुभाषचन्द्र बोस थे जिनका आज तक कहीं पता नहीं है।% उनके इस बयान पर नेताजी के पोते चंद्रकुमार बोस ने उन्हें फटकार लगाई है। देश के सर्वाधिक सम्मानित नेताओं में से एक सुभाष बाबू के वारिस ने कहा कि %किसी को भी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिये इतिहास को विकृत नहीं करना चाहिये।सवाल यह है कि क्या कंगना रनौत इतिहास से इतनी अनभिज्ञ हैं कि उन्हें यह भी नहीं पता कि जिस लोकसभा में प्रवेश पाने के लिये वे मतदाताओं के बीच पसीना बहा रही हैं, उसी सदन में (बेशक पुराना भवन) करीब 75 वर्ष पहले जवाहरलाल नेहरू नामक व्यक्ति ने पीएम के पद पर बैठकर एक-दो नहीं वरन 17 वर्ष देश का नेतृत्व किया था। स्कूल की निचली कक्षाओं में भी गये हर छात्र को नेहरू का नाम अनगिनत सन्दर्भों में पढ़ने का अवसर मिलता है। कंगना इतनी तो पढ़ी-लिखी हैं ही कि वे भी एकाध ऐसे अध्यायों से ज़रूर होकर गुजरी होंगी। असली बात यह है कि 2014 में खुली वाट्सएप यूनिवर्सिटी में वे स्वेच्छा से पढ़ाई करने के लिये दाखिल हुई छात्रा हैं। इस विश्वविद्यालय की खासियत यह है कि इसमें दीक्षित होने के लिये किसी भी विद्यार्थी को अपनी पहले की स्लेट को पूरी तरह से पोंछकर आना पड़ता है। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा तैयार किये गये सिलेबस को रटकर समाज के बीच जाना पड़ता है तभी उसे इतना होनहार माना जाता है कि वह बगैर किसी अनुभव के ही सीधे लोकसभा चुनाव का टिकट पा सकता या सकती है।कहना न होगा कि इस पाठ्यक्रम का सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय इतिहास होता है। नये सिरे से लिखे गये इतिहास में पराजितों को विजेता घोषित करने से लेकर गद्दारों को देशभक्त बनाने और मध्ययुग के अंधकार को विकसित भारत का प्रकाश बतलाने से लेकर दुनिया भर के ज्ञान-विज्ञान को अपनी उपलब्धियां बतलाने वाले लम्बे-लम्बे अध्याय हैं। छात्र-छात्राओं को अपनी ओर से इसमें तोड़-मरोड़ की भी पर्याप्त सुविधा व स्वतंत्रता होती है।कंगना इस विश्वविद्यालय की होनहार छात्रा हैं। ऐसा नहीं कि उनकी इस योग्यता को रातों-रात मान लिया गया हो। उन्होंने कई मौकों पर यह साबित किया है। उन्होंने ही कुछ अरसा पहले बतलाया था कि देश को वास्तविक आजादी 1947 में नहीं वरन 2014 में मिली थी। यह वही बयान हैं जिससे मोदी एवं भाजपा को उनकी प्रतिभा का भान हुआ होगा। हालांकि उसके पहले जब वे महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चली शिवसेना-कांग्रेस-एनसीपी सरकार से उलझती रहीं, तो भी माना गया था कि वे पार्टी के लिये उपयोगी हैं। उन्हें बाकायदे उच्चस्तरीय सेक्युरिटी दी गई है। उन्हें उनके अभिनय के लिये पद्मश्री पुरस्कार भी दिया गया।22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भव्य उद्घाटन अवसर पर जिन गिने-चुने लोगों को आमंत्रित किया गया था उनमें वे अग्रिम पंक्ति की मेहमान थीं। उनके वे वीडियो भी खूब वायरल हुए हैं जिनमें वे उमंग में भरकर इतनी ऊंची आवाज में %जयश्री राम% के नारे लगा रही हैं कि वह सम्भवतः स्वर्ग में विराजमान प्रभु तक अवश्य पहुंची होगी। उसी का यह नतीजा हो सकता है कि उन्हें बगैर किसी सियासी अनुभव या पार्टी में प्राथमिक स्तर पर काम किये बिना लोकसभा में पहुंचाने की भाजपा ने ठानी। उनके लिये भाजपा ने अपने उस नियम व ख्याति के विपरीत फैसला लिया है .

लोकसभा चुनावों में भ्रष्टाचार जनता के सामने कोई मुद्दा नहीं रहेगा

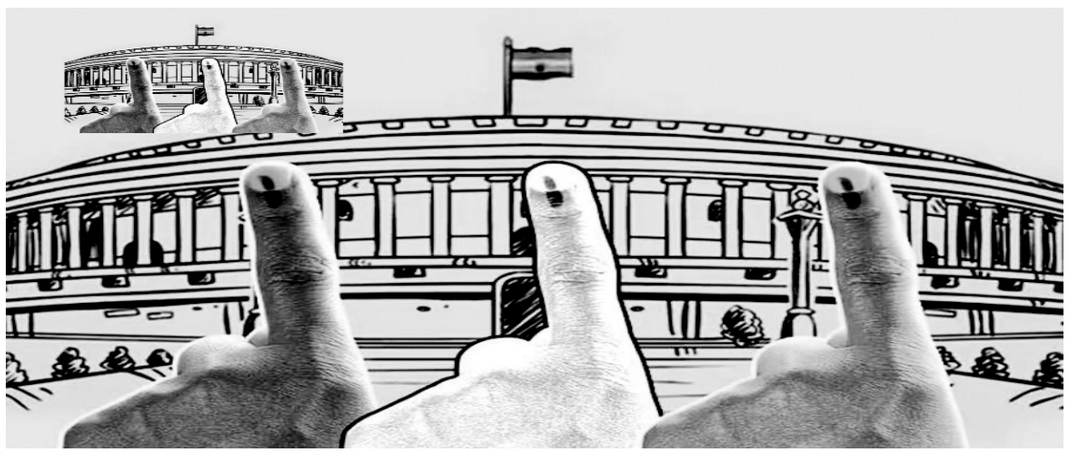

आम तौर पर, राजनीतिक दलों और अधिकांश मतदाताओं के सामने भ्रष्टाचार एक गैर-मुद्दा है। राज्य के विपक्षी नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप अक्सर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद हटा दिये जाते हैं, जो केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रमुख राजनीतिक इकाई है, जो चुनाव पूर्व भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का नेतृत्व करती है।भ्रष्टाचार से कौन डरता है? निश्चित रूप से भारत के राजनीतिक दल तो बिल्कुल नहीं, जो वर्तमान लोकसभा चुनाव अभियान में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं। न ही आम जनता, जो वर्षों से देश की भ्रष्टाचार की दुष्ट व्यवस्था का हिस्सा रही है। केंद्रीय जांच एजेंसियों, जैसे कि सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग, द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों पर चुनिंदा विपक्षी राजनीतिक पार्टियों और राज्य नेताओं के परिसरों पर छापे और गिरफ्तारियों से आम जनता की यह धारणा बदलने की संभावना नहीं है कि सभी राजनीतिक दल भ्रष्ट हैं। उनका मानना है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की चुनाव पूर्व गिरफ्तारी का संबंध किसी और चीज से ज्यादा लोकप्रिय राजनेता को चुनाव अभियान में भाग लेने से रोकने के इरादे से है।आम तौर पर, राजनीतिक दलों और अधिकांश मतदाताओं के सामने भ्रष्टाचार एक गैर-मुद्दा है। राज्य के विपक्षी नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप अक्सर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद हटा दिये जाते हैं, जो केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रमुख राजनीतिक इकाई है, जो चुनाव पूर्व भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का नेतृत्व करती है।

यदि प्रफु ल्लपटेल, जो केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री रहते हुए कथित तौर पर 25,000 करोड़ रुपये के विमान खरीद घोटाले में शामिल थे, के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, जो महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ राजनीतिक गठबंधन के नेतृत्व में सरकार में शामिल हुई है, उसे भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने के बाद हटाया जा सकता है तो इसके मुकाबले दिल्ली की शराब नीति में सुधार के मामले में भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हाल ही में ईडी की गिरफ्तारी में भ्रष्टाचार की राशि मामूली प्रतीत होगी क्योंकि इसमें दिल्ली के सत्तारूढ़ दल को केवल 100 करोड़ रुपये का हस्तांतरण शामिल होने का दावा किया गया है।प्रफुल्ल पटेल के कार्यकाल के दौरान एयर इंडिया भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई क्लोजर रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है। हाल ही में कांग्रेस पार्टी ने %दाग% हटाने के लिए भाजपा की वॉशिंग मशीन कैसे काम करती है, इसका %लाइव डेमो दिया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का कहना है कि सत्ताधारी पार्टी का फॉर्मूला है -भाजपा में शामिल हो जाओ, केस बंद।

इस तथ्य को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी का मकसद आप सुप्रीमो को चल रहे लोकसभा चुनाव अभियान से रोकना हो सकता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन 2020 में, केजरीवाल की आप ने दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को चौंका दिया। केजरीवाल की गिरफ्तारी ईडी द्वारा अन्य विपक्षी राज्य-स्तरीय नेताओं के खिलाफ हाल ही में की गई इसी तरह की कार्रवाई से अलग है। आम चुनाव से एक महीने से भी कम समय पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी आप कार्यकर्ताओं और जनता के बीच कई सवाल खड़े करती है।इसके विरोध में पूरा विपक्ष दिल्ली की सड़कों पर उतर आया था। तथाकथित दिल्ली शराब घोटाले में राज्य सरकार द्वारा शराब की खुदरा बिक्री के निजीकरण का मार्ग प्रशस्त करना शामिल था। राष्ट्रीय सरकार द्वारा सस्ते में हवाई अड्डों, बंदरगाहों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निजीकरण के बारे में क्या कहना है? दुर्भाग्य से भाजपा के लिए, केजरीवाल की गिरफ्तारी ने भारत सरकार के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आलोचना पैदा करने के अलावा राष्ट्रीय सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ पूरे विपक्ष को एकजुट करने में मदद की है।भारत को दुनिया के सबसे भ्रष्ट बड़े लोकतंत्रों में से एक माना जाता है। भारत के बड़ी संख्या में राजनीतिक क्षत्रप वित्तीय भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक कार्रवाइयों में शामिल माने जाते हैं। उनमें से कुछ को अपने खिलाफ़ लगाये गये ऐसे आरोपों या यहां तक कि अपनी दोषसिद्धि पर गर्व भी महसूस हुआ होगा। उदाहरण के लिए, लगभग 10,000 करोड़ रुपये के बड़े चारा घोटाला मामले में दोषी ठहराये गये 75 वर्षीय बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन इंडिया में एक प्रमुख नेता बने हुए हैं। दोषी ठहराये जाने पर, लालू प्रसाद यादव ने 17 अप्रैल, 2021 तक जेल की सजा काट ली, और उन्हें एक अन्य मामले में पटना उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दे दी गई। विपक्ष को एकजुट करने में लालू प्रसाद की सक्रिय भूमिका को लेकर अब किसी को शिकायत नहीं है। न ही लालू प्रसाद शर्म से मुंह छिपा रहे हैं।अपराध और भ्रष्टाचार लोकतांत्रिक भारत के राजनीतिक जीवन का हिस्सा रहे हैं। जेल में रहने के कारण अक्सर राजनीतिक नेताओं को रिहा होने के बाद उनके अनुयायियों के सामने एक शक्तिशाली नेता की छवि मिल जाती है। इससे यह स्पष्ट हो सकता है कि विभिन्न पार्टियों में इतने सारे दागी राजनीतिक नेता विधायक बनने के लिए सार्वजनिक जनादेश प्राप्त करने में कैसे कामयाब होते हैं।एसोसिएशन फॉरडेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 40प्रतिशत मौजूदा सांसदों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे, जबकि 25 प्रतिशत विधायकों पर हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर अपराधों के आरोप थे। एडीआर रिपोर्ट, जिसका शीर्षक था %भारत की लोकसभा और राज्यसभा के मौजूदा सांसदों का विश्लेषण 2023%, पिछले साल जारी की गई थी। उनकी खराब सजा दर के लिए ईडी और सीबीआई को पीड़ित राजनीतिक दलों और जनता दोनों द्वारा शायद ही कभी गंभीरता से लिया जाता है।

राज्यों या केंद्र में सत्ता में बैठे अधिकांश राजनेता बेशर्मी से भ्रष्टाचार में ही लगे रहते हैं। कोई राजनीतिक दल जितने लंबे समय तक सत्ता में रहता है, उसका भ्रष्टाचार का स्तर उतना ही मजबूत होता है। राज्यों में, यह पुलिस और सी.आई.डी. जैसी राज्य जांच एजेंसियों को नियंत्रित करता है। केंद्र की सत्ता में पार्टी या उसका घटक दल ईडी और सीबीआई जैसी राष्ट्रीय जांच एजेंसियों को नियंत्रित करता है। ऐसा कहा जाता है कि सरकारी प्रक्रियाओं, निर्णय लेने और सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता की कमी भ्रष्ट आचरण के लिए उपजाऊ जमीन प्रदान करती है।

राजनीतिक भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने का एकमात्र तरीका हर पांच साल में सरकार को बदलने के लिए मतदाताओं द्वारा मतपत्र की शक्ति का उपयोग करना है। इससे सत्ताधारी पार्टी को पुलिस, विभिन्न जांच एजेंसियों और प्रशासन के साथ एक मजबूत और स्थायी गठजोड़ बनाने से रोका जा सकेगा, ताकि सरकारी फंड को लूटने से बचाया जा सके और रिश्वतखोरी और खर्चों में हेराफेरी जैसी अन्य भ्रष्ट गतिविधियों को नियंत्रित रखा जा सके। पुलिस, जांच एजेंसियों और प्रशासन को चुनाव के बाद पूरी तरह से नयी सरकार द्वारा अपने कार्यों या निष्क्रियताओं के खिलाफ जांच से डरने की उम्मीद रहेगी।

सरकार का नियमित परिवर्तन अच्छी लोकतांत्रिक प्रथाओं और शासन के लिए मौलिक है। मतदाताओं और सरकार के संयुक्त प्रयासों से ही भ्रष्टाचार को खत्म किया जा सकता है। भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को दंडित करने के कानूनों को नियमित रूप से लागू किया जाना चाहिए। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के शब्दों में, %जब अपराधी निर्वाचित प्रतिनिधि बन जाते हैं और कानून निर्माता बन जाते हैं, तो वे लोकतांत्रिक प्रणाली के कामकाज के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करते हैं। इस खतरनाक बहाव को सभी राजनीतिक दलों के साथ-साथ न्यायपालिका द्वारा भी रोका जाना चाहिए।% इसकी बहुत कम संभावना है कि उन्होंने केंद्र में बहुमत वाली सत्तारूढ़ पार्टी को अपने विवाद से बाहर रखा।

सलवार का इंडो-वेस्टर्न टच

आप इंडो-वेस्टर्न टच कैरी करना चाहती है तो सलवार के साथ पा सकती है स्टाइलिश लुक। कुछ खास डिजाइंस पर कानपुर के एक्सपर्ट्स की नजर..

सलवार ट्रेडिशनल आउटफिट होने के साथ ही अब और भी स्टाइलिश और ट्रेडी हो गई है। गर्ल्स के पास सलवार के एक या दो नहीं, कई डिजाइंस कैरी करने के ऑप्शंस है। इन्हे आप इंडियन के साथ इंडो-वेस्टर्न स्टाइल में भी कैरी कर सकती है।

पटियाला का टशन

फैसकॉस फैशन डिजाइनिंग इंस्टीटयूट की निदेशक रंजना पांडेय बताती है, पटियाला सलवार कंपलीट पंजाबी कुड़ी का लुक देता है। यह काफी घेर वाली लेयर्ड होती है और हर तरह की फैब्रिक के लिए सूटेबल भी। इसके साथ नीलेंथ कुर्ती बहुत फबती है। इसके साथ दुपट्टा कैरी कर सकती है लेकिन कैजुअल लुक चाहती है तो दुपट्टा अवॉइड करना ठीक रहेगा।

जोधपुरी का जलवा

फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल बताती है, इसकी मोहरी ज्यादा चौड़ी नहीं होती और यह काफी घेरदार होती है। इसके प्लेन और प्रिंटेड दोनों ही डिजाइंस स्टाइलिश दिखते है। सलवार अगर प्लेन कैरी करे तो कुर्ती प्रिंटेड पहनें। यह कंपलीट ट्रेडिशनल लुक देती है इसलिए इसके साथ मैचिंग की चूड़ियां जरूर पहनें।

हेरम के रंग

जेडी फैशन डिजाइनिंग इंस्टीटयूट की निदेशक डॉ. आशा सिंह बताती है, हेरम सलवार ऊपर से काफी लूज और नीचे से नैरो होता है। इसे टॉप के साथ कैरी कर स्टाइलिश लुक पा सकती है। अगर भीड़ से जुदा दिखना चाहती है तो इसे शॉर्ट कुर्ती के साथ कैरी करे। हेरम एंकल पर खुली होती है इसलिए एंकलेट पहनकर मैचिंग जमा सकती है।

काउल की टॉप मैचिंग!

यूआईडी की फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी बताती है, काउल सलवार के साथ टॉप या फिर किसी तरह की कुर्ती को मैच कराकर पहन सकती है। यह पटियाला की तरह ही लेयर्ड होती है और एंकल्स पर थोड़ी खुली हुई। जब इसे टॉप के साथ पहनें तो वेस्ट पर लटकन वाली बेल्ट आजमाएं। इससे डिफरेट लुक मिलेगा।

ऐसे दिखें फ्रेश

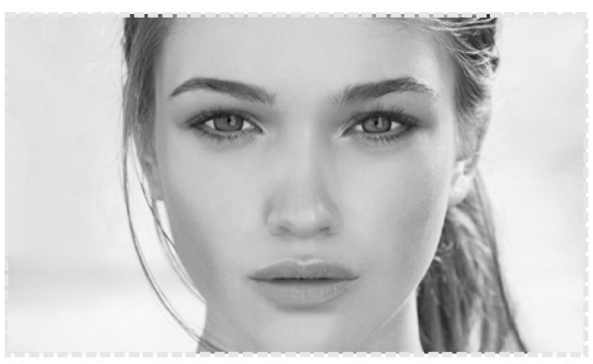

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का थ्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

पसंद आ रहे है स्टाइलिश पेंडेट

मार्केट वॉच

स्टाइलिश लुक के लिए हमेशा ही कुछ नए की तलाश में रहने वाली गर्ल्स के बीच पेंडेट्स का चलन बढ़ रहा है। गर्ल्स की इसी चाहत के चलते शहर की जूईल्रि व गिफ्ट शॉप्स में पेंडेट्स की कई नई वैरायटियां उपलब्ध हैं।

जंक पेंडेट

इस समय जंक पेंडेट अपने डल और सोबर कलर से गर्ल्स को खूब आकर्षित कर रहे है। कॉपर के ब्राउन, ब्लैक और यलो जैसे डल शेड्स के पेंडेट अट्रैक्टिव लुक देते है। इन पेंडेट को डिफरेंट लुक देने के लिए कॉपर चेन या पर्ल सेट का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

व्हाइट मेटल पेंडेट

फैशन डिजाइनर तरु सेठ कहती है, व्हाइट मेटल पेंडेट आपको हर डिजाइन व शेप में मार्केट में मिल जाएंगे, किस तरह का पेंडेट आप पर जंचेगा यह तो आपकी ड्रेस पर ही डिपेंड करेगा। यह पेंडेट आप थ्रेड चेन में पहन सकती है। सफेद चमकदार होने के कारण यह हर तरह से आपको सोबर लुक देगा।

ब्लैक मेटल पेंडेट

काकादेव स्थित गिफ्ट शॉपी के संचालक आशीष सिंह बताते है, इन पेंडेट की खासियत होती है कि यह हर तरह की चेन पर फिट हो जाते है। इन्हें अधिक स्टाइलिश लुक देने के लिए इनमें कई चेन डाल कर भी पहना जा सकता है। यह डिफरेट शेप में और हर साइज में अच्छा लगता है।

बीड एंड पर्ल पेंडेट

लार्ज सिंगल बीड और क्रिस्टल बॉल वाले पेंडेट भी यूनीक स्टाइल में उपलब्ध है। फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी बताती है, यह जींस टॉप और सलवार सूट दोनों पर परफेक्ट लगता है। इन पेंडेट को डिफरेट लुक देती है इनके साथ अटैच मोती व क्रिस्टल की माला। अगर आप भारी-भरकम जूईल्रि को किनारे कर कुछ सिंपल और गार्जियस लुक चाहती है तो हार्ट शेप स्वरोस्की पेंडेट्स बेहतर विकल्प साबित हो सकते है। बस इसके लिए जरूरत है मार्केट में उपलब्ध रेज में अपने लिए उचित पेंडेट्स का चयन।

हॉट है पोलका डॉट

फैशन में पोलका डॉट हिट है। इन्हे कैरी कर पा सकती है वेस्टर्न व एथनिक लुक, बता रही है कानपुर की कुछ फैशन एक्सपर्ट..

रट्रो फैशन से पोलका डॉट की फिर वापसी हुई है। डिजाइनर कलेक्शस से लेकर कूल कैजुअल्स तक में पोलका के ढेरों अंदाज देखने को मिल रहे है। ड्रेसेज के अलावा इन दिनों बैग्स, शूज, बेल्ट, स्कार्फ और सॉक्स तक में पोलका डॉट्स छाए हुए हैं।

ओकेजन के हिसाब से चयन

फैसकॉस फैशन डिजाइनिंग इंस्टीट्यूट की निदेशक रंजना पांडेय कहती है, हर बॉडी टाइप को सूट करने वाले इस ट्रेंड को कैरी करने के लिए आपको थोड़ा केयरफुल रहने की भी जरूरत है। पोलका डॉट्स ट्रेंड में है लेकिन स्टाइलिश दिखने के लिए ड्रेस के कट्स पर ध्यान देना भी जरूरी है। इसकी हर ड्रेस अलग लुक देती है इसलिए अकेजन के मुताबिक ही इसे कैरी करे।

कलर्स का रखें ध्यान

फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल कहती हैं, ब्लैक और वाइट पोलका हमेशा ट्रेंड में रहता है। दिन में ब्राइट व पेस्टल कलर के पोलका और रात को डीप कलर वाले पोलका अच्छे लगते हैं। डीप कलर में इन दिनों बॉटल ग्रीन, यलो, नेवी ब्लू, चॉकलेट ब्राउन, ब्लैक जैसे कलर्स आप ट्राय कर सकती हैं।

साड़ी में अट्रैक्शन

पोलका डॉट की बयार ड्रेस से लेकर साड़ी तक में देखी जा सकती है। साड़ियों के पल्ले व किनारियों में आप इन प्रिंट्स को कई तरह के डिजाइंस में देख सकती हैं। फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी कहती है, पोलका डॉट से साड़ी भी मॉडर्न ड्रेस में शुमार हो जाती है। इसे आप हर तरह की पार्टी में कैरी कर सकती है।

कुर्तियां हुई स्टाइलिश

फैशन एक्सपर्ट कविता जोतवानी कहती है, इन दिनों कॉटन की कुर्तियों में पोलका डॉट्स प्रिंट खास बने हुए हैं। खास ओकेजन के लिए इनमें हैवी वर्क, एम्ब्रॉयडरी, सितारे , गोटा और पैच वर्क किया गया है। पोलका डॉट्स कुर्तियों में ग?र्ल्स घेरदार, अनारकली, ए लाइन व स्ट्रेट को अधिक पसंद कर रही हैं। ऑफिस गोइंग गर्ल्स में भी इन दिनों इस लुक को एडॉप्ट करने में खासा इंट्रेस्ट दिख रहा है। एक निजी कंपनी में कार्यरत नीतू त्रिवेदी कहती है,कॉलेज जाना हो या ऑफिस, गर्ल्स के बीच जींस सदाबहार रहती है। जींस के साथ अगर पोलका डॉट टॉप पहनी जाए तो ड्रेस का डिफरेट लुक आता है। कुछ चेंज चाहिए तो प्रयोग भी करने होंगे।

चिकनपॉक्स खुजली से राहत पाने के लिए अपनाएं ये तरीके

चिकनपॉक्स (चेचक) की बीमारी में शरीर पर दाने निकल आते हैं। इसके साथ ही बुखार भी रहता है। इस दौरान चिकनपॉक्स से पीड़ित को बहुत दर्द भी होता है। चिकनपॉक्स का अभी सीधा इलाज तक नहीं आया है, लेकिन इसका वैक्सीन जरूर उपलब्ध होता है। वैसे, चिकनपॉक्स अपने आप ही एक से दो सप्ताह में ठीक होने लगता है। चिकनपॉक्स में शरीर पर निकले दानों में खुजली होती है। इस खुजली से निजात पाने के लिए आप इन उपायों को इस्तेमाल कर सकते हैं।

उपाय

- जिस किसी को भी चिकनपॉक्स हुआ हो, उसे हाथों में मोजे पहनकर सोना चाहिए, जिससे कि रात में अनजाने में खुजली करते समय दानों में खरोंच न लगे। रात में इस बात का अहसास नहीं होता है कि आप अपने शरीर को खुजली कर रहे हैं। इसके अलावा नाखूनों को बड़ा न होने दें। बड़े नाखून से खुजली से आपको इंफेक्शन हो सकता है।
- चिकनपॉक्स की खुजली से छुटकारा पाने के लिए नीम एक अच्छा विकल्प होता है। नहाने के समय बाल्टी के पानी में नीम की पत्ती डालें। नीम की पत्ती में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरस गुण पाए जाते हैं। इसके साथ ही नीम की पत्ती संक्रमण को भी रोकती हैं।
- स्नान करने के लिए, एक बाल्टी पानी में कुछ नीम के पत्ते डालें और फिर अपने ऊपर पानी डालें। नीम के पत्तों में शक्तिशाली जीवाणुरोधी और एंटीवायरस गुण होते हैं, जो चकत्ते के त्वरित उपचार को बढ़ावा दे सकते हैं और संक्रमण को रोक सकते हैं। आप गर्म पानी में दलिया भी डाल सकते हैं और स्नान के लिए उस पानी का उपयोग कर सकते हैं।
- गर्म पानी में ओटमील मिलाकर भी चिकनपॉक्स की खुजली दूर कर सकते हैं। इसके अलावा नमक का पानी चिकनपॉक्स में होने वाली खुजली मिटाने में बहुत मदद करता है।
- अगर बहुत ज्यादा खुजली हो रही है और बिना खुजली किए आप रह नहीं सकते तो नीम के पेड़ छोटी टहनी से खुजली वाली जगह पर धीरे से ब्रश करें। इससे आपको राहत मिलेगी। एक बात याद रखें कि ब्रश करने से पहले नीम की टहनियों को गर्म पानी से धो लें, ताकि आपको कोई नुकसान न पहुंचे।

गर्मियों में मेकअप के दौरान इन तीन चीजों से करें तौबा

गर्मियों में स्किन के लिए जितनी देखभाल की जरूरत है, उतनी ही ऐहतियात मेकअप करते वक्त बरतने की भी है। गर्मियों में स्किन इंफेक्शन के अलावा अन्य कई तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। इसलिए जरूरी है कि मेकअप के दौरान भी आप सावधानी बरतें और यहां बताई जा रही तीन गलतियां भूलकर भी न करें।

एक्सपायरी डेट के बाद यूज न करें प्रॉडक्टस

सारे ब्यूटी प्रॉडक्टस एक निश्चित एक्सपायरी डेट के साथ आते हैं। उस डेट के बाद आपको उनका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। नहीं तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, पुराने एक्सपायर्ड मेकअप प्रॉडक्ट्स ऐसे बैक्टीरिया और विषैले तत्वों की जन्म स्थली बनते हैं, जो न सिर्फ आपके लुक बल्कि आपकी त्वचा को भी खराब करते हैं। कॉस्मैटिक्स को स्टोर करके रखने की आदत के कारण एलर्जी, त्वचा इंफेक्शन जैसी समस्याएं आपको घेर लेती हैं।

मेकअप ब्रश न करें दूसरों से शेयर

मेकअप ब्रश शेयर कभी भी न करें। मेकअप ब्रश शेयर करने से हमारी त्वचा पर फंगस, वायस और कई तरह के बैक्टीरिया होते हैं जो मेकअप ब्रश यूज करने पर सीधे ब्रश में चले जाते हैं। अगर आप किसी दूसरे का मेकअप ब्रश शेयर करती हैं, तो वह सीधे आपकी स्किन पर आ जाएंगे। सारे मेकअप प्रॉडक्ट्स को एयरटाइट कंटेनर में पैक करके रखिए। बाथरूम या ड्रेसिंग टेबल पर खुले में दिखने वाले कॉस्मेटिक्स, ब्रश जिन पर हवा में तैरते जर्म्स आसानी से चिपक जाते हैं, वे सीधे आपकी स्किन पर जाने से रुक पाएंगे।

मेकअप बैलेंस करके न चलने से बढ़ती है परेशानी

मेकअप के दौरान एक बेसिक रूल हमेशा फॉलो करना चाहिए। आपका मेकअप ऐसा होना चाहिए, जो फेस को बैलेंस करें। उदाहरण के तौर पर, आंखों एवं लिप्स में से किसी एक को ही ज्यादा हाइलाइट करें, ताकि फेस बैलेंस हो जाए। अगर आप स्मोकी या लाउड आई मेकअप कर रही हैं तो लिपस्टिक शेड लाइट रखें। वहीं अगर लिपस्टिक कलर्स काफी ब्राइट एवं लाउड है, तो आई मेकअप मिनिमम होना चाहिए। जो महिलाएं ऐसा नहीं करती, उनका मेकअप एवं चेहरा देखने में काफी अजीब लगता है।

रेसिपी

कद्दू की बर्फी

■ कद्दू : 1 कप ■ घी : 4 टीस्पून ■ चीनी: 200 ग्राम ■ मावा: 200 ग्राम ■ बादाम:1 टीस्पून (बारीक कटा) ■ काजू:1 टीस्पून (बारीक कटा) ■ पिस्ता: 1 टीस्पून (बारीक कटा) ■ हरी इलायची: 4-5 छीलकर (कूटी हुई)

विधि

कद्दू की बर्फी बनाने के लिए सबसे पहले कद्दू को छीलकर साफ कर लें। फिर इसे कद्दूकस कर लें या फिर इसके छोटे छोटे टुकड़े कर लें। इसके बाद कड़ाही में घी डालकर गरम करें। फिर इसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर छह या सात मिनट तक पका लें। जब कद्दू अच्छे से पक जाए, तब इसमें चीनी डालें और लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भून लें। अब इसमें और 2 टीस्पून घी डालें और एक मिनट तक भून लें, फिर इसमें मावा डालकर पांच मिनट तक लगातार चलाते हुए दो से तीन मिनट तक पका लें। अब गैस बंद कर दें और इसमें बादाम, पिस्ता, काजू और इलायची पाउडर डालकर मिक्स करें। अब एक थाली लें और उसमें घी लगाकर चिकना कर लें। फिर इसमें कद्दू का मिक्सचर डालकर चारों ओर फैला लें। इसे 1 घंटे तक जमने के लिए छोड़ दें। एक घंटे बाद चाकू से इसे छोटे टुकड़ों में काट कर सर्व करें।

ब्रेड कुल्फी

- 4 ब्रेड स्लाइस
- 1 लीटर दूध
- 2 बड़ा चम्मच चीनी
- 1 छोटा चम्मच वनिला एसेंस
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ काजू
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ बादाम
- 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ पिस्ता
- 1 बड़ा चम्मच मक्खन
- 1 छोटा चम्मच शहद

विधि

सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन में दूध उबालने के लिए रखें। पहला उबाल आने पर मक्खन, चीनी मिलाएं और दूध को तब तक उबालते रहें जब तक कि यह आधा न रह जाए। ब्रेड स्लाइस, बारीक कटे काजू, बादाम और पिस्ता मिलाएं। जब दूध पूरा गाढ़ा हो जाए तब आंच बंद कर दें और तैयार मिश्रण को ठंडा होने के लिए रख दें। वनिला एसेंस मिलाकर एक चम्मच से अच्छे से मिक्स कर लें। कुल्फी मिश्रण को कुल्फी मोल्ड में डालकर 6 से 7 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। तय समय के बाद ब्रेड कुल्फी तैयार है। शहद की टॉपिंग के साथ सर्व करें।

नोट- अगर आपके पास मोल्ड नहीं है तो आप किसी और बर्तन में भी कुल्फी जमने के लिए रख सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ ज्ञ ञ दे दो चा ची): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ौन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

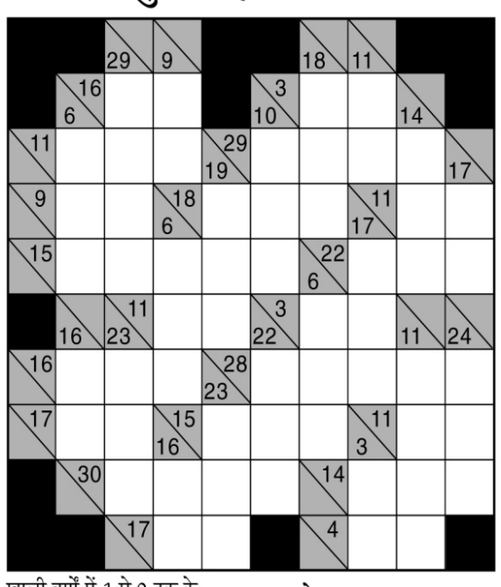

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

काकुरो पहेली - 660

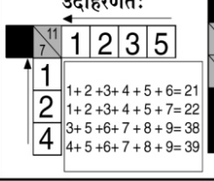

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 659 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 560

ऊपर से नीचे:-

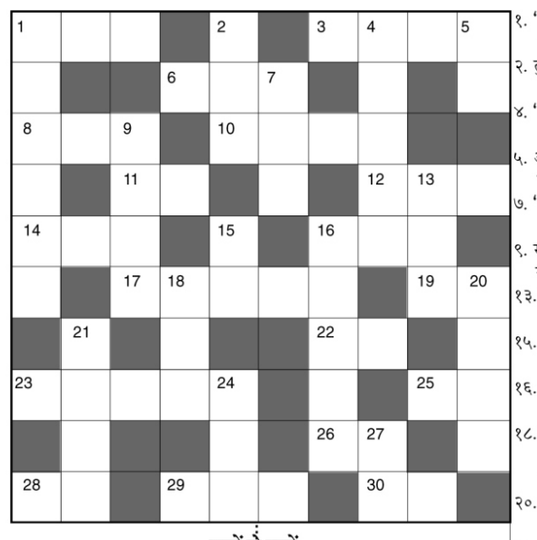

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 559

अ	नि	ता		रो	श	नी		धू	म
क्स		क	सौ	टी		ल	ज्जा		स्त
	अं	त		क	स	म		भा	
जो	श		कं	प	नी		आ	र	जू
रू		दि		ड़ा		जी	न	त	
का	ज	ल		औ	र	त			पा
गु		ज	रू	र	त		पा	ल	की
ला	ड़	ला		म	न		य		जा
म			शा	का		जा	ल		
	फ	र	दी	न	खा	न		फि	दा

सूडोकु -660

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 659 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 660

बाएँ से दाएँ

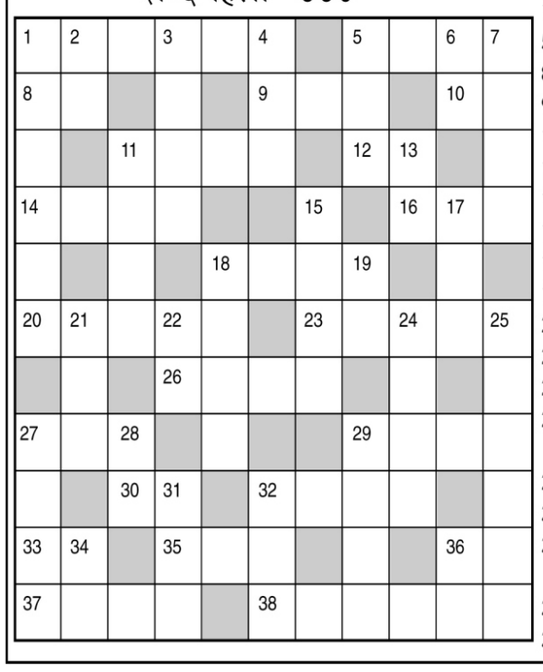

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -659 का हल

उ	प	चा	र		नि		वि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हु	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	म्य

मासिक अपराध गोष्ठी में एसपी ने दिये कई निर्देश

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। जिला पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में शुक्रवार मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र द्धारा थाना वार कानून व्यवस्था की समीक्षा

की गई। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के बारे में कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक नें जिले के सभी थाना क्षेत्र नियमित सघन वाहन चेकिंग चलाने के साथ ही मादक पदार्थ,शराब व असमाजिक तत्वो को धर पकड़ करने का भी निर्देश दिया। साथ बैको व सीएसपी पर विशेष निगरानी रखने के साथ विभिन्न कांडो में वांछितो की गिरफ्तारी करने का भी निर्देश दिया।

अररिया डीएम और एसपी ने सिकटी विधानसभा के वल्नरेबल क्रिटिकल बूथों का किया निरीक्षण

फारबिसगंज/अररिया। जिलाधिकारी इनायत खान एवं पुलिस अधीक्षक अमित रंजन द्वारा संयुक्त रूप से सिकटी विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत कुर्साकांट एवं सिकटी प्रखंड क्षेत्र के वल्नरेबल एवं क्रिटिकल बूथों का निरीक्षण किया। साथ ही निरीक्षण के उपरांत सिकटी विधानसभा के सहायक निर्वाची पदाधिकारी एवं सभी सेक्टर पदाधिकारियों के साथ सममीक्षात्मक बैठक भी की गई।इससे पूर्व निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सिकटी विधानसभा अन्तर्गत कुर्साकांटा एवं सिकटी प्रखंड के सेंसेटिव इलाकों के वल्नरेबल एवं क्रिटिकल बूथों वाले क्षेत्रों का जायजा लिया गया। इस क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा संबंधित ईआरओ को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

पैरामेडिकल कोर्स के दर्जनों छात्र छात्राओं ने प्रदर्शन कर सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन

किशनगंज। जिले के जीएनएम एवं पैरामेडिकल संस्थान के दर्जनों पैरामेडिकल पीड़ित छात्र छात्राओं ने सदर अस्पताल पहुंचकर छात्रावास आवंटन को लेकर प्रदर्शन कर सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान पैरामेडिकल में पढ़ने वाले पीड़ित छात्र ने बताया कि 28 नवंबर 2023 को हम लोगों का नामांकन जीएनएम एवं पैरामेडिकल संस्थान के पैरामेडिकल का कोर्स में हुआ है। लेकिन अभी तक हम लोगों को रहने के लिए छात्रावास आवंटन नहीं किया गया है। जिस कारण से हम लोगों का भविष्य खतरे में है। यहां तक की शिक्षक भी कॉलेज में नहीं है। हम लोगों को बार-बार सिर्फ आश्वासन दिया जाता है की तुम लोगों को छात्रावास मिल जाएगा और शिक्षक की भी नियुक्ति कर दी जाएगी। लेकिन कोई उचित कदम विभाग के द्वारा उठाया नहीं जाता है।

हमें आखिर तक लड़ना भी है और जीतना भीः त्रिवेन्द्र सिंह रावत

एजेंसी

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हरिद्वार लोकसभा उम्मीदवार त्रिवेंद्र सिंह रावत ने डोईवाला विधानसभा के पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि रण क्षेत्र में हमें अंतिम क्षण तक

मजबूती से लड़ते हुए विजय प्राप्त करनी है।रावत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विजय संकल्प रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया। साथ ही उनके द्वारा सभी से चुनावी रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

लोकसभा मैनपुरी में अब सपा पूरा किला ढहाना है : ए.के. शर्मा

एजेंसी

मैनपुरी। समाजवादियों का नारा है, खाली प्लाट हमारा है, उल्टा चोर कोतवाल को डांटे और जिसकी लाठी उसकी भैंस... यह है समाजवादी पार्टी का संविधान, जिसको बचाने की बात ये लोग करते हैं। यह कुप्रथा चालू रहे इसके लिए आज बाबा साहब अम्बेडकर के संविधान के नाम पर भ्रम फैलाने का ये लोग काम कर रहे हैं।

ये बातें प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने मैनपुरी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के समर्थन में कही। वे मैनपुरी में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मलेन में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि मैनपुरी की जनता ने समाजवादी पार्टी को चार बार प्रदेश की बागडोर सौंपी, मगर

सपा ने सिर्फ गुंडई, दबंगई, ज़मीनों पर कब्जे, हत्या, लूटमार, बलात्कार और महिलाओं से अभद्रता के साथ ही आमजनमानस में डर और भय का माहौल स्थापित किया। सपा ने वोट तो आपसे लिया, मुख्यमंत्री अपने घर का बनाया और विकास सिर्फ अपने कुनबे का किया। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की भाजपा सरकार ने सुशासन और गुड गवर्नेंस का जो उदाहरण पेश किया है उससे विपक्ष मुद्दा विहीन हो गया है, इसलिए घूम-घूमकर सिर्फ भ्रम फैलाने का काम कर रहा है।मंत्री ए.के. शर्मा ने सम्मलेन में आये सभी बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत करते हुए कहा कि अबकी बार 400 पार के संकल्प को पूरा करते हुए मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में एक कमल का फूल मैनपुरी से भी खिलाना होगा। वो समय बीत गया जब लोग कहा करते थे कि मैनपुरी एक अभेद्य किला है।

आप सभी की लगन और मेहनत से ठाकुर जयवीर सिंह ने मैनपुरी सादर विधानसभा सीट पर जीत दर्ज कर इस भ्रम को ख़त्म कर दिया है। उसी जोश के साथ इस बार मैनपुरी लोकसभा सीट से जयवीर सिंह को जीत दिलाकर लोकसभा पहुंचाना है और मोदी जी को एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनाने में एक कमल मैनपुरी का भी खिलाना है।

पारंपरिक मेलों की तरह लोकतंत्र के पर्व में भी जरूर लें हिस्सा : उपायुक्त

एजेंसी

धर्मशाला। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने देहरा उपमंडल के कालीनाथ कालेश्वर में पूजा अर्चना के साथ तीन दिवसीय राज्य स्तरीय वैसाखी मेला का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर लोकतंत्र के महापर्व को लेकर स्वीप के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शोभायात्रा भी निकाली गई तथा स्कूल के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने सभी नागरिकों को वैसाखी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कालेश्वर कालीनाथ में सदियों से बैसाखी उत्सव को धूमधाम से मनाया जाता है तथा यहां पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रशासन की ओर से कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कहा कि पारंपरिक पर्वों के साथ साथ लोकतंत्र के पर्व देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को मतदान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि सभी मतदाताओं को हर चुनाव में स्वतंत्र रूप से, निर्भय होकर तथा किसी भी तरह के प्रलोभन में आए बगैर अपने विवेक से अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। इससे हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। उन्होंने क्षेत्र के मतदाताओं को लोकसभा चुनाव-2024 में शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया । उन्होंने सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो यदि किसी का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है तो उसे बी एल ओ के माध्यम या वोटर हेल्पलाइन के माध्यम से फॉर्म छह आवश्यक भरें प्रत्येक नागरिक को अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।

निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए मास्टर ट्रेनर महत्वपूर्ण कड़ी : जिला निर्वाचन अधिकारी

एजेंसी

जौनपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मास्टर ट्रेनरों को कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में 130 मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए मास्टर ट्रेनर महत्वपूर्ण कड़ी है। जितने प्रभावी रूप से मास्टर ट्रेनर कार्मिकों को प्रशिक्षण देंगे उतना ही अच्छा मतदान कार्मिक निर्वाचन के दिन कार्य करेंगे।उन्होंने निर्देश दिया कि सभी मास्टर ट्रेनर गम्भीरतापूर्वक पूरे मनोयोग के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण दें। किसी भी प्रकार की शंका होने पर तत्काल उसका समाधान करा लेने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अच्छे मास्टर ट्रेनरों को सम्मानित भी किया जायेगा। जिला निवार्चन अधिकारी के द्वारा ईवीएम के कनेक्शन, सीलिंग और उसके कार्यप्रणाली के बारे में अवगत कराया, साथ ही इवीएम हैण्डलिंग,

प्रमाण-पत्र भरना आदि के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने माकपोल सर्टिफिकेट भरने, मॉकपोल के दौरान मशीन खराब होने की दशा में क्या करना चाहिए और मशीन बदलने के दौरान की जाने वाली प्रक्रिया एवं मतदान समाप्ति के समय क्लोज बटन दबाने के सम्बंध में मास्टर ट्रेनरों से प्रश्न पूछा और सही उत्तर की जानकारी दी। परियोजना निदेशक जयकेश त्रिपाठी ने बताया कि 15 अप्रैल 2024 से टीडी इण्टर कालेज में पीठासीन अधिकारी व प्रथम मतदान अधिकारी का प्रशिक्षण कराया जायेगा। उसी के क्रम में आज मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण के दौरान जो भी कार्मिक अनुपस्थित पाया जायेगा, उनके विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर प्रभारी अधिकारी कार्मिक प्रशिक्षण साईं तेजा सीलम, पीडी जयकेश त्रिपाठी सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने नवहट्टा एवं सत्तरकटैया प्रखंड के कई विद्यालयों का निरीक्षण किया

एजेंसी

सहरसा। जिलाधिकारी वैभव चौधरी ने सत्तर कटैया एवं नवहट्टा प्रखंड स्थित विभिन्न राज्य संपोषित विद्यालयो का निरीक्षण किया।निरीक्षण कम में जिलाधिकारी ने लोकसभा आम निर्वाचन हेतु नवहट्टा एवं सत्तरकटैया प्रखंड के विद्यालय में अर्धसैनिक बल के आवासन हेतु व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन,अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवासन हेतु चिन्हित कमरों, परिसर के साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के ससमय उपलब्धता हेतु आवश्यक कारवाई का निर्देश दिया। सत्तरकटैया स्थित प्राथमिक विद्यालय गंडौल, प्राथमिक विद्यालय सिहौल पूर्व के निरीक्षण कम में जिलाधिकारी ने विद्यालय में उपस्थित बच्चों से पठन-पाठन एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे भोजन के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय का रख-रखाव असंतोषजनक पाया गया, जिसके

कारण जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी प्रकट की एवं संबंधित प्रधानाध्यापक को अविलंब विद्यालय के समेकित प्रबंधन में सुधार लाने का निर्देश दिया है। निर्देश अनुपालन नहीं होने की स्थिति में सख्त कारवाई की चेतावनी दी गई है।प्राथमिक विद्यायल गंडौल, एवं प्राथमिक विद्यालय सिंहौल पूर्व के प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया गया है कि वे विद्यालय के विभिन्न वर्ग कक्षों में एक सप्ताह के भीतर पंखा एवं बल्व लगाने हेतु आवश्यक कारवाई करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही विद्यालयों के समेकित प्रबंधन में भी सुधार लाने हेतु ठोस कारवाई करेंगे। विद्यालय परिसर के साफ-सफाई हेतु भी निर्देश दिया गया है।तत्पश्चात उन्होने सत्तरकटैया स्थित प्राथमिक विद्यालय बिहरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण कम में जिलाधिकारी विभिन्न वर्ग कक्षों में गये अध्ययनरत बच्चों से बातचीत की एवं उन्हें मन लगाकार पठने लिखने हेतु प्रोत्साहित किया।

मैंने लोगों को रंग बदलते देखा, परिवार बदलते पहली बार राहुल गांधी को देखा : स्मृति ईरानी

एजेंसी

अमेठी। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की अमेठी लोकसभा से प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि 15 साल अमेठी से सांसद रहे राहुल गांधी लेकिन गरीब के लिए शौचालय तक नहीं बनवा पाए। वह चाहते थे कि अमेठी का गरीब हमेशा गरीब बना रहे जिससे कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं के सामने हाथ फैलाए अमेठी का गरीब खड़ा रहे।

यही नहीं आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छींकते हैं तो विदेश के किसी अस्पताल में चले जाते हैं। लेकिन अमेठी में मेडिकल कॉलेज तक नहीं बनाते हैं। कांग्रेस वाले लोकतंत्र की कसमें खाते हैं लेकिन तमिलनाडु में उनका समर्थन

लिया जिन्होंने बाबा साहब अंबेडकर का संविधान जलाया और सनातन धर्म को गाली दिया।

राहुल गांधी ने जब वायनाड में अपना नामांकन किया तो उन्होंने घोषित कर दिया कि वायानाड मेरा परिवार है। राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड के लोग ज्यादा वफादार हैं। अमेठी के लोगों ने 15 साल तक उस निकम्में सांसद को ढोया जिसने काम नहीं किया। जीतने के बाद भी गायब रहा। अब अमेठी की वफादारी पर यह तोहमत लगते हैं। मैंने लोगों को रंग बदलते देखा है लेकिन परिवार बदलते पहली बार राहुल गांधी को देखा है। वायनाड में राहुल गांधी ने पर्चा भरने से पहले मुस्लिम लीग का समर्थन लिया और उनकी मुस्लिम लीग से बातचीत भी हुई कि मुस्लिम लीग अपना झंडा नहीं दिखाएगा क्योंकि राहुल को अमेठी में प्रचार करना है और मंदिर मंदिर जाना है। तो उसने भी कहा कि हम अपना नहीं दिखाएंगे तो तुम अपना भी ना दिखाओ। जिस पर उन्होंने कहा ठीक है। हद हो गई की अपनी राजनीति के लिए अपनी पार्टी का झंडा भी त्याग दिए। अब राहुल गांधी की हालत यह हो गई है कि आतंकवादी संगठन का समर्थन लेकर अपना चुनाव लड़ना पड़ रहा है। इसी संगठन ने केरल के सभी जिलों में हिंदुओं को मारने की एक लिस्ट बनाई है।आप सब जानते हैं कि जब राहुल गांधी यहां से चुनाव लड़ते हैं तो यहां पर लोग बाहर से प्रचार करने आते हैं। ऐसे में यह लोग उन्हें यहां भी लाएंगे। यह अमेठी के सम्मान और संरक्षण का चुनाव है। दोनों की लड़ाई में अंतर है राहुल गांधी अपने लिए लड़ रहे हैं और हम अपनों के लिए लड़ रहे हैं। जीजा की नजर ना लगे इसलिए राहुल गांधी अमेठी में रुमाल छोड़ने आ रहे हैं। राहुल गांधी अमेठी में चुनाव जीतने के लिए नहीं आग लगाने के लिए आ रहे हैं। जबकि वह भूल गए हैं कि मैंने पहले भी आग बुझाई थी और आज भी आग बुझाने ही आई हूं।

दवा लेने जा रहे पिता-पुत्र की सड़क दुर्घटना में मौत

अमेठी। कमरौली थाना क्षेत्र में सुबह घर से दवा लेने निकले बाइक सवार पिता-पुत्र को लखनऊ-सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कमरौली थानाध्यक्ष अभिनेश कुमार ने बताया कि सुबह 4 बजे के करीब पुलिस को लखनऊ सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर औद्योगिक क्षेत्र कमरौली के रोड नंबर 2 पर खून से लथपथ दो लोगों के पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई। तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस दोनों लोगों को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

भाजपा ने प्रियंका वाड्रा से पूछे सवाल- सनातन व मातृ शक्ति के अपमान पर मौन क्यों!

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश चुनाव प्रबंध समिति संयोजक नरेश बंसल ने प्रियंका वाड्रा के दौरे पर सवाल उठाते करते हुए कहा कि मोहब्बत की दुकान का दावा करने वालों को सनातन संस्कृति और मातृ शक्ति से नफरत क्यों है। कांग्रेस राज्य में एक भी महिला को उम्मीदवारी के योग्य नहीं माना, क्यों महिला अपमान पर अपनी पार्टी में वो क्यों नहीं लड़ते हैं। रिस्पना पुल स्थित प्रदेश मीडिया सेंटर में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की रैली को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बनाने के लिए देवतुल्य जनता का आभार व्यक्त किया है। नरेश बंसल ने दावा किया कि मोदी की दोनों सभाओं ने पांचों उम्मीदवारों के पांच

लाख से अधिक मतों से जीत की गारंटी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह युवाओं, मातृशक्ति, पूर्व सैनिक, सर्व समाज समेत देवभूमि के सभी वर्गों ने लाखों की संख्या में पहुंचकर अपना आशीर्वाद मोदी को दिया उसके लिए सभी का पार्टी बहुत बहुत आभार व्यक्त करती है। उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कि प्रधानमंत्री के शंखनाद के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी उत्तराखंड पहुंचे हैं। गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत पार्टी के बड़े नेता देवभूमि पहुंच रहे हैं। पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के सामने लक्ष्य स्पष्ट है, जी तोड़ मेहनत से प्रदेश के सभी पोलिंग स्टेशनों पर कमल खिलाना और मोदी को प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंने कांग्रेस पर लगातार भ्रम, झठ और अफवाह फैलाने की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह अनर्गल, बेबुनियाद आरोपों पर कांग्रेस उतर आई है वो स्पष्ट करता है कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी हार स्वीकार ली है। बंसल ने प्रियंका वाड्रा के दौरे तंज कसते हुए कांग्रेस के बड़े नेता अंतिम दौर में उत्तराखंड में जनता के सामने आने का साहस किया है।

किस प्रलोभन में भाजपा का दामन थामा, जनता के समक्ष स्थिति सपष्ट करें बागी विधायक: आशीष बुटेल

एजेंसी

धर्मशाला। मुख्य संसदीय सचिव एवं धर्मशाला उपचुनाव के सह प्रभारी आशीष बुटेल ने भाजपा ने प्रदेश की जनता द्वारा चुनी गई कांग्रेस सरकार को गिराने की जो नाकाम कोशिश की है उसका जबाव जनता लोकसभा के साथ साथ उपचुनावों में भी देगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में हिमाचल प्रदेश में बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण कार्य हुआ, जिसमें जनता द्वारा चुनी हुई सरकार को भाजपा ने कुछ बागी विधायकों के साथ मिलकर गिराने की नाकाम कोशिश की है। उन्होंने कहा कि भाजपा को पहली बार इस तरह की असफलता हाथ लगी है। देवभूमि हिमाचल के लोगों व नेताओं ने अपनी सरकार को बनाए रखा है और ऐसे घटिया कृत्य करने वालों को नकार दिया है। आशीष बुटेल ने यह बात धर्मशाला में पत्रकार वार्ता करते हुए कही। उन्होंने बागी विधायकों पर

निशाना साधते हुए कहा कि छह बागी विधायकों ने कांग्रेस से टिकट लेकर चुनाव लड़ा और जीता भी लेकिन बाद में न जाने किस प्रलोभन में वह भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि उस समय वह लोग भाजपा का विरोध कर रहे थे, अब किस मुंह से सरकार के पास जाएंगे। बुटेल ने कहा कि कांग्रेस सरकार किसी भी हाल व स्थिति में गिरने वाली नहीं है। उन्होंने बागी विधायकों से सवाल उठाए हैं कि किस प्रलोभन से वो भाजपा में गए हैं, उसकी स्थिति भी जनता के सामने सपष्ट करें। आशीष बुटेल ने कहा कि हिमाचल की राजनीति में ऐसा पहले कभी नही हुआ है, ऐसे में अब जनता उन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि धर्मशाला से कांग्रेस के पूर्व विधायक वर्ष 2012 में सरकार में मंत्री रहे हैं, बावजूद उन्होंने उसी पार्टी को छोड़कर भाजपा का दामन थामकर अन्य बागी विधायकों के साथ सरकार गिराने की नाकाम कोशिश की है। सीपीएस बुटेल ने कहा कि अब वही भाजपा के उम्मीदवार बनकर मुख्यमंत्री पर आरोप लगाने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार व मुख्यमंत्री जनता के कार्यों को लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने सरकार की गारंटियों को गिनाते हुए कहा कि ओपीएस का वादा पूरा करने, दूध के दाम बढ़ाने, महिलाओं को 1500 रुपए देने सहित व स्कूलों में इंग्लिश मीडियम शुरू करने जैसी गारंटियों को पूरा कर दिया गया है।

शराब मामले में कांग्रेस उम्मीदवार के आरोप मनगढ़ंत, भाजपा चुनाव आयोग में शिकायत कराएगी दर्ज: सरेश जोशी

एजेंसी

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने कहा कि गढ़वाल के सतपुली में शराब बरामदगी के मामले में कांग्रेस उम्मीदवार गणेश गोदियाल के आरोप मनगढ़ंत और और पार्टी की छवि खराब करने का प्रयास है। इस संबंध में पार्टी चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराकर सख्त कार्रवाई की मांग करेगी।

प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस भाजपा गढ़वाल लोकसभा उम्मीदवार बलूनी की बढ़ती लोकप्रियता से हताश, निराश और बौखलाई हुई है। यही वजह है कि जमानत जब्त होते देख अनर्गल एवं बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। इस संबंध में पार्टी चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराकर सख्त कार्रवाई का आग्रह करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार द्वारा भाजपा पर लगाए जा रहे सारे आरोप निराधार और झूठे हैं।

उन्होंने पलटवार किया कि जिस फैक्टरी से शराब बरामदगी की बात वह कर रहे हैं वह फैक्टरी तो जनवरी माह में ही बंद हो चुकी है। ऐसे में उस सील फैक्टरी में शराब की बात कह कर उसे वह भाजपा की शराब बताना सरासर झूठ हैं। भारतीय जनता पार्टी चुनाव आयोग में शिकायत करेगी और आयोग से ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील करेगी।

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ईश्वरनगर मंडल की बैठक

एजेंसी

भागलपुर। भाजपा ईश्वरनगर मंडल की बैठक एक विवाह भवन में मंडल अध्यक्ष सह वार्ड पार्षद पंकज गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित की गयी।

इस बैठक में मंडल पदाधिकारी, शक्तिकेंद्र प्रमुख, बूथ अध्यक्ष, प्रभारी, पन्ना टीम शामिल रहे। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में सदैव कार्यकर्ता सर्वोपरि रहता है। प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की सशक्त मौजूदगी, फिर एक बार मोदी सरकार के लिए अग्रसर होगी। नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर अटूट विश्वास और एनडीए को मिल रहा यह प्रचंड समर्थन निश्चित तौर पर भागलपुर लोकसभा से अजय मंडल को चार लाख वोट से विजयी बनाएगा और मोदी जी को तीसरी बार मां भारती की सेवा का पुण्य अवसर प्रदान करेगा।लोकसभा प्रभारी अर्जुन शर्मा ने कहा की भाजपा कार्यकर्ता देश के लिए काम करते हैं। अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर, इदं न मम् के भाव से काम करते हैं। इनके लिए हमेशा से 'व्यक्ति से ऊपर दल और

दल से ऊपर देश रहा है। बूथ अध्यक्ष सम्मेलन मे मुख्य रूप से नभय चौधरी, रोहित पांडेय, ओम भास्कर, डॉ राजीव मुन्ना, डॉ बिहारी लाल, प्रीति शेखर, रूपा देवी, शशि मोदी, राजकिशोर गुप्ता, आशुतोष ढिल्लों, विनोद सिन्हा, रोशन सिंह, रामाशीष सिंह, संजय हरि, सोनी देवी सहित बूथ अध्यक्ष सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेयी ने दी।

भारत रत्न बाबासाहेब

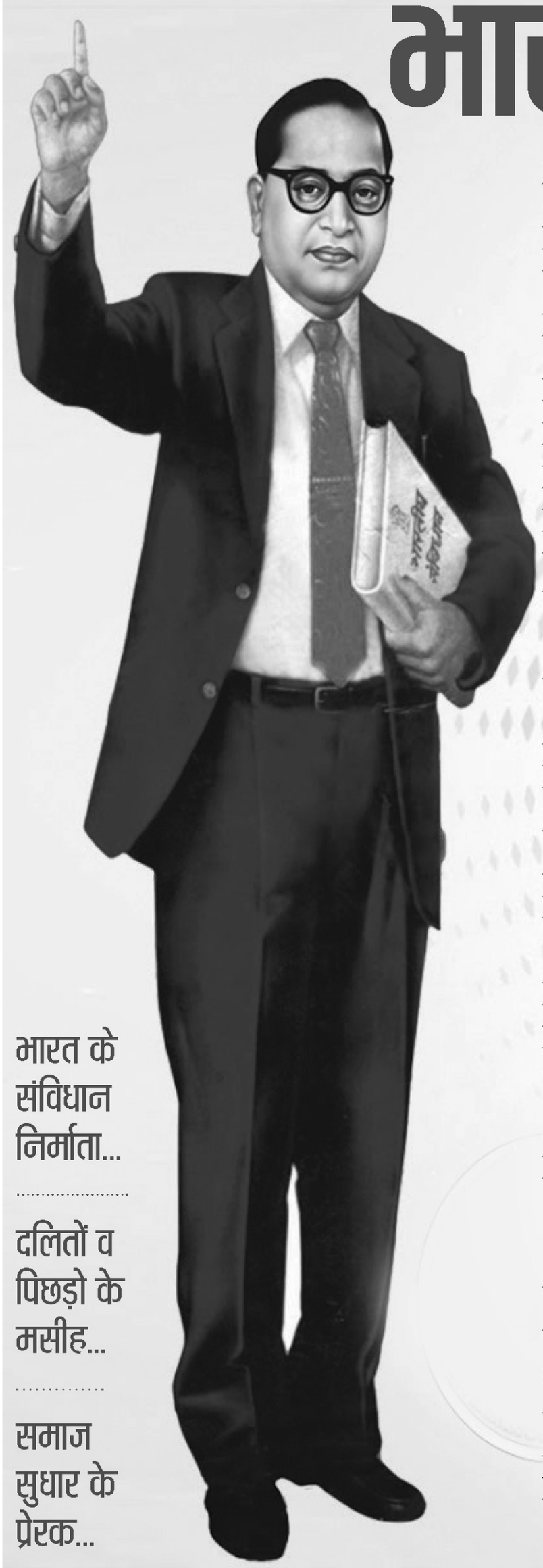

भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891 – 6 दिसंबर, 1956)बाबा साहेब के नाम से लोकप्रिय , भारतीय विधिवेत्ता ,अर्थशास्त्री ,राजनीतिज्ञ और समाजसुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और दलितों के खिलाफ सामाजिक भेद भाव के विरुद्ध अभियान चलाया। श्रमिकों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन किया।

वे स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री एवं भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार थे।

आंबेडकर विपुल प्रतिभा का छात्र थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लन्दन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने विधि ,अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञानं के शोध कार्य में ख्याति प्राप्त की जीवन के प्रारम्भिक करियर में वह अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवम वकालत की। बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में बीता। 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया। 1990 में, भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान मरणोपरांत अम्बेडकर पर सम्मानित किया गया था।

प्रारंभिक जीवन

आंबेडकर का जन्म ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में स्थित नगर सैन्य छावनी महू में हुआ था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं व अंतिम संतान थे। उनका परिवार मराठी था और वो आंबडवे गांव जो आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में है, से संबंधित था। वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे और उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। डॉ. भीमराव आंबेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे और उनके पिता, भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे और यहां काम करते हुये वो सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त की थी।

आंबेडकर को गौतम बुद्ध की शिक्षाओं ने प्रभावित किया था। अपनी जाति के कारण उन्हें इसके लिये सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। स्कूली पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद छत्र भीमराव को अस्पृश्यता के कारण अनेका प्रकार की कठनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। रामजी सकपाल ने स्कूल में अपने बेटे भीमराव का उपनाम 'सकपाल' की बजाय 'आंबडवेकर' लिखवाया, क्योंकी कोकण प्रांत में लोग अपना उपनाम गांव के नाम से लगा देते थे, इसलिए भीमराव का मूल अंबाडवे गांव से अंबावडेकर उपनाम स्कूल में दर्ज किया। बाद में एक देशस्त ब्राह्मण शिक्षक कृष्णा महादेव आंबेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे, ने उनके नाम से 'अंबाडवेकर' हटाकर अपना सरल 'आंबेडकर' उपनाम जोड़ दिया। आज आंबेडकर नाम से जाने जाते है।

आंबेडकर ने सन 1898 मे पुनर्विवाह कर लिया और परिवार के साथ मुंबई (तब बंबई) चले आये। यहाँ अम्बेडकर एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित गवर्न्मेंट हाई स्कूल के पहले अछूत छात्र बने।

उच्च शिक्षा

गायकवाड शासक ने सन 1913 में संयुक्त राज्य अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय मे जाकर अध्ययन के लिये भीमराव आंबेडकर का चयन किया गया साथ ही इसके लिये एक 11.5 डॉलर प्रति मास की छात्रवृत्ति भी प्रदान की। न्यूयॉर्क शहर में आने के बाद, डॉ. भीमराव आंबेडकर को राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातक अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश दे दिया गया। शयनशाला मे कुछ दिन रहने के बाद, वे भारतीय छात्रों द्वारा चलाये जा रहे एक आवास क्लब मे रहने चले गए और उन्होने अपने एक पारसी मित्र नवल भातेना के साथ एक कमरा ले लिया। 1916 में, उन्हे उनके एक शोध के लिए पीएच.डी. से सम्मानित किया गया। इस शोध को अंततः उन्होंने पुस्तक इवोल्युशन ओफ प्रोविन्शिअल फिनान्स इन ब्रिटिश इंडिया के रूप में प्रकाशित किया। हालाँकि उनकी पहला प्रकाशित काम, एक लेख जिसका शीर्षक, भारत में जातिः उनकी प्रणाली, उत्पत्ति और विकास है। अपनी डाक्टरेट की डिग्री लेकर सन 1916 में डॉ? आंबेडकर लंदन चले गये जहाँ उन्होने ग्रेज् इन और लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स में कानून का अध्ययन और अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट शोध की तैयारी के लिये अपना नाम लिखवा लिया। अगले वर्ष छात्रवृत्ति की समाप्ति के चलते मजबूरन उन्हें अपना अध्ययन अस्थायी तौर बीच मे ही छोड़ कर भारत वापस लौटना पड़ा ये प्रथम विश्व युद्ध का काल था। बड़ौदा राज्य के सेना सचिव के रूप में काम करते हुये अपने जीवन मे अचानक फिर से आये भेदभाव से डॉ? भीमराव आंबेडकर निराश हो गये और अपनी नौकरी छोड़ एक निजी ट्यूटर और लेखाकार के रूप में काम करने लगे। यहाँ तक कि अपनी परामर्श व्यवसाय भी आरंभ किया जो उनकी सामाजिक स्थिति के कारण विफल रहा। अपने एक अंग्रेज जानकार मुंबई के पूर्व राज्यपाल लॉर्ड सिडनेम, के कारण उन्हें मुंबई के सिडनेम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनोमिक्स मे राजनीतिक अर्थव्यवस्था के प्रोफेसर के रूप में नौकरी मिल गयी। 1920 में कोल्हापुर के महाराजा, अपने पारसी मित्र के सहयोग और अपनी बचत के कारण वो एक बार फ़िर से इंग्लैंड वापस जाने में सक्षम हो गये। 1923 में उन्होंने अपना शोध प्रोब्लेम्स ऑफ द रुपी (रुपये की समस्यायें) पूरा कर लिया। उन्हें लंदन विश्वविद्यालय द्वारा 'डॉक्टर ऑफ साईंस' की उपाधि प्रदान की गयी। और उनकी कानून का अध्ययन पूरा होने के, साथ ही साथ उन्हें ब्रिटिश बार मे बैरिस्टर के रूप में प्रवेश मिल गया। भारत वापस लौटते हुये डॉ? भीमराव आंबेडकर तीन महीने जर्मनी में रुके, जहाँ उन्होने अपना अर्थशास्त्र का अध्ययन, बॉन विश्वविद्यालय में जारी रखा। उन्हें औपचारिक रूप से 8 जून 1927 को कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा पीएच.डी. प्रदान की गयी।

छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष

भारत सरकार अधिनियम 1919, तैयार कर रही साउथबोरोह समिति के समक्ष, भारत के एक प्रमुख विद्वान के तौर पर अम्बेडकर को गवाही देने के लिये आमंत्रित किया गया। इस सुनवाई के दौरान, अम्बेडकर ने दलितों और अन्य धार्मिक समुदायों के लिये पृथक निर्वाचिका और आरक्षण देने की वकालत की। 1920 में, बंबई से , उन्होंने साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरूआत की। यह प्रकाशन जल्द ही पाठकों मे लोकप्रिय हो गया, तब अम्बेडकर ने इसका इस्तेमाल रूढ़िवादी हिंदू राजनेताओं व जातीय भेदभाव से लड़ने के प्रति भारतीय राजनैतिक समुदाय की अनिच्छा की आलोचना करने के लिये किया। उनके दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान दिये गये भाषण ने कोल्हापुर राज्य के स्थानीय शासक शाहू चतुर्थ को बहुत प्रभावित किया, जिनका अम्बेडकर के साथ भोजन करना रूढ़िवादी समाज मे हलचल मचा गया। अम्बेडकर ने अपनी वकालत अच्छी तरह जमा ली और बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना भी की जिसका उद्देश्य दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये काम करना था। सन् 1926 में, वो बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया। उन्होंने महड में अस्पृश्य समुदाय को भी शहर की पानी की मुख्य टंकी से पानी लेने का अधिकार दिलाने कि लिये सत्याग्रह चलाया।

1 जनवरी 1927 को अम्बेडकर ने द्वितीय आंग्ल – मराठा युद्ध, की कोरेगाँव की लडाई के दौरान मारे गये भारतीय सैनिकों के सम्मान में कोरेगाँव विजय स्मारक मे एक समारोह आयोजित किया। यहाँ महार समुदाय से संबंधित सैनिकों के नाम संगमरमर के एक शिलालेख पर खुदवाये। 1927 में, उन्होंने अपना दूसरी पत्रिका बहिष्कृत भारत शुरू की और उसके बाद रीक्रिश्टेन्ड जनता की। उन्हें बाँबे प्रेसीडेंसी समिति मे सभी यूरोपीय सदस्यों वाले साइमन कमीशन 1928 में काम करने के लिए नियुक्त किया गया। इस आयोग के विरोध मे भारत भर में विरोध प्रदर्शन हुये और जबकि इसकी रिपोर्ट को ज्यादातर भारतीयों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया, डॉ अम्बेडकर ने अलग से भविष्य के संवैधानिक सुधारों के लिये सिफारिशों लिखीं।

धर्म परिवर्तन (बौद्ध धर्म में)

सन् 1950 के दशक में भीमराव अम्बेडकर बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए और बौद्ध भिक्षुओं व विद्वानों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका (तब सीलोन) गये। पुणे के पास एक नया बौद्ध विहार को समर्पित करते हुए, डॉ. अम्बेडकर ने घोषणा की कि वे बौद्ध धर्म पर एक पुस्तक लिख रहे हैं और जैसे ही यह समाप्त होगी वो औपचारिक रूप से बौद्ध धर्म अपना लेंगे। 1954 में अम्बेडकर ने म्यानमार का दो बार दौरा किया; दूसरी बार वो रंगून मे तीसरे विश्व बौद्ध फैलोशिप के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गये। 1955 में उन्होने 'भारतीय बौद्ध महासभा' या 'बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया' की स्थापना की। उन्होंने अपने अंतिम महान ग्रंथ, 'द बुद्ध एंड हिज़ धम्म' को 1956 में पूरा किया। यह उनकी मृत्यु के पश्चात सन 1957 में प्रकाशित हुआ। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने खुद और उनके समर्थकों के लिए एक औपचारिक सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया। डॉ. अम्बेडकर ने श्रीलंका के एक महान बौद्ध भिक्षु महत्थवीर चंद्रमणी से पारंपरिक तरीके से त्रिरत्न ग्रहण और पंचशील को अपनाते हुये बौद्ध धर्म ग्रहण किया। इसके बाद उन्होने एक अनुमान के अनुसार पहले दिन लगभग 5,00,000 समर्थको को बौद्ध धर्म मे परिवर्तित किया। नवयान लेकर अम्बेडकर और उनके समर्थकों ने विषमतावादी हिन्दू धर्म और हिन्दू दर्शन की स्पष्ट निंदा की और उसे त्याग दिया। भीमराव ने दुसरे दिन 15 अक्टूबर को नागपूर में अपने 2,00,000 अनुयायीओं को बौद्ध धम्म की दीक्षा दी, फिर तिसरे दिन 16 अक्टूबर को भीमराव चंद्रपुर गये और वहां भी उन्होंने 3,00,000 समर्थकों को बौद्ध धम्म की दीक्षा दी। इस तरह केवल तीन में भीमराव ने 10 लाख से अधिक लोगों को बौद्ध धर्म में परिवर्तित किया। अम्बेडकर का बौद्ध धर्म परिवर्तन किया। इस घटना से बौद्ध देशों में से अभिनंदन प्राप्त हुए। में इसके बाद वे नेपाल में चौथे विश्व बौद्ध सम्मेलन मे भाग लेने के लिए काठमांडू गये। उन्होंने अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध या कार्ल मार्क्स को 2 दिसंबर 1956 को पूरा किया।

अम्बेडकर ने दीक्षाभूमि, नागपुर, भारत में ऐतिहासिक बौद्ध धर्म में परिवर्तन के अवसर पर,14 अक्टूबर 1956 को अपने अनुयायियों के लिए 22 प्रतिज्ञाएँ निर्धारित कीं जो बौद्ध धर्म का एक सार या दर्शन है।

बाबा साहेब के विचार सदियों तक लोगों को ऊर्जावान बनाए रखेंगे

भारतीय राजनीति व समाज के ऐतिहासिक परिदृश्य में, डॉ. भीमराव अंबेडकर का उदय एक ऐसे जननेता के रूप में हुआ जिसने व्यक्तिगत संघर्ष की बुनियाद पर अपना सारा जीवन समाज की मुख्यधारा से विमुख, जीवन-यापन कर रहे, वंचितों, शोषितों, पीड़ितों व दलितों के हक की लड़ाई में समर्पित कर दिया। समग्र विकास की उनकी यह विचारधारा (दृष्टिकोण) संविधान निर्माण के दौरान भी परिलक्षित हुई; जो समानता व सर्वकल्याण की वैचारिकी पर केंद्रित है। तत्कालीन परिस्थिति में संविधान का निर्माण निश्चय ही एक दुरुह कार्य था। ऐसे मुश्किल वक्त में बाबा साहेब ने बड़े ही धीरज के साथ प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में अपनी बेहतरीन प्रबंधन क्षमता से भावी संविधान का मसौदा तैयार कर विश्व के अनोखे संविधान के निर्माण की ओर हमारा मार्ग प्रशस्त किया। बाबा साहेब अपने आप में एक संस्था हैं। उनका व्यक्तित्व व कृतित्व आज भी देशवासियों को आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देता है। वे एक विद्वान, विधिवेत्ता और अनेक विधाओं के ज्ञाता थे। ऐसी शख्सियत के बारे में संपूर्णतः जानना और समझना भी अपने आप में एक चुनौती है।

बाबा साहेब के अद्वितीय विद्वान बनने से पहले का उनका एक 'दर्दनाक' इतिहास रहा है। उनका जन्म, एक बहुत ही साधारण से परिवार में मध्य प्रदेश के महू में भीमावाई साकपाल और रामजी की 14वीं संतान के रुप में 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। अंबेडकर का संपूर्ण जीवन प्रेरणाओं से भरा हुआ है। उनका जीवन-संघर्ष देशवासियों को आगे बढ़ने में एक उदाहरण के काम करता है। दरअसल, तब ऐसी परिस्थितियां थीं, जब समाज का एक वर्ग दोयम दर्जे के व्यवहार के योग्य समझा जाता था। स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, पेयजल जैसी तमाम बुनियादी सुविधाएं इन सबके पहुंच से दूर थीं। यह सब प्राचीन समय से ही भारतीय समाज में विद्यमान वर्ण व्यवस्था के असमान वर्गीकरण के कारण रही हैं। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य व शुद्र के अलावे भी समाज में कई जातियां रहती थीं, जिसे वर्ण व्यवस्था में स्थान तक नहीं दिया गया था। ऐसी जातियों के लोगों को समाज में 'अछूत' समझा जाता था। ऐसे समूहों का सामाजिक-आर्थिक रूप से शोषण किया जाता था।

अंबेडकर को भी इन कुरीतियों से दो-चार होना पड़ा। हिन्दुओं में प्रचलित वर्ण तथा जाति व्यवस्था में व्याप्त कुरीतियों ने दृढ़ इच्छाशक्ति से संकल्पित भीमराव को संघर्ष के लिए प्रेरित किया। वे स्वयं महार नामक अछूत जाति से संबंध रखते थे। इस कारण, उन्हें उच्च वर्ग के भेदभाव और अन्याय का सामना करना पड़ा। स्वयं, उनके गांव में उनके समुदाय के लोगों को हेय दृष्टि से देखा जाता था। अंबेडकर को विद्यालय में भी सामाजिक भेदभाव व असमानता का सामना करना पड़ा। कक्षा में उसे अन्य बच्चों से अलग बैठाया जाता था। अन्य बच्चे उनसे बात तक नहीं करते थे। यहां तक कि उन पर शिक्षक ध्यान भी नहीं देते थे। बाबा साहेब का प्रारंभिक जीवन अत्यंत कठोर रहा है। सकारात्मक बात यह थी कि वे इन विपरीत परिस्थितियों के समक्ष कभी झुके नहीं।

बाबा साहेब ने उच्च वर्ग की हर चुनौती को स्वीकार किया। वे यह भलीभांति जानते थे कि देश के विकास और कुरीतियों से मुक्ति का एकमात्र रास्ता शिक्षा प्राप्त करना ही है। कई कठिनाइयों के बावजूद अंबेडकर ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। अपनी काबिलियत के बल पर उन्होंने ना सिर्फ देश के उच्च शिक्षण संस्थानों से शिक्षा ग्रहण की, बल्कि विदेशी विश्वविद्यालयों से भी एक शिक्षार्थी के रूप में जुड़े। देश-विदेश के प्रमुख कालेजों से शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत उसने भारतीय समाज-संस्कृति की कुरीतियों के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी। वे दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिये काम करना चाहते थे। सन् 1926 में, वे बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया।

आजादी की प्राप्ति तथा संविधान निर्माण के बाद देश में दलितों तथा अछूत माने जाने वाले समुदाय की स्थिति बहुत हद तक सुधरी है। संविधान में 'अछूत' माने जाने वाली जातियों को परिभाषित कर उन्हें एक विशेष वर्ग- 'अनुसूचित जाति' के रूप में मान्यता प्रदान की गयी है। संविधान की नजर में सभी नागरिक समान हैं। संविधान के अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति, लिंग, जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को अपराध घोषित किया गया है। हिंदू समाज में कलंक के रूप में व्याप्त अस्पृश्यता को अनुच्छेद 17 अंत करता है और सभी रूपों में अस्पृश्यता के व्यवहार को निषिद्ध करता है। वहीं, अनुच्छेद 26 में उपलब्ध अवसरों की समानता की बात कही गयी है। इसी तरह, अनुच्छेद 29 और 30 अल्पसंख्यकों के संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकारों की रक्षा की बात करता है। विशेष बात यह है कि आज सभी देशवासियों को धार्मिक स्वतंत्रता तथा शोषण के विरुद्ध संरक्षण का अधिकार प्राप्त है। इसके अलावा भी, संविधान में अनेक अनुच्छेद व अधिनियमों का प्रावधान कर समाज में उनके अधिकारों की रक्षा हेतु प्रयास किये गये हैं। इसका सुफल यह है कि आज हर क्षेत्र में कमजोर तबके की हिस्सेदारी बढ़ रही है। मंदिर, तालाब तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अब उन्हें जाने की खुली छूट है।

बाबा साहेब, एक ऐसे विभेद-रहित समाज की स्थापना का स्वप्न देखते थे; जहां समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचे और समाज में उनकी सहभागिता स्थापित की जाए। वे स्त्री-शिक्षा के हिमायती थे। उनका कहना था कि एक समुदाय की प्रगति का माप महिलाओं द्वारा हासिल प्रगति की डिग्री से होता है। शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण व्यापक था। उनका विचार था कि 'शिक्षा शेरनी के समान है, जिसका दूध पीकर हर बच्चा दहाड़ने लगता है। अंबेडकर ने अपने चिंतन में किसानों की चिंता की है। बीते वर्ष, इसी तिथि को प्रधानमंत्री ने ई-मंडी की शुरुआत की थी। उद्देश्य यह था कि किसानों को एक वृहत बाजार ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाए, ताकि पैदावार को बाजार तक ले जाने में किसानों की किसी भी तरह की असुविधा ना हो। दुखद यह है कि एक तरफ, देशभर में चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के मौके पर अनेक आयोजन किये जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ जंतर-मंतर पर अपनी बुनियादी मांगों के साथ कुछ किसान पिछले एक माह से प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान केवल 'वोट बैंक' नहीं हैं और ना ही उनके नाम पर कल्याणकारी योजनाओं के वादे, चुनावी घोषणापत्रों की शोभा बढ़ाने के लिए बने हैं; यह बात सियासतदानों को समझनी होगी।अंबेडकर जयंती को, सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरीके से मनाकर, खुद को दलितों का उद्धारक साबित करने के प्रपंची प्रयास वर्षों से करती आयी हैं। दुर्भाग्य यह है कि छोटी-बड़ी क्षेत्रिय पार्टियों से लेकर राष्ट्रीय पार्टियाँ; सभी वोट बैंक की राजनीति के तहत, एक बड़े वर्ग को लुभाने के लिए उनके नाम का गलत इस्तेमाल कर रही हैं। भारतीय राजनीति की यह बड़ी विडंबना है कि यहां जाति व संप्रदाय आधारित राजनीति होती है। किसी भी मुद्दे अथवा विवाद के समाधान पर सामूहिक विचार-विमर्श के स्थान पर, उसे राजनीतिक रंग देकर जाति व धर्म के परंपरागत बंधनों में बांधने की कोशिश हमारे तमाम सियासतदान करते रहे हैं। बाबा साहेब का विचार था 'हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं।' दुर्भाग्य यह है कि आज लोग 'भारत माता की जय' अथवा 'वंदे मातरम' बोलने और ना बोलने को लेकर परेशान हैं। बाबा साहेब आज जीवित होते, तो वे निराश जरूर होते। जिस, भारत को संवारने के लिए असंख्य क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी, वहां लोग देश की एकता और अखंडता को तोड़ने पर आमदा नजर आते हैं।आज बाबा साहेब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार व दर्शन सदियों तक लोगों को ऊर्जावान बनाए रखेंगे। जरूरी यह है कि अंबेडकर के विचार व दर्शन से युवा पीढ़ी को परिचित कराया जाए। अंबेडकर भारत रत्न हैं। वे देश के नेता हैं। उन्हें बांटा न जाये और न ही किसी सीमा में बांधा जाए। वे कल भी प्रासंगिक थे, आज भी हैं और सदैव रहेंगे।

शटलर सुकांत कदम ने स्पेनिश पैरा बैडमिंटन 2024 में दमदार प्रदर्शन के लिए कमर कस ली

एजेंसी

मैड्रिड। पेरिस पैरालिंपिक से एक महीने की दूरी के साथ, शीर्ष शटलर सुकांत कदम आगामी स्पेनिश पैरा-बैडमिंटन 2024 में एक मजबूत प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। शटलर के पास इस टूर्नामेंट के बाद एक और लेवल 1 स्पैनिश इंटरनेशनल के साथ अप्रैल में व्यस्तता है। कदम ने कहा कि वह अपने विरोधियों के खिलाफ खेलते समय कोई गलती न करने के लिए अपनी कमियों पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

सुकांत कदम ने एक अधिकारी से कहा, मैं कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हूं और अपनी कमियों पर काम कर रहा हूं। मेरा मकसद उन गलतियों को नहीं दोहराना है जो मैंने पहले टूर्नामेंट में की थीं। मैंने अपने कोच के साथ काम किया है और मुझे उम्मीद है कि मैं उन्हें लागू करने में सक्षम हूं। कथन। कदम ने कहा कि वह पेरिस पैरालिंपिक की तैयारी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं और हर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, पेरिस पैरालंपिक सीडिंग के लिए ये महत्वपूर्ण टूर्नामेंट होंगे और मैं कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता और पेरिस से पहले होने वाले हर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं। स्पैनिश लेवल 2 टूर्नामेंट 15 अप्रैल को विटोरिया में शुरू होगा, इसके बाद लेवल 1 टूर्नामेंट 23 अप्रैल से टोलेडो में शुरू होगा। सुकांत कदम एसएल4 वर्ग में खेलेंगे।

साथियान और मनिका नहीं हासिल कर पाये ओलंपिक कोटा

एजेंसी

चेकिया। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान गणानाशेखरन और मनिका बत्रा को विश्व मिश्रित युगल के क्वार्टरफाइनल में मलेशियाई जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा और वह ओलंपिक का कोटा हासिल करने में विफल रहे। आज यहां हुये मुकाबले में भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान और मनिका की जोड़ी को मलेशिया के जेवेन चूंग और केरेन लिन के खिलाफ 4-1 (11-9, 11-9, 11-9, 7-11,11-8) से हार मिली।

ईएफआई ने राष्ट्रीय टेंट पेगिंग टीम चुनी, विश्व कप की तैयारी शुरू की

एजेंसी

नई दिल्ली। 2022 में दक्षिण अफ्रीका में टेंट पेगिंग में भारत के ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के साथ, भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने राष्ट्रीय टीम का चयन करके आगामी टेंट पेगिंग विश्व कप की तैयारी शुरू कर दी है जो इसमें देश का प्रतिनिधित्व करेगी। मेगा इवेंट के लिए क्वालीफायर। ईएफआई ने गुरुवार को घोषणा की कि 61वीं कैवलरी रेजिमेंट के बोंगे गणेश ने चार अन्य सवारों के साथ राष्ट्रीय टेंट पेगिंग टीम में शामिल होने के लिए चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया। गणेश ने धैर्य, कौशल और फोकस के जबरदस्त प्रदर्शन में 216 में से 212 अंक बनाए और उसके बाद गणेश वारखड़े (205.5) थे, जो ट्रायल में 200 से अधिक स्कोर के साथ वापसी करने वाले एकमात्र अन्य राइडर थे। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन सुरेंद्र (197) और अभिषेक (196.5) ने क्रमशः तौसरा और चौथा स्थान हासिल किया। मोहम्मद रफीक, जो 185.5 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहे, को रिजर्व सदस्य के रूप में चुना गया। ईएफआई ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह पांच सदस्यीय टीम आगामी सभी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी, पहला कज़ान, रूस में 18-21 जून तक एक दोस्ताना कार्यक्रम होगा।

सुकांत कदम स्पेनिश पैरा बैडमिंटन 2024 में दमदार प्रदर्शन के लिए 'कोई कसर नहीं छोड़ रहे'

नई दिल्ली। जैसे ही 2024 पैरालिंपिक की उलटी गिनती शुरू हो रही है, शीर्ष शटलर सुकांत कदम आगामी स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इवेंट में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, एक टूर्नामेंट जो पेरिस पैरालिंपिक के लिए वरीयता को प्रभावित करता है।लेवल 2 टूर्नामेंट के बाद लेवल 1 स्पैनिश इंटरनेशनल के साथ शटलर का अप्रैल व्यस्त रहेगा।स्पैनिश लेवल 2 टूर्नामेंट 15 अप्रैल से विटोरिया में शुरू होने वाला है, इसके बाद लेवल 1 टूर्नामेंट 23 अप्रैल से टोलेडो में शुरू होगा।सुकांत एसएल4 वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। मैं कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हूं और अपनी कमियों पर काम कर रहा हूं, मेरा मकसद उन गलतियों को नहीं दोहराना है जो मैंने पिछले टूर्नामेंटों में की थीं। मैंने अपने कोच के साथ काम किया और मुझे उम्मीद है कि मैं उन्हें लागू करने में सक्षम हूं, सुकांत ने कहा।उन्होंने कहा, पेरिस पैरालंपिक सीडिंग के लिए ये महत्वपूर्ण टूर्नामेंट होंगे और मैं कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता और पेरिस तक होने वाले हर टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं।

पेरिस ओलंपिक : मैरी कॉम ने भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। बॉक्सिंग लीजेंड और 2012 ओलंपिक खेलों की कांस्य पदक विजेता एमसी मैरी कॉम ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन पद से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने घोषणा की कि मैरी कॉम ने उन्हें संबोधित एक पत्र में अपने पद से मुक्त होने के लिए कहा था।

आईओए अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में, मैरी कॉम ने कहा कि वह पेरिस 2024 में शेफ डी मिशन के रूप में सेवा करने के लिए उन पर विश्वास जताने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ की आभारी हैं। उन्होंने लिखा, मैं हर संभव तरीके से अपने देश की सेवा करना सम्मान की बात मानती हूं और मैं इसके लिए मानसिक रूप से तैयार थी। हालांकि,

मुझे अफसोस है कि मैं इस प्रतिष्ठित जिम्मेदारी को निभाने में सक्षम नहीं हो पाऊंगी और व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा देना चाहूंगी। एक प्रतिबद्धता से पीछे हटना शर्मनाक है, जो मैं शायद ही कभी करती हूं, लेकिन मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचा है।

आईओए प्रमुख ने एक बयान में कहा, हमें दुख है कि ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज और आईओए एथलीट आयोग की अध्यक्ष मैरी कॉम ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया है। हम उनके फैसले और उनकी गोपनीयता का सम्मान करते हैं। मैं उचित परामर्श करूंगी और जल्द ही मैरी के प्रतिस्थापन के बारे में घोषणा करूंगी

उन्होंने कहा, मैं उनके अनुरोध को पूरी तरह से समझती हूं और उनके फैसले का सम्मान करती हूं। मैंने उन्हें यह भी बताया है कि उन्हें हमेशा मेरा और आईओए का समर्थन मिलेगा। मैं सभी से उनकी गोपनीयता का सम्मान करने का भी अनुरोध करती हूं। 41 वर्षीय मुक्केबाज ने ओलंपिक खेलों (2016 रियो और 2020) के दो संस्करणों में देश का प्रतिनिधित्व किया है, लंदन में 2012 खेलों में कांस्य जीता लेकिन टोक्यो में पदक से चूक गई।पेरिस ओलंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक फ्रांस की राजधानी में होना है।

आरसी प्रो सीरीज स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में हारीं आकांक्षा सालुंखे

एजेंसी

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आकांक्षा सालुंखे अमेरिका के सेंट लुइस में चल रहे पीएसए चैलेंजर टूर इवेंट आरसी प्रो सीरीज स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। 15,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले आरसी प्रो सीरीज स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में आकांक्षा को मिस्र की जना सफी से 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय खेलों की मौजूदा स्क्वैश चैंपियन आकांक्षा शुरूआती और तीसरा गेम जीतने के बाद करीबी मुकाबले में 11-8, 3-11, 11-9, 5-11, 3-11 से हार गईं। आकांक्षा को शुरुआती दौर में बाई मिली थी। उन्होंने दूसरे दौर में नॉर्वे की मेडेलीन हाइलैंड को 3-2 (13-15, 11-6, 9-11, 11-5, 11-6) से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी।

वनडे के दौरान अपशब्द कहने पर दक्षिण अफ्रीका के कैप को फटकार, एक सप्ताह में आईसीसी संहिता का दूसरा उल्लंघन

एजेंसी

लंदन। मंगलवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी महिला चैम्पियनशिप श्रृंखला के पहले वनडे के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के बाद दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी मारिजैन कैप को आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में बताया कि कप्प को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'एक अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान श्रव्य अश्लीलता के उपयोग' से संबंधित है। इसके अलावा, कप्प के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक अवगुण अंक जोड़ा गया है, जिनके लिए यह 24 महीनों में दूसरा अपराध था, जिससे उनके कुल अवगुण अंक दो हो गए हैं। कप्प

को अपना पहला डिमेरिट अंक 5 अप्रैल को श्रीलंका के खिलाफ तीसरे महिला टी20ढ्ढ में मिला। मंगलवार की घटना दक्षिण अफ्रीका की पारी के 44वें ओवर में हुई, जब कप्प ने उनके आउट होने के बाद अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया। आईसीसी की विज्ञप्ति में कहा गया है कि कप्प ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के शैंड्रे फिट्ज द्वारा प्रस्तावित मंजूरी को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर करेन क्लासे और जैकलीन विलियम्स, तीसरे अंपायर लॉरेन एजेनबैग और चौथे अंपायर थॉमस मोकोरोसी ने आरोप लगाया। लेवल 1 के उल्लंघनों में न्यूनतम जुर्माना आधिकारिक फटकार, अधिकतम जुर्माना खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो अवगुण अंक होते हैं।

बिली जीन किंग कपज़भारत ने दक्षिण कोरिया पर 2-1 से महत्वपूर्ण जीत दर्ज की

एजेंसी

चांग्शा । भारतीय महिला टेनिस टीम ने चांग्शा के मून आइलैंड क्ले पार्क में बिली जीन किंग कप 2024 एशिया/ओशिनिया ग्रुप ढ्ढ मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराया।रुतुजा भोसले ने एकल मैच जीता, जबकि अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे ने युगल मुकाबला जीता। दुनिया में 379वें नंबर के खिलाड़ी भोसले ने दुनिया के 301वें नंबर के सोह्युन पार्क पर एक घंटे और पांच मिनट में 6-2, 6-2 से आसान जीत दर्ज की। भोसले ने पहले सेट में लगातार पांच गेम जीतकर शुरुआत में ही अपना दबदबा कायम कर लिया। दुनिया की 255वें नंबर की खिलाड़ी अंकिता रैना अगले स्थान पर थीं, लेकिन वह दुनिया की 241वें नंबर की सुजेओंग जांग से आगे नहीं बढ़ सकीं। रैना यह मैच एक घंटे तीस मिनट में 2-6, 3-6 से हार गए। रैना ने प्रार्थना थोम्बारे के साथ मिलकर डेबिन किम

और सोह्युन पार्क के खिलाफ युगल मैच एक घंटे 33 मिनट में 6-4, 6-4 से जीत लिया। दक्षिण कोरिया पर भारत की 2-1 से जीत एशिया/ओशिनिया ग्रुप ढ्ढ में उसकी तीसरी जीत थी। टीम ने अपने उद्घाटन में प्रशांत ओशिनिया को 3-0 से हराया और गुरुवार को चीनी ताइपे को 2-1 से हराया। भारत को एकमात्र झटका टेबल टॉपर चीन के खिलाफ लगा जब वे 3-0 से हार गए। भारत फिलहाल पूल ए में तीन जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर है। प्लेऑफ़ के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए, भारत को छह टीमों के समूह में शीर्ष दो में रहना होगा, जबकि निचले दो में रहने पर अगले सीज़न के लिए समूह II में खिसक जाना होगा।

'खराब खेल खेला, हम हार के ही हकदार थे': यूईएल की हार पर लिवरपूल के कोच क्लॉप की दो टूक राय

एजेंसी

नई दिल्ली। लिवरपूल के मुख्य कोच जुर्गन क्लॉप का मानना ??है कि रेड्स लिवरपूल के एनफील्ड स्टेडियम में अटलांता के खिलाफ यूईएफए यूरोपा लीग के पहले चरण में हारने के लायक थे। अटलांता के शानदार प्रदर्शन के बाद लिवरपूल अपने किले को देखकर स्तब्ध रह गया। जियान पिएरो गैस्पेरिनी की टीम ने तीन बार गोल करके पहले चरण में 3-0 से जीत हासिल की।

जियानलुका स्कैमाका ने दो गोल किए जबकि मारियो पासालिक ने 83वें मिनट में गोल करके मेहमान टीम की व्यापक जीत सुनिश्चित की। खेल में लिवरपूल के पास कुछ पल थे लेकिन वह उनका फायदा उठाने में असफल रहा जिससे अटलंता को नियंत्रण रखने का मौका मिला।

'यह वास्तव में एक बुरा खेल था, हे भगवान। हमने वास्तव में अच्छी शुरुआत की लेकिन जारी नहीं रख सके। इससे पहले कि वे स्कोर करते, हम बस प्लॉट खो बैठे। हम हर जगह थे और कहीं नहीं थे। मिडफ़ील्ड इस तरह फैला हुआ था, दायां मिडफ़ील्ड और बायां मिडफ़ील्ड, मैं इसे थोड़ा सा भी नहीं पहचाना। यह वास्तव में अजीब था। फुटबॉल के संदर्भ में, यह सामरिक अनुशासन है। लेकिन हमें डार्विन [नुनेज़] से एक बड़ा मौका मिला और हार्वे [इलियट] के साथ हम दुर्भाग्यशाली रहे और फिर उन्होंने एक गोल किया और हम खेलते रहे। उनके हाथों में, क्लॉप ने हवाले से कहा।पूरे खेल के दौरान, लिवरपूल ने विभिन्न अवसरों पर अपना आकार खो दिया। तीनों गोलों के दौरान, मेजबान टीम ने अपनी रक्षात्मक स्थिति खो दी, जिससे अटलंता के खिलाड़ियों को लिवरपूल के खिलाड़ियों को आसानी से पार करने में मदद मिली।

मोंटे कार्लो मास्टर्स: जननिक सिनर ने होल्गर रूण को बाहर किया

एजेंसी

मोंटे कार्लो । जेनिक सिनर की दृढ़ता का फल उन्हें मिला और उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में होल्गर रून को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपना धैर्य बनाए रखा। दूसरी वरीयता प्राप्त इटालियन रूण के खिलाफ 6-4, 6-7(6), 6-3 की जीत के साथ एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में लगातार दूसरे सेमीफाइनल में पहुंच गया।

÷(इस मैच को जीतने के लिए) बहुत कुछ करना पड़ा। उनके खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता, खासकर इस तरह के मौके पर, इसलिए मैं बहुत खुश हूं कि मैंने आज जीत हासिल की, लेकिन ज्यादातर अपने स्तर के बारे में। मैंने इसे आज थोड़ा ऊपर उठाया है।÷ यह अधिक शारीरिक था, आज अधिक रैलियाँ थीं। मेरी सामान्य भावनाएँ बेहतर थीं, इसलिए मैं कल के मैच को लेकर बहुत उत्साहित हूँ,÷ सिनर ने मैच के बाद अपने साक्षात्कार में एटीपी के हवाले से कहा। रूण अद्भुत उत्साह के साथ कोर्ट पर आए और सिनर के खिलाफ पहले कुछ

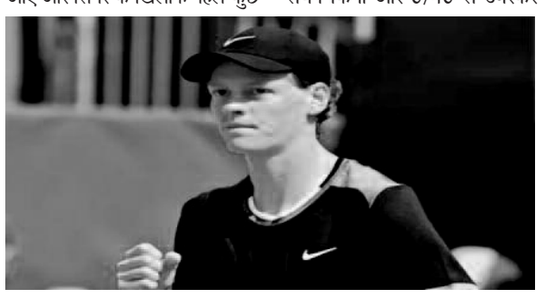

मैचों में वह उत्साहित नजर आए। वह उग्र इटालियन को वश में करने के लिए अपर्याप्त था। रूण ने मैच के चौथे गेम में एक ब्रेक प्वाइंट गंवा दिया, जो महंगा साबित हुआ क्योंकि सिनर ने अगले गेम में पहले सेट का एकमात्र ब्रेक हासिल किया। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, सिनर ने अपनी डिलीवरी के पीछे डायल किया और पहले सेट के रूट पर केवल छह गेम गंवाए। रूण ने कोर्ट रेनियर III पर कड़ा संघर्ष किया और 0/40 से उबरकर 3-2 और फिर दूसरे सेट में 6-5 से बढ़त बनाई। उन अवसरों को चूकने के बावजूद, सिनर सीधे सेटों में जीत की राह पर दिख रहे थे क्योंकि उन्होंने टाई-ब्रेक में 6/4 की बढ़त बना ली थी, लेकिन रूण ने एक उल्लेखनीय विजेता बनाकर चार अंकों की बढ़त बना ली, जिससे वह पिछड़ गए। दूसरा सेट.

'उन दोनों ने हमारे हाथ से...' हार के बाद राहुल ने बताया कहां हुई गलती, कुलदीप के लिए कही बड़ी बात

नई दिल्ली । आईपीएल में पहली बार हुआ है कि जब लखनऊ सुपर जायंट्स 160 रन के ऊपर का स्कोर बचा नहीं पाई। इससे पहले आईपीएल इतिहास में सभी 13 मैच में जो उन्होंने 160 रन या उससे ऊपर बनाए उसमें जीत दर्ज की थी। हार के बाद कप्तान केएल राहुल ने निराशा जताई। आईपीएल 2024 के 26वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स की भिड़ंत दिल्ली कैपिटल्स के साथ हुई। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 167 रन बनाए। वहीं, दिल्ली ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच के बाद केएल राहुल ने कहा, हमने बल्लेबाजी में 15-20 रन कम बनाए। हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन बाद में बिखर गए। यहां पर 180 रन तक बनाने थे।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई प्रमुख पर साधा निशाना, कहा- मुझे डोपिंग में फंसाने की साजिश हो सकती है

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) प्रमुख संजय सिंह पर उन्हें आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने से रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया। फोगाट ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह और उनके सहयोगी भारत की कुश्ती संस्था के प्रमुख संजय सिंह के खिलाफ बदलाव की मांग की और कहा कि वे मैच के दौरान उनके पानी में कुछ मिलाकर उन्हें पिला सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके निजी कोच और फिजियोथेरेपिस्ट को 19 अप्रैल से शुरू होने वाले एशियाई ओलंपिक योग्यता कार्यक्रम के लिए मान्यता देने से वंचित कर दिया गया था। फोगाट ने एक्स पर पोस्ट किया, एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट 19 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। पिछले एक महीने से, मैं अपने कोच और फिजियो की मान्यता के लिए भारत सरकार (साई, टॉप्स) से अनुरोध कर रही हूं। मान्यता के बिना, मेरे कोच और फिजियो मेरे साथ प्रतियोगिता मैदान में नहीं जा सकेंगे। लेकिन बार-बार अनुरोध करने के बावजूद भी मुझे कहीं से कोई ठोस जवाब नहीं मिल रहा है। क्या खिलाड़ियों के भविष्य के साथ हमेशा इसी तरह खिलवाड़ किया जाएगा? दिग्गज पहलवान ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें डोपिंग में फंसाने की साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा, हमें मानसिक रूप से परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। बृज भूषण और संजय सिंह मुझे ओलंपिक में खेलने से रोकने के लिए हर तरह से कोशिश कर रहे हैं। टीम के साथ नियुक्त किए गए सभी कोच बृज भूषण और उनकी टीम के पसंदीदा हैं, इसलिए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि वे मेरे पानी में कुछ मिलाकर मुझे मैच के दौरान पिला दें? अगर मैं कहूं कि मुझे डोपिंग में फंसाने की साजिश हो सकती है, तो यह गलत नहीं होगा। हमें मानसिक रूप से परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। फोगाट ने पूछा कि क्या उन्हें दंडित किया जा रहा है क्योंकि उन्होंने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने कहा, इतनी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता से पहले हमें इस तरह प्रताड़ित करना कहां तक उचित है? क्या देश के लिए खेलने जाने से पहले हमें राजनीति का सामना करना पड़ेगा क्योंकि हमने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई थी? क्या यह हमारे देश में गलत के खिलाफ आवाज उठाने की सजा है। मुझे उम्मीद है कि देश के लिए खेलने जाने से पहले हमें न्याय मिलेगा। जय हिंद। भारतीय विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पहलवान फोगाट, जिन्होंने हाल ही में पटियाला में महिलाओं के 50 किलोग्राम ट्रायल में जीत हासिल की, एशियाई चैंपियनशिप और ओलंपिक क्वालीफायर के लिए किर्गिस्तान जाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज के चौथे मैच में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 3-1 से हराया

एजेंसी

पर्थ । भारतीय पुरुष हॉकी टीम यहां पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के अपने चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-3 से हार गई। भारत के लिए एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह (12फीसदी) ने किया। वहीं, जेरेमी हेवर्ड (19फीसदी, 47फीसदी) और जैक वेल्च (54फीसदी) ने गोल करके ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत आक्रामक रुख के साथ की। शुरुआती मिनट में, मनदीप सिंह ने एक शक्तिशाली शॉट लगाया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर एंड्रयू चार्टर ने बचा लिया। हालाँकि, मेजबान टीम ने भी पलटवार किया, और उसे लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिन्हें वे भुना नहीं सके। पहला क्वार्टर समाप्त होने से ठीक पहले, हरमनप्रीत सिंह (12%) ने गोल कर

भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। खेल में वापसी करने के उद्देश्य से, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में पूरी ताकत झोंक दी और दो त्वरित पेनल्टी कॉर्नर भी जीते, और वे दूसरे का फायदा उठाने में सफल रहे, जब जेरेमी हेवर्ड (19%) ने कुशलतापूर्वक गेंद को गोल पोस्ट में डालकर ऑस्ट्रेलिया को 1-1 की बराबरी दिला दी।

हाफटाइम तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत आक्रामक रुख के साथ की और शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया जो दुर्भाग्य से गोल में तब्दील नहीं हो सका। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया ने बॉल रिटेंशन को प्राथमिकता दी और भारत की रक्षापंक्ति को भेदने के लिए त्वरित पास का उपयोग किया। मेजबान टीम पर दबाव बनाए रखने के लिए भारत द्वारा जवाबी हमला करने की रणनीति अपनाने के बावजूद, कोई भी टीम तीसरे क्वार्टर में गतिरोध तोड़ने में कामयाब नहीं रही। अंतिम और चौथे क्वार्टर की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया द्वारा तेजी से सर्कल में प्रवेश करने और लगातार पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करने के साथ हुई। जेरेमी हेवर्ड ने एक बार फिर अपनी ताकत का प्रदर्शन करते 47वें मिनट में एक गोल किया और अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई।

कुछ ऐसा जिसे हम हमेशा याद रखेंगे: पीएम मोदी से मुलाकात पर भारतीय गेमर्स

नई दिल्ली। भारतीय गेमर्स अनिमेष अग्रवाल, नमन माथुर और पायल धरे ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद किया और कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें पीएम मोदी से मिलने का अवसर मिलेगा, उन्होंने कहा कि वे इसे हमेशा याद रखेंगे। ये सुनहरा पल.

प्रधान मंत्री ने देश में गेमिंग उद्योग की भविष्य की संभावनाओं सहित कई पहलुओं पर कुछ प्रसिद्ध भारतीय गेमर्स के साथ फ्री-व्हीलिंग बातचीत की। बातचीत का एक प्रमोशनल टीज़र गुरुवार को जारी किया गया। टीजर में पीएम मोदी उत्सुकतावश गेमर्स से तरह-तरह के सवाल पूछते नजर आए। साथ ही उन्हें कुछ गेम्स में भी हाथ आजमाते देखा जा सकता है.

पीएम मोदी के साथ अपनी बातचीत के बारे में बताते हुए गेम्स ने कहा कि पीएम के साथ मुलाकात एक प्यारा अनुभव थी और कहा कि प्रधानमंत्री की ऊर्जा और आभा बेजोड़ थी। एएनआई के साथ एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू के दौरान अग्रवाल ने कहा, यह एक प्यारा अनुभव था। ईमानदारी से कहूं तो, हमने उम्मीद नहीं की थी कि हमें कभी पीएम से मिलने का मौका मिलेगा।÷

अग्रवाल ने कहा कि बातचीत से पहले वे घबराए हुए थे लेकिन पीएम मोदी की आभा और व्यक्तित्व ने कमरे का माहौल पूरी तरह से बदल दिया। अग्रवाल ने यह भी कहा कि वह इस सुनहरे पल को हमेशा याद रखेंगे और एक दिन इसे अपने पोते-पोतियों के साथ साझा करेंगे।

जैसे ही वह कमरे में आया, उसकी आभा और व्यक्तित्व ने कमरे के माहौल को पूरी तरह से बदल दिया। लेकिन कुछ ही समय में हम उसके साथ सहज हो गए। वह यह जानने के लिए बहुत उत्सुक था कि हम कैसे गेमिंग करते हैं और हमारी पृष्ठभूमि के बारे में। यह कुछ ऐसा है जो मैं इसे हमेशा याद रखूंगा और अपने पोते-पोतियों के साथ साझा करूंगा।

इस बीच, माथुर ने कहा कि यह खबर पूरी तरह से आश्चर्यचकित करने वाली थी जब उन्हें अल्प सूचना पर पीएम से मिलने के लिए फोन आया। ÷यह एक अद्भुत अनुभव था। हमें इसके बारे में इतने कम समय में पता चला। हमें विश्वास नहीं हो रहा था कि हमें ऐसा अवसर मिला है। उन्होंने हमारे साथ दो घंटे से अधिक समय बिताया। उनकी ऊर्जा, आभा और रुचि अद्भुत थी। ..जिस तरह से उन्होंने हमें अपने आसपास सहज महसूस कराया वह पागलपन भरा था, नमन माथुर ने कहा।

पायल, जो टीम में एकमात्र महिला प्रतिभागी हैं, ने बताया कि बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने चुटकुले भी सुनाए और ऐसा लगा कि वे प्रधानमंत्री को लंबे समय से जानते हैं। शुरुआत में मैं बहुत घबराया हुआ था...लेकिन जैसे-जैसे हमने बातचीत करना शुरू किया, माहौल बदलने लगा। जब वह बात करते हैं, तो बहुत सारे चुटकुले सुनाते हैं। कुछ ऐसे क्षण थे जब हम उन्हें कुछ गेमिंग शब्द बता रहे थे। हमें ऐसा लगा जैसे उन्होंने पायल धरे ने एएनआई को बताया, प्रधानमंत्री को लंबे समय से जानती हूं और उनसे पहले भी मिल चुकी हूं...यह एक मजेदार बातचीत थी। इस बीच, पूरा वीडियो 13 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे प्रधानमंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया और वीडियो-शेयरिंग चैनलों पर प्रीमियर होने वाला है। इस बातचीत में अनिमेष अग्रवाल, नमन माथुर, मिथिलेश पाटणकर, पायल धरे, तीर्थ मेहता, गणेश गंगाधर और अंशू बिष्ट सहित प्रसिद्ध भारतीय गेमर्स शामिल थे।

भारत में गेमिंग उद्योग 2019 में चरम पर था और तब से, भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित विभिन्न गेम सामने आए हैं, और सरकार रचनात्मकता को पहचान रही है। जबकि देश का ईस्पोर्ट्स परिदृश्य मोबाइल-प्रधान है, यह पीसी शीर्षक लीग ऑफ लीजेंड्स है जो देश को गौरवान्वित कर रहा है। भारत में गेम का कोई आधिकारिक सर्वर नहीं होने के बावजूद, गेम के प्रतिभाशाली एथलीटों के दृढ़ संकल्प और जुनून ने उन्हें हांग्जो में 19वें एशियाई खेलों के लिए प्रभावशाली ढंग से क्वालीफाई करने के लिए अपने कौशल का उपयोग किया।

प्रियंका चोपड़ा

का हॉलीवुड ड्रीम बना बॉलीवुड के लिए खतरा! सलमान-फरहान और दिलजीत बन चुके हैं शिकार

बॉलीवुड में देसी गर्ल बनकर खूब नाम कमाया, अब हॉलीवुड में भी अपनी अदाकारी का दम दिखा रही हैं. अब तक तो आप समझ ही गए होंगे कि प्रियंका चोपड़ा की बात हो रही है. प्रियंका अब ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं. हॉलीवुड में बड़े-बड़े सितारों की फिल्मों में पीसी को बेहतरीन रोल्स भी ऑफर हो रहे हैं. आलम ये है कि पिछले कुछ सालों से प्रियंका चोपड़ा अपने हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के चलते इस कदर बिजी हैं कि उनके पास हिंदी फिल्मों के लिए वक्त ही कम पड़ गया है.प्रियंका चोपड़ा अब हिंदी फिल्मों में एक तो दिलचस्पी भी कम दिखाती हैं. दूसरा जो उन्हें अपनी फिल्म के लिए साइन कर रहा है, उसे सालों तक इंतजार करना पड़ रहा है. हॉलीवुड में अपना करियर सेट करने के लिए पीसी ने कई बड़ी-बड़ी फिल्में और बड़े-बड़े स्टार्स को काफी निराश किया है. इस लिस्ट में सलमान खान से लेकर फरहान खान तक का नाम शामिल है. इसके अलावा वक्त की कमी और एक्ट्रेस के दिसचस्पी न दिखाने के चलते एक फिल्म तो बंद ही हो गई.

सलमान खान की फिल्म भारत छोड़ी

सलमान खान ने अपनी फिल्म भारत के लिए पहले प्रियंका चोपड़ा को कास्ट किया था. प्रियंका चोपड़ा ने इस फिल्म के लिए दो दिन की शूटिंग तक कर ली थी. लेकिन उन्होंने अचानक ही सलमान की फिल्म छोड़कर सभी को हैरान कर दिया. फिल्म के डायरेक्टर अली अब्बास जफर ने खुद ट्वीट करते हुए इस बात का ऐलान किया था कि अब पीसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं है. वह निक के साथ ज्यादा वक्त बिताना चाहती हैं. बताया गया था कि निक के साथ सगाई के चलते उन्होंने इस फिल्म को छोड़ा था. जिसके बाद खबरें आईं थी कि सलमान और मेकर्स उनसे काफी नाराज हो गए थे.

लटकी हुई है फरहान खान की फिल्म

फरहान अख्तर ने जब से फिल्म जी ले जरा का ऐलान किया है, तब से लेकर आज तक इस फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हो पाई है. फरहान ने अपनी इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, कटरीना कैफ और आलिया भट्ट को साइन किया है. इस फिल्म को लेकर नई-नई खबर सामने आती रहती है. कई रिपोर्ट में दावा किया जाता है कि प्रियंका चोपड़ा के पास डेट्स की कमी होने के चलते वह इस पर काम नहीं कर पा रही हैं. वहीं कुछ लोगों का कहना है कि हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स को प्रायोरिटी पर रखते हुए पीसी हिंदी फिल्मों पर ध्यान नहीं दे रही हैं. इसके अलावा कई रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि फरहान को फिल्म के लिए अच्छे मेल एक्टर्स नहीं मिल रहे हैं.

प्रियंका की वजह से बंद हुई दिलजीत की फिल्म

प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने हाल ही में खुलासा किया है कि वह पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को बॉलीवुड में ब्रेक देने के लिए एक फिल्म बना रहे थे. इस फिल्म का नाम सरदारनी था. जिसमें वह दिलजीत के साथ प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करना चाहते थे. पीसी ने पहले तो फिल्म के लिए हामी भी भर दी थी. लेकिन एक्ट्रेस का फंडा क्लियर था.

पैसे कमाने के लिए बेचती थीं टूथपेस्ट के डिब्बे...टीवी की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस ने बताई अपने स्ट्रगल की कहानी

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी जल्द ही सोनी लिव की वेब सीरीज 'अदृश्यम- द इनविजिबल हीरोज' में नजर आने वाली हैं. इस सीरीज में दिव्यांका के साथ 'जवान' फेम एक्टर एजाज खान को भी कास्ट किया गया है. 'ये हैं मोहब्बतें' से लेकर 'खतरों के खिलाड़ी' तक कई शो की टीआरपी बढ़ाने वाली दिव्यांका फिलहाल टीवी की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस में से एक हैं. हालांकि बिना कोई गॉडफादर इंडस्ट्री में खुद की पहचान बनाने वाली इस भोपाल की बेटी के लिए ये सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था.अपने स्ट्रगल के बारे में बातचीत करते हुए एक मीडिया पोर्टल को दिए इंटरव्यू में दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, यहां तक पहुंचने के लिए मैंने बहुत मेहनत की है. लेकिन इस पूरे सफर में मैंने सिर्फ यही याद रखा था कि आपको आपकी उम्मीद जिंदा रखनी है. और हमेशा कोशिश करते रहना है. मेरी जिंदगी में एक समय ऐसा भी आया था कि मुझे खुद को जिंदा रखने के लिए काम करना था. मेरी ये कोशिश रहती थी कि मुझे कम से कम इतना काम तो मिले कि उससे मेरी 2000 से 5000 रुपये तक की कमाई हो. क्योंकि उन पैसों से मैं अपना राशन खरीद पाऊं. और मेरे बिल का भुगतान हो जाए.

पैसे कमाने का खोज लिए था नायाब तरीका

पैसे कमाने के नए-नए तरीके खोजने के बारे में बात करते हुए दिव्यांका बोलीं कि मैं टूथपेस्ट के डिब्बे भी इकट्ठा करती थी, उनका एक रुपया आता था, मैं इन डिब्बों को इकट्ठा करके रख देती थी ताकि जब भी जरूरत महसूस हो तब मैं उन्हें स्क्रैप में उनसे पैसे कमा पाऊं. जब मैंने 'बनूं मैं तेरी दुल्हन' साइन किया तब मेरे घर में पैसे बचने लगे. आपको बता दें, 'इशिमां' बनकर सब का दिल जीतने वाली दिव्यांका ने रियलिटी टैलेंट हंट शो 'सिनेस्टार की खोज' से अपने करियर की शुरुआत की थी.

अयोध्या जा रहे 'अटल' सीरियल के एक्टर को फ्लाइट में परोस दिया नॉन-वेज खाना, हुई जमकर बहस

फ्लाइट अटेंडेंट और यात्रियों के बीच होने वाली बहस कोई नई बात नहीं है. हाल ही में जमीन से हजारों फीट ऊपर होने वाले इन झगड़ों के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं. इन वीडियोज को देखते हुए कई बार ये भी तय किया गया है कि फ्लाइट अटेंडेंट ज्यादातर समय सही होते हैं. लेकिन हाल ही में अयोध्या धाम जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट अटेंडेंट ने पूरी जिंदगी वेज खाने वाले एक एक्टर को नॉन-वेज खाना परोस दिया. इस बात को लेकर एक्टर की टीम और फ्लाइट अटेंडेंट के बीच खूब बहस भी हुई.दरअसल एंड टीवी की टीम अपने मशहूर टीवी सीरियल 'अटल' के एक्टर्स के साथ रामलला के दर्शन करने अयोध्या की यात्रा पर निकली थी. इस प्रमोशन एक्टिविटी में एक्टर आशुतोष कुलकर्णी और नेहा जोशी के साथ एंड टीवी की पीआर टीम और कुछ मीडियाकर्मी भी शामिल हुए थे. सभी के लिए चैनल की टीम की तरफ से वेज कॉर्पोरेट मील की बुकिंग की गई थी. और आमतौर पर इस तरह की यात्रा में पीआर टीम की तरफ से वेज मील ही बुक किया जाता है. फ्लाइट के हवा में उड़ान भरने के कुछ समय बाद अटेंडेंट की तरफ से यात्रियों को खाना परोसना शुरू किया गया.

वेज के बदले परोसा गया नॉन-वेज

अक्सर यात्रियों को खाना परोसते हुए फ्लाइट अटेंडेंट की तरफ से पूछा जाता है कि वो वेज या नॉन-वेज में से क्या खाना चाहेंगे? या फिर मील का बॉक्स हाथ में देकर ये कहा जाता है कि ये वेज या नॉन-वेज खाना है.

लेकिन टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस फ्लाइट अटेंडेंट ने आशुतोष को बिना पूछे ही नॉन-वेज मील बॉक्स दे दिया. आशुतोष अपना बॉक्स खोलकर सैंडविच खाते इससे पहले उनकी को-स्टार नेहा ने उन्हें रोकते हुए पूछा कि उनका सैंडविच आशुतोष के सैंडविच से अलग क्यों दिख रहा है? उनके सवाल के बाद जब दोनों ने अपने बॉक्स चेक किए तब पता चला कि आशुतोष को नॉन-वेज सैंडविच परोसा गया है.

लंबी चली बहस

जब एंड टीवी की पीआर टीम को ये बात पता चली तब उन्होंने फ्लाइट अटेंडेंट को सवाल पूछे. टीम की तरफ से दावा किया गया कि उन्होंने उनके साथ अयोध्या जाने वाले सभी के लिए वेज मील बुक किया था, लेकिन फ्लाइट अटेंडेंट का कहना था कि उन्होंने बुकिंग के समय चुने गए विकल्प के आधार पर ही सभी को खाना परोसा है.

पीआर टीम और फ्लाइट अटेंडेंट्स के बीच की ये बहस काफी लंबे समय तक चली, लेकिन नॉन-वेज के बदले वेज मील देने से एयर होस्टेस ने साफ इनकार कर दिया.

मुनव्वर फारूकी

के साथ धोखा, दावत पर बुलाकर फेंके गए अंडे? एल्विश यादव का मिला सपोर्ट

मुनव्वर फारूकी चाहें लाख कोशिश करें लेकिन कंट्रोवर्सी उनका पीछा नहीं छोड़ रही हैं. 'लॉक अप' और 'बिग बॉस 17' जीतने वाले मुनव्वर लंबे समय से सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं. हाल ही में उनसे जुड़ा एक वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है. इस वायरल वीडियो में कुछ लोग मुनव्वर फारूकी पर अंडे फेंकते हुए नजर आ रहे हैं. इस पूरे मामले पर बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 के विनर एल्विश यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है.दरअसल मुंबई के मोहम्मद अली रोड के एक मशहूर रेस्त्रां में मुनव्वर को इफ्तारी के लिए आमंत्रित किया गया था. उनके वहां आते ही उस इलाके में बहुत बड़ी संख्या में भीड़ इकट्ठा होने लगी. और इस भीड़ का फायदा उठाते हुए कुछ लोग मुनव्वर पर अंडे फेंकने लगे. इस दौरान उनके साथ धक्का-मुक्की भी की गई. कहा जा रहा है कि जिन्होंने मुनव्वर को इफ्तारी के लिए आमंत्रित किया था, उस रेस्त्रां के प्रतिद्वंद्वी रेस्त्रां के लोगों ने मुनव्वर पर जानबूझकर ये हमला किया था. आपको बता दें, इस पूरे मामले में मोहम्मद अली रोड पुलिस थाने की तरफ से कार्रवाई भी की गई है. और फिलहाल उन्होंने 7 लोगों को अपनी कस्टडी में लिया है.

मुनव्वर ने भी दी प्रतिक्रिया

इस पूरे मामले पर मुन्नवर की भी प्रतिक्रिया आई है. उनके अनुसार उनको किसी ने नहीं पीटा. उन पर अंडे नहीं फेंके गए. उनका कहना था कि ये गुटों के बीच की रायवलरी थी. उनके बीच ही मामला कुछ गर्म हो गया. उन्हें किसी ने अंडे नहीं मारे.

एल्विश को मिला मुनव्वर का सपोर्ट

मुनव्वर के साथ हुई इस धक्का-मुक्की पर बिग बॉस ओटीटी 2 विनर एल्विश यादव का रिएक्शन आया है. उन्होंने मुनव्वर को सपोर्ट करते हुए कहा है कि ये पूरी तरह से गलत है. इस तरह की परिस्थिति में इंसान अकेला पड़ जाता है. आपको हर समय टारगेट करने की कोशिश होती है, और कुछ लोग चाहते हैं कि आपके साथ बुरा हो, लेकिन कामयाबी के साथ इस तरह की मुश्किलें भी आती हैं. जब आप मशहूर हो जाते हैं तब आपको लाखों चाहने वाले मिलते हैं और साथ में कुछ नफरत करने वाले भी मिलते हैं. हमारे साथ तो भगवान की दया से इस तरह का कुछ नहीं हुआ. और हम चाहेंगे भी नहीं कि हमारे साथ या किसी और के साथ इस तरह की कोई हरकत की जाए जो मुनव्वर के साथ हुआ है.